राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश ■ राजस्थान ■ हरियाणा ■ छत्तीसगढ़ ■ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 राजस्थान के खिलाफ जीत के बाद ड्रेसिंग रूम में भावुक हो... | सम्पादकीय भाषा से परिभाषाः शब्दों में संसार की.... | आरबीआई ने रुपए के ट्रेड पर लगी पाबंदियां हटाईं 5

वर्ष 20 ● अंक 60 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online | भोपाल, मंगलवार 21 अप्रैल 2026 | email - hindustanexpressbhopal@gmail.com | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

पचपदरा रिफाइनरी में आग के बाद पीएम का दौरा स्थगित

नई दिल्ली। राजस्थान की बालोतरा की पचपदरा रिफाइनरी में उद्घाटन से एक दिन पहले आग लग गई। सोमवार दोपहर 2 बजे रिफाइनरी की क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट में आग लगी। धुएं का गुबार उठने पर कर्मचारियों ने फायर सेफ्टी सिस्टम चालू कर दिया। मंगलवार को पीएम नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन करने वाले थे। आग के बाद पीएम का दौरा स्थगित हो गया।

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। करीब दो घंटे तक आग की लपटें उठती रहीं। आग पर लगभग काबू पा लिया गया है। इस दौरान करीब 10 से 12 फायर ब्रिगेड से एक साथ पानी की बौछार की गई।

सुरक्षा कारणों से पूरे क्षेत्र को खाली करा लिया गया था। कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड में पाइप लाइन से आने वाला कच्चा तेल इसी यूनिट में आता है। इस यूनिट में क्रूड ऑयल रिफाइन होकर अलग-अलग यूनिट में भेजा जाता है।

अधिकारियों ने बताया कि आग पर पूरी तरह काबू पाने के बाद ही नुकसान और आग लगने के कारणों का आकलन किया जा सकेगा। सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा- मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं। सरकारी तेल कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड यानी एचपीसीएल की यह रिफाइनरी राजस्थान में नए बने जिले बालोतरा के पचपदरा में मौजूद है। करीब 79 हजार 459 करोड़ रुपए की लागत से करीब 4500 एकड़ (7200 बीघा) में बनी रिफाइनरी में विदेशों से मंगाए जाने वाले कच्चे तेल को प्रोसेस करने और उससे अलग-अलग प्रोडक्ट तैयार करने के लिए पूरा कॉम्प्लेक्स बनाया गया है। यहां सालाना 9 मिलियन टन कच्चा तेल साफ किया जा सकता है।

उधमपुर में सड़क हादसा, 21 की मौत

यात्री बोले- तेज रफ्तार बस का टायर फटा, ड्राइवर कंट्रोल नहीं कर सका

उधमपुर। जम्मू के उधमपुर में सोमवार सुबह एक बस हादसे का शिकार हो गई। रामनगर से आ रही बस कगोत के पास सड़क से करीब 100 मीटर नीचे गिरकर पलट गई। न्यूज एजेंसी क्क्षढ्ढ के मुताबिक इस हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि 29 से ज्यादा यात्री घायल हो गए। हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ। बस में 50 यात्री सवार थे, जिनमें से ज्यादातर लोग रामनगर से उधमपुर में अपने रोजाना के काम पर जा रहे थे। 15 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि बाकी 6 लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

घायलों के मुताबिक बस ओवरलोड थी, रफ्तार भी तेज थी। कगोत नाले के पास अचानक बस का टायर फट गया। इससे ड्राइवर उसे कंट्रोल नहीं कर सका। और बस सड़क से नीचे गिर गई। हादसे में बस का ऊपरी हिस्सा पूरी तरह नष्ट हो गया है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट पर बताया कि हादसे का शिकार हुई बस पब्लिक ट्रांसपोर्ट की थी। घायलों का इलाज लस्ष्ट ऊधमपुर में किया जा रहा है। इधर, पीएम मोदी ने हादसे में मरने वाले लोगों के लिए संवेदना जताई और मृतकों के परिवार को 2-2 लाख और घायलों को 50 हजार के मुआवजे का ऐलान किया है।

हादसे वाली जगह पर मौजूद लोगों ने बताया कि हादसे की वजह बस का ओवरलोड और तेज रफ्तार होना था। घायल यात्रियों से पूछा गया तो वे बोले कि ड्राइवर बहुत तेज बस चला रहा था। बस का टायर फटने से वह स्पीड कंट्रोल नहीं कर सका। जिसके कारण वह करीब 100 मीटर की ऊंचाई से गिर गई। बस नीचे सड़क पर उलटी गिरने से पहले एक ऑटो-रिक्शा को कुचलती हुई गई। अधिकारियों ने बताया कि ऑटो-रिक्शा में सवार लोगों को चोटें आईं, लेकिन वे बच गए। हादसे के बाद उसी रास्ते से गुजर रहे सेना के एक काफिले ने बचाव अभियान की कमान संभाली। बाद में एक हाइड्रोलिक क्रेन की मदद से गाड़ी को सीधा किया गया।

कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंषाना की नातिन के विवाह समारोह में पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, दिया आशीर्वाद

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान सोमवार को अल्प प्रवास पर मुरैना पहुंचे। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री ऐदल सिंह कंषाना के निवास पर पहुंचकर उनकी नातिनी आयुष्मति दीपिका (पुत्री स्व. भूरा सिंह कंसाना) एवं आयुष्मान यतेन्द्र (पुत्र राव राजेश्वर सिंह, निवासी सिरसौद दयेली, ग्वालियर) को विवाह अवसर पर आशीर्वाद प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नवदंपती को शुभाशीष देते हुए उन्हें उपहार भी भेंट किए तथा उनके सुखद एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन की कामना की। इस अवसर पर मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित, सांसद शिव मंगल सिंह तोमर, महापौर श्रीमती शारदा सोलंकी अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं पत्रकारगण उपस्थित रहे।

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नवदम्पत्ति को आशीर्वाद दिया

मुरैना। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान सोमवार को अल्प प्रवास पर मुरैना पहुंचे। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री ऐदल सिंह कंषाना के निवास पर पहुंचकर उनकी नातिनी आयुष्मति दीपिका (पुत्री स्व. भूरा सिंह कंसाना) के विवाह समारोह में सहभागिता की। इस शुभ अवसर पर उन्होंने आयुष्मति दीपिका एवं आयुष्मान यतेन्द्र (पुत्र राव राजेश्वर सिंह, निवासी सिरसौद दयेली, ग्वालियर) को वैवाहिक जीवन की मंगलकामनाएं देते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। केन्द्रीय मंत्री ने नवदंपती को उपहार भेंट कर उनके सुखद, समृद्ध एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की। समारोह में क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं पत्रकारगण भी उपस्थित रहे, जिससे कार्यक्रम का वातावरण गरिमामय एवं उल्लासपूर्ण रहा।

लॉजिस्टिक्स और सिटिजन-सेंट्रिक सेवाओं में तेजी से उभर रहा है डाक विभाग का सशक्त नेटवर्कः केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डाक विभाग ने रचा इतिहासः वित्त वर्ष 2025-26 में 15,296 करोड़ का राजस्व, 16' की अभूतपूर्व वृद्धि, -केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की अध्यक्षता में हुई डाक विभाग की वार्षिक समीक्षा बैठक

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

नई दिल्ली। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की अध्यक्षता में आज सोमवार को डाक विभाग की वित्तीय वर्ष 2025-26 की वार्षिक व्यवसाय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। इस उच्चस्तरीय बैठक में देशभर के सभी डाक विभाग के 23 सर्किलों के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल एवं विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, जहां विभाग के वार्षिक प्रदर्शन की समीक्षा, रणनीतिक प्राथमिकताओं की प्रगति का आकलन तथा आगामी वित्तीय वर्ष के लिए रोडमैप तय किया गया।

बैठक की शुरुआत में केंद्रीय मंत्री ने विभाग के छह प्रमुख वर्टिकल्स यानि पार्सल, मेल, अंतराष्ट्रीय मेल, पोस्ट ऑफिस सेविंग्स बैंक (POSB), पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस (PLI/RPLI) और सिटिजन सेंट्रिक सर्विसेज (CCS) की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डाक विभाग ने FY 2024-25 में 13,218 करोड़ के मुकाबले FY 2025-26 में 15,296 करोड़ का राजस्व अर्जित किया है, जो 16% की उल्लेखनीय वृद्धि है। कई वर्षों में पहली बार 15% से अधिक की वृद्धि दर्ज करते हुए यह उपलब्धि विभाग के पारंपरिक कॉस्ट सेंटर से राजस्व-संचालित एकीकृत सेवा नेटवर्क बनने की दिशा में तेज़ी से बढ़ते कदम को दर्शाती है।

सभी प्रमुख वर्टिकल्स में दमदार प्रदर्शन, पार्सल और CCS बने ग्रोथ इंजन

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि यह वृद्धि विभाग के विभिन्न व्यवसायिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिणाम है। पार्सल व्यवसाय में राजस्व 669 करोड़ से बढ़कर 1,133 करोड़ हो गया, जो 69% की वृद्धि दर्शाता है। मेल सेवाओं में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई, जहां राजस्व 34% वृद्धि के साथ 2,396 करोड़ से बढ़कर 3,202 करोड़ हुआ। सिटिजन सेंट्रिक सर्विसेज में 70% की बढ़ोतरी के साथ 508 करोड़ से बढ़कर 864 करोड़ का राजस्व दर्ज किया गया।

इसके अलावा पोस्ट ऑफिस सेविंग्स बैंक (POSB) में स्थिर वृद्धि जारी रही, जो 6,888 करोड़ से 13% बढ़कर 7,756 करोड़ हो गया। वहीं पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस (PLI/RPLI) ने 1,171 करोड़ से

शेष पृष्ठ 5 पर ....

विस अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह ने मंत्री ऐदल सिंह कंषाना की नातिन के विवाह समारोह में पहुंचकर शुभशीष प्रदान किए

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने बीती रात्रि को इंद्रलोक पैलेस में पहुंचकर मध्य प्रदेश शासन के कृषि मंत्री ऐंदल सिंह कंषाना की नातिन सौ. दीपिका के विवाह समारोह में सम्मिलित होकर शुभकामनाएँ दीं। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर का मंत्री ऐदल सिंह कंषाना ने आत्मीय अभिनंदन किया। तत्पश्चात् विस अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह ने नव दम्पत्ति को शुभाशीष प्रदान किए। यहां पर कुछ समय रुकने के बाद विस अध्यक्ष श्री तोमर अपने गंतव्य की ओर रवाना हो गए। इस अवसर पर सैकड़ों लोग मौजूद थे।

चतुर्थ पुण्य स्मरण पर विनम्र श्रद्धांजलि

(21 अप्रैल 2022-2026)

परम श्रद्धेय

स्व. श्रीमती राधा गुप्ता

(पत्नि प्रमोद कुमार गुप्ता)

आपकी प्रेममय मधुर स्मृति, कर्मपरायण जीवन, मार्गदर्शन, सतत् प्रेरणा एवं आशीर्वाद सदा हमारे लिए पथ प्रदर्शक रहेगा आज आपकी चतुर्थ पुण्य-स्मृति पर हम सभी पारवारिक जन सादर श्रद्धापूर्वक नतमस्तक हैं आपको विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

मान्यवर, पुण्य स्मरण के निहितार्थ उनकी चिर स्मृति में आज 21 अप्रैल 2026, मंगलवार को सिटी सेन्टर, ग्वालियर स्थित सत्कार गैस्ट हाउस प्रांगण में सायंकाल 5 बजे से सुन्दर काण्ड पाठ एवं भजन संध्या में सौन्दर्य महिमा के एकादश दृश्य आयोजन भी होगा।

श्रद्धानवत् :

प्रमोद कुमार गुप्ता (पति), अनुभव गुप्ता, अभिनव गुप्ता (पुत्रगण)
तनु गुप्ता, वियोम गुप्ता, आयति गुप्ता (पौत्र-पौत्रियाँ)
एवं समस्त परिवार तथा मित्रगण

प्रतिष्ठान : मै. प्रमोद कुमार गुप्ता एण्ड कम्पनी

(आयकर, जी.एस.टी. सलाहकार)

23, कैलाश विहार, आयकर भवन के सामने, सिटी सेन्टर, ग्वालियर मोबा. 9425126505, 9425126503

भाजपा में यशोधरा राजे के विरोधी भी अब करने लगे हैं उनका गुणगान

फिर से स्थानीय राजनीति में सक्रिय होने की उठने लगी है मांग

-अशोक कोचेटा-

शिवपुरी। तीन साल पहले विधानसभा चुनाव के पूर्व शिवपुरी की चार बार की विधायक और उस समय मंत्री पद पर आसीन यशोधरा राजे सिंधिया ने स्वास्थ्य कारण को आधार बताते हुए जब विधानसभा चुनाव न लडऩे का निर्णय लिया तो उनके उस निर्णय की मिश्रित प्रतिक्रिया हुई थी। जनता का एक बड़ा वर्ग उनके निर्णय से जहां संतुष्ट नजर नहीं आया वहीं भाजपा में यशोधरा राजे के राजनैतिक विरोधियों ने दो बातें जोर शोर से प्रचारित की। एक तो अपनी आशंकित हार को यशोधरा राजे ने पहचान लिया था इसलिए उन्होंने स्वयं ही चुनाव न लड़ने का निर्णय लेकर अपनी प्रतिष्ठा बचाई। वहीं कुछ बड़बोले राजनैतिक विरोधियों ने यहां तक प्रचारित कर दिया कि पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर भाजपा ने उन्हें टिकिट न देने का निर्णय लिया था और यशोधरा राजे से अपेक्षा की थी कि वह स्वयं चुनाव न लडऩे की घोषणा करें अन्यथा उनका टिकिट काट दिया जाएगा। लेकिन तीन साल के भीतर ही पूरा परिदृश्य बदल गया है। जिस तरह से सत्ता के गलियारे में जनता की सुनवाई नहीं हो रही और आमजन के समक्ष समस्या यह है कि वह अपनी व्यथा किसे बताए। कोई सुनने वाला नहीं है और स्थानीय विधायक यह कहने में भी संकोच नहीं करते कि उनकी खुद की सुनवाई नहीं हो रही। वहीं भाजपा में यशोधरा राजे के विरोधियों की जिस तरह से पूछपरख कम हुई है उससे भी यशोधरा राजे की लोकप्रियता के ग्राफ में वृद्धि नजर आ रही है। क्योंकि कम से कम यशोधरा राजे के रहते हुए उनके अस्तित्व पर कम से कम कोई संकट तो नहीं था। इससे शिवपुरी विधानसभा क्षेत्र में यशोधरा राजे के राजनैतिक पुर्नवास की चर्चाऐं तेज हो गई। सोशल मीडिया पर लगातार भाजपा आलाकमान से मांग की जा रही है कि जनहित को

देखते हुए यशोधरा राजे सिंधिया को नई जिम्मेदारी दी जाए ताकि क्षेत्र की जनता के हित सुरक्षित रह सकें। वैसे भी यशोधरा राजे सिंधिया सोशल मीडिया पर राजनैतिक रूप से काफी सक्रिय है।

गुना-शिवपुरी संसदीय क्षेत्र की विधानसभा शिवपुरी यशोधरा राजे सिंधिया की कर्मस्थली है। वह इस इलाके में 1989 से सक्रिय है। जब उन्होंने अपनी माँ के आदेश का पालन करते हुए तकनीकी कारणों से भाजपा के चुनाव चिन्ह से वंचित स्व. सुशील बहादुर अष्ठाना को जिताने का बीड़ा उठाया था। जबकि उस समय यशोधरा राजे सिंधिया की न तो कोई राजनैतिक पहचान थी और न ही क्षेत्र की जनता से उनका कोई औपचारिक परिचय था लेकिन अपने व्यवहार, मिलनसारिता और मतदाता को मोहित करने वाली उनकी स्टाईल ने चमत्कार कर दिखाया और स्व. अष्ठाना 20 हजार से अधिक मतों से चुनाव जीतने में सफल रहे। इसके बाद यशोधरा राजे लगातार सक्रिय रही, लेकिन चुनाव से उन्होंने दूरी बनाकर रखी। 1993 में उन्होंने अपने कट्टर समर्थक देवेन्द्र जैन को चुनाव जिताने में सफलता प्राप्त की। उनकी मेहनत के कारण ही श्री जैन अपने समधि को चुनाव समर में पराजित कर पाए। कुछ कारणों से देवेन्द्र जैन और यशोधरा राजे के बीच मतभेद उजागर हुए और 1998 में यशोधरा राजे स्वयं शिवपुरी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतरी और उन्होंने कांग्रेस के धारदार नेता हरिवल्लभ शुक्ला को हरा दिया। 2003 में उनकी जीत का अंतर 25 हजार तक पहुंच गया। 2007 के उप चुनाव में वह ग्वालियर संसदीय क्षेत्र से चुनी गई और 2009 में भी वह ग्वालियर से लड़ी और विजयी रहीं। 2013 में यशोधरा राजे पुनः अपनी कर्मभूमि शिवपुरी वापस लौटी और उन्होंने 2013 एवं 2018 के चुनाव में विजयी होकर मंत्री पद का दायित्व संभाला। इस दौरान यशोधरा राजे विभिन्न चुनावों में भी सक्रिय रही और उनकी मेहनत के कारण माखन लाल राठौर, रिशिका अष्ठाना नपाध्यक्ष बनने में सफल रही। उनकी इच्छा के विरूद्ध नपाध्यक्ष पद के लिए देवेन्द्र जैन को टिकिट दिया गया परन्तु वह चुनाव नहीं जीत सके। 2007 के शिवपुरी विधानसभा उप चुनाव में यशोधरा राजे की नापसंद के उम्मीदवार गणेश गौतम भी हार गए। शिवपुरी जिले में कई भाजपा नेताओं को यशोधरा राजे की मेहनत के कारण ही विधायक बनने का सुख प्राप्त हुआ। इनमें देवेन्द्र जैन से लेकर नरेन्द्र बिरथरे, रणवीर ड्ढ्ढसह रावत, माखन लाल राठौर, प्रहलाद भारती, रमेश खटीक सहित गुना संसदीय क्षेत्र की विभिन्न विधानसभाओं के विजयी प्रत्याशी भी शामिल हैं। एक ओर जहां यशोधरा राजे की लोकप्रियता बढ़ रही थी वहीं भाजपा में उनके राजनैतिक विरोधी भी तेजगति से बढऩे लगे थे। इनमें रणवीर रावत से लेकर राजू बाथम, नरेन्द्र बिरथरे, देवेन्द्र जैन, जितेन्द्र जैन, सोनू बिरथरे, पृथ्वीराज सिंह जादौन, रामजी व्यास सहित भाजपा नेताओं की एक लम्बी सूची शामिल है। यशोधरा राजे विरोधियों की संगठन में पकड़ मजबूत हो गई थी और उन्होंने अपने आपको नरेन्द्र सिंह तोमर खैमे से जोड़ लिया था। लेकिन इससे वेपरवाह यशोधरा राजे की सक्रियता में कोई कमी नहीं आई और जनता के दुःख दर्द से वह बराबर जुड़ी रही तथा शासकीय योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में भी उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी। उनका मोबाइल नम्बर शिवपुरी के लगभग सभी नागरिकों के पास है और जब भी उनके समक्ष कोई समस्या आती वह सीधे यशोधरा राजे से संपर्क करते तथा उनकी समस्या का निदान भी होता। यह एक बहुत बड़ी ताकत थी लेकिन यशोधरा राजे का मुखर विरोध नगर पालिका चुनाव में हुआ जब अध्यक्ष पद के लिए पहले उन्होंने भानू दुबे के नाम को फाइनल कराना प्रतिष्ठा का सवाल बनाया और जब बात नहीं बनी तब भाजपा राजनीति से अनजान गायत्री शर्मा को निर्विरोध रूप से नपाध्यक्ष बना दिया। यहीं से उनका नपा उपाध्यक्ष सरोज रामजी व्यास से विरोध हुआ और यह विरोध खुलकर सामने आया। विधानसभा चुनाव में जब भाजपा पर्यवेक्षक आए तो यशोधरा राजे विरोधियों ने खुलकर उनके नाम का विरोध किया और यहां तक कहा कि यदि पार्टी ने उन्हें टिकिट दिया तो वह चुनाव नहीं जीत पाऐंगी। इसके बाद यशोधरा राजे ने खुद ही चुनाव न लड़ने का निर्णय लेकर अपने विरोधियों की मंशा पूरी कर दी।

आदर्श विवाह समिति ने किया विवाह समारोह का आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

नागपुर। आदर्श विवाह समिति की ओर से आदर्श विवाह समारोह शैक्षणिक संकुल, नंदनवन, नागपुर में प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित सर्व वैश्य एकता परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामकृष्णजी गुप्ता, सलाहगार समिती प्रमुख संतोष गुप्ता, प्रचार मंत्री अनिल केशरवानी, वरिष्ठ समाजसेवी ओंकार गुप्ता, शैक्षणिक मंडल अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, सचिव दीपक गुप्ता, कोषाध्यक्ष अविनाश गुप्ता, एकता परिषद ज़िला अध्यक्ष राजेश दुर्गाप्रसाद गुप्ता, महिला मंडल अध्यक्ष पूजा गुप्ता, आदर्श विवाह समारोह अमित गुप्ता, संयोजिका रूपाली गुप्ता की प्रमुख उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

सर्वप्रथम वर-वधु पक्षीय पूजा अर्चना का कार्यक्रम पंडित द्वारा विधिवत सम्पन्न हुआ। उसके पश्चात वर-वधु का प्रमुख अतिथि द्वारा स्वागत किया गया। प्रमुख अतिथि का भी बुके देकर उपस्थिति शैक्षणिक मंडल के

पदाधिकारी ने किया। इस अवसर पर रामकृष्ण गुप्ता ने वर-वधु को आशीर्वाद देते हुए उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दोसर वैश्य महिला मंडल एवं दोसर वैश्य शैक्षणिक मंडल ने जो आदर्श विवाह की नींव रखी समाज के लिए बड़ा सरायनीय कार्य है। मैं प्रदीप जी, दीपक जी एवं विवाह आयोजन टीम धन्यवाद देता हूं। उनके समाज कार्य की सराहना करता हूं। शैक्षणिक मंडल के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने कहा कि आदर्श विवाह का आयोजन से समाज में अच्छा मैसेज जाता है। मुझे सभी का सहयोग मिला तो हर साल आदर्श विवाह का आयोजन करूंगा एवं वर-वधु को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शैक्षणिक मंडल के उपाध्यक्ष दुर्गेश गुप्ता, सहसचिव नंदकिशोर गुप्ता, राजेश जुगलकिशोर गुप्ता, राजेश रामलालज गुप्ता, गौरव गुप्ता, महिला मंडल आरती गुप्ता, सीमा गुप्ता, रूपाली गुप्ता, दीपाली गुप्ता, संतोषी गुप्ता, दिव्या गुप्ता, मंजू गुप्ता सहित शैक्षणिक मंडल के पदाधिकारी, महिला मंडल पदाधिकारी एवं समाजबंधु बड़ी सख्या में उपस्थित थे। उपस्थित सभी समाज बंधु ने वर-वधु को आशीर्वाद प्रदान किया कार्यक्रम का संचालन संस्था के समन्वयक नारायण नाखले ने किया। आभार प्रदर्शन कोषाध्यक्ष अविनाश गुप्ता ने किया।

नारी शक्ति बंधन अधिनियम का विरोध करने वाली कांग्रेस ने लोकसभा में अपना महिला विरोधी चरित्र उजागर किया: संध्या राय

* प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को संबोधित करते हुए मातृशक्ति की भूमिका को सर्वोपरि बताया

* प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय संबोधन में स्पष्ट किया 21वीं सदी का भारत महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और नेतृत्व से ही सशक्त बनेगा तथा नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के सपनों को साकार करने का सशक्त माध्यम है

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भिण्ड। प्रधानमंत्री जी ने यह भी कहा कि मातृशक्ति को 33% आरक्षण देने के संकल्प को विपक्ष–मुख्यतः समाजवादी पार्टी, कांग्रेस एवं डीएमके–के विरोध के कारण अपेक्षित बहुमत नहीं मिल सका, इस पर उन्होंने मातृशक्ति से खेद व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया कि सरकार महिलाओं के अधिकारों,सम्मान और सशक्तिकरण के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है और यह संकल्प तब तक जारी रहेगा, जब तक महिलाओं को उनका अधिकार नहीं मिल जाता। संसद सदस्य श्रीमती राय ने कहा कि राष्ट्र के नाम संबोधन में उन्होंने देश की नारी शक्ति को सम्मान पूर्वक संबोधित करते हुए कहा की महिलाओं की बढ़ती हुई राजनीतिक क्षेत्र में जनभागीदारी को रोकना कांग्रेस समाजवादी पार्टी टीएमसी एवं राष्ट्रीय विरोधी जैसे जातिगत की राजनीति करने वालों ने महिला विरोधी चरित्र उजागर कर दिया है। सांसद श्रीमती राय ने कहा कि प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के विषय पर देश की माताओं, बहनों और बेटियों के सम्मान,अधिकार और आकांक्षाओं को अत्यंत संवेदना और दृढ़ता के साथ स्वर दिया,उसके लिए हृदय से आभार! यह बात भिण्ड ,दतिया सांसद,श्रीमती संध्या राय ने

कहीं। सांसद श्रीमती राय ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन करोड़ों नारियों के आत्मसम्मान को नई ऊर्जा देने वाला संकल्प है। यह हमें प्रेरित करता है कि नारी सशक्तीकरण कोई विकल्प नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण की अनिवार्य आधारशिला है। हमें पूर्ण विश्वास है कि आपके यशस्वी नेतृत्व में यह प्रयास अवश्य सफल होगा मातृशक्ति देश की शक्ति नारी शक्ति का सम्मान सरकार का विजन,मिशन है, फिर निश्चित ही सफल होगा। सांसद श्रीमती राय ने कहा कि मैं जानता हूँ, देश की 100 प्रतिशत नारीशक्ति काआशीर्वाद हमारे साथ है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने राष्ट्रीय संदेश मैं देश की हर नारी को विश्वास दिलाता हूँ, कि हम नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के रास्ते में आने वाली हर रुकावट को खत्म करेंगे।महिला आरक्षण का विरोध करने वाली पार्टियां, ये देश की नारी शक्ति को संसद और विधानसभाओं में उनकी भागीदारी बढ़ाने से रोक नहीं पाएंगी।कांग्रेस हमेशा से हर रिफॉर्म को रोककर बैठी रही। लटकाना,भटकाना अटकाना.यही कांग्रेस का सिद्धांत रहा है, वर्क कल्चर रहा है। आइए,हम सब मिलकर महिला-नेतृत्व वाले विकास के इस संकल्प को आगे बढ़ाएं।

लोकसभा में जो घटनाक्रम हुआ वो सिर्फ संसदीय परंपरा नहीं बल्कि देश की आधी आबादी से जुड़ा महत्त्वपूर्ण विषय था। सांसद श्रीपति राय ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में INDI गठबंधन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उनकी मानसिकता महिला विरोधी है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' का विरोध करने पर आज भाजपा महिला मोर्चा ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी घमंडी गठबंधन के खिलाफ विशाल आक्रोश प्रदर्शन किया।विपक्ष का विरोध केवल एक कानून के खिलाफ नहीं, बल्कि देश की करोड़ों महिलाओं की प्रगति के खिलाफ है। सांसद श्रीमती राय ने कहा कि अपनी महिला विरोधी मानसिकता के कारण यह गठबंधन आधी आबादी के सपनों को कुचलना चाहता है, जिसे हम कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे।

महाराष्ट्र वैश्य एकता परिषद की मांग: लव जिहाद पर केंद्र तथा राज्य सरकारें सख्त कानून बनाएं

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

नागपुर। विश्व भर में भारत ही एक ऐसा शांति देश है जहां सभी धर्म के लोग मिलकर व्यापार में योगदान देते हैं, लेकिन कुछ सिरफिरे लोग भारत की छवि को खराब कर राष्ट्र विरोधी हो गए हैं। दिनों दिन लव जिहाद की केस भारत की अनेक शहरों और गांव में तीव्र गति से बढ़ रहे हैं। हिंदू लड़कियों को मोह जाल में फंसाकर रेप कर उनकी हत्याएं कर रहे हैं। इसी कड़ी में फिरौती के चक्कर में छोटे बच्चों का अपहरण कर उनकी हत्याएं कर रहे हैं।

कानून व्यवस्था व्यवस्था बिगड़ गई है। उसमें सुधार की अति आवश्यकता है। कोर्ट भी ऐसे जघन्य अपराधियों को जमानत न दे उन्हें आजीवन कारागार में डालने की व्यवस्था करें। ऐसे अपराधियों को फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलना चाहिए। यह कहना है महाराष्ट्र प्रदेश वैश्य एकता परिषद की कार्यकारिणी सदस्यों का। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रामकृष्ण गुप्ता ने की। इस अवसर पर विनोद केसरवानी, राजेश गुप्ता, मुन्ना गुप्ता, अनिल केसरवानी, संतोष गुप्ता, योगेश शिवहरे, महेश शिवहरे, हरिकिशन गुप्ता, गोपाल लैडर आदि उपस्थित थे। अपराधियों की प्रॉपर्टी भी डिस्ट्रॉय कर देना चाहिए। सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किए गए।

लोकसभा में महिलाओं को 33% आरक्षण देने का ऐतिहासिक प्रस्ताव विपक्ष द्वारा अस्वीकार करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है: देवेंद्र सिंह नरवरिया

कांग्रेस एवं राष्ट्र विरोधी महिला विरोधी अपनी ओछी मानसिकता को अपनाया

कांग्रेस को हर बुथ पर महिलाएं ,संगठित होकर विरोधियों को सिखाएगी सबक

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भिण्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के लिए नारी शक्ति बंधन अधिनियम 33% आरक्षण को कांग्रेस की महिला विरोधी नीतियों ने लोकसभा सदन में पारित नहीं होने दिया इससे देश की महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंची है कांग्रेस और राष्ट्रीय विरोधी दलों ने महिलाओं को आगे बढ़ने से रोका। यह बात भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया ने कही।भाजपा जिला अध्यक्ष नरवरिया ने कहा कि लोकसभा सदन में कांग्रेस और विरोधी दलों ने जिस प्रकार की चर्चा में महिला विरोधी अपने कमेंट्स करते हुए उनके अधिकारों को रोकने का प्रयास कर विरोध किया जबकि कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी प्रियंका गांधी बॉर्डर ने खुलकर नारी शक्ति अधिनियम का विरोध किया जबकि सदन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने विपक्ष को आग्रह किया कि यह बिल पारित होने दे यह महिलाओं के सम्मान और महिला सशक्तिकरण को आगे बढ़ने का काम करेगा लेकिन सदन में298 सांसदों ने समर्थन किया,लेकिन 230 ने इसका विरोध किया जिनमें विशेष रूप से कांग्रेस, TMC, DMK, सपा शामिल है।यह सिर्फ एक बिल नहीं था,यह देश की महिलाओं को उनका अधिकार देने का प्रयास था। पार्टी जिला अध्यक्ष नरवरिया ने कहा कि महिला सशक्तिकरण की बात करने वाले ही आज उसके खिलाफ खड़े नजर आए। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में महिलाएं हर बुथ पर संगठित होकर महिला विरोधी कांग्रेस को अपना सबक सिखा कर बदला अवश्य लेंगे। पार्टी जिला अध्यक्ष नरवरिया ने कहा कि दिल्ली में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को 2029 तक लागू करने हेतु लाए गए महत्वपूर्ण विधेयकों पर संसद में हुई चर्चा की साक्षी बनने का अवसर मिला दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों ने महिलाओं के सशक्त प्रतिनिधित्व से जुड़े इस ऐतिहासिक प्रयास का विरोध कर इसे पारित नहीं होने दिया। देश की मातृशक्ति इस विरोध को अवश्य स्मरण रखेगी और लोकतांत्रिक माध्यम से इसका उत्तर भी देगी।

नारी शक्ति बंधन अधिनियम का विरोध करने वाली कांग्रेस महिला विरोधी: आरती पाठक

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भिण्ड। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिला महामंत्री श्रीमती आरती पाठक ने कहा कि लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक-2026 का पारित न होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इस बिल के रुकने से देश की करोड़ों माताओं-बहनों के अधिकारों और उनके सपनों को ठेस पहुंचा है। कांग्रेस और टीएमसी समाजवादी पार्टी गठबंधन ने एक बार फिर अपनी महिला-विरोधी सोच को उजागर किया है। 33% आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण बिल का विरोध कर उन्होंने 'आधी आबादी' के साथ अन्याय किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हृष्ठ सरकार नारी शक्ति के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन विपक्ष की राजनीति ने इसमें

रुकावट डाली है। उन्होंने कहा इससे कई बार कांग्रेस ने लोकसभा राज्यसभा के दोनों सदनों में महिला विरोधी अपना रूप अपना कर उनके अधिकारों को जीने का प्रयास किया है। भाजपा महिला मोर्चा की जिला महामंत्री श्रीमती पाठक ने कहा कि नारी शक्ति इस अपमान को कभी नहीं भूलेगी तथा आने वाले समय में इसका जवाब जरूर देगी। कांग्रेस अब महिला विरोधी पूर्ण रूप से हो चुकी है आज से ही नहीं जब से देश स्वतंत्र हुआ तब से ही कांग्रेस के नेताओं ने महिलाओं के मन और सम्मान पर ठेस पहुंचाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को 2029 तक लागू करने हेतु लाए गए महत्वपूर्ण विधेयकों पर संसद में हुई चर्चा की साक्षी बनने का अवसर मिला दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों ने महिलाओं के सशक्त प्रतिनिधित्व से जुड़े इस ऐतिहासिक प्रयास का विरोध कर इसे पारित नहीं होने दिया। देश की मातृशक्ति इस विरोध को अवश्य स्मरण रखेगी और लोकतांत्रिक माध्यम से इसका उत्तर भी देगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

लॉजिस्टिक्स और सिटिजन-सेंट्रिक सेवाओं में तेजी से उभर रहा है डाक विभाग का सशक्त नेटवर्क: केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

25% बढ़कर 1,458 करोड़ का राजस्व अर्जित किया। केंद्रीय मंत्री ने यह भी बताया कि अंतरराष्ट्रीय मेल एवं ग्लोबल बिजनेस सेगमेंट में वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के कारण अस्थायी बाधाएं देखने को मिलीं। केन्द्रीय मंत्री ने हाल ही शुरू की गई तीन प्रीमियम सेवाओं 24 स्पीड पोस्ट, 24 स्पीड पोस्ट पार्सल और 48 स्पीड पोस्ट को इंडिया पोस्ट की लॉजिस्टिक्स क्षमता को मजबूत करने और एक्सप्रेस डिलीवरी की बदलती मांगों को पूरा करने में महत्वपूर्ण कारक बताया।

सर्किल स्तर पर बेहतर प्रदर्शन, राजस्थान, असम, बिहार-छत्तीसगढ़ अग्रणी

सर्किल-वार प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए केंद्रीय मंत्री ने संतोष व्यक्त किया कि पूरे नेटवर्क में समग्र सुधार देखने को मिला है। 23 में से 8 सर्किलों ने अपने निर्धारित लक्ष्यों का 90% से अधिक का राजस्व हासिल किया, जबकि 14 सर्किलों ने 80-90% के बीच प्रदर्शन किया। केवल एक सर्किल का राजस्व 80% से नीचे रहा। राजस्व प्रदर्शन में अपने लक्ष्य का 102% राजस्व अर्जित कर राजस्थान सर्किल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, असम ने 95% के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया और 94% राजस्व के साथ बिहार एवं छत्तीसगढ़ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। केन्द्रीय मंत्री ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सर्किल्स को पुरूस्कृत भी किया।

फाइनेंशियल इन्क्लूजन और लॉजिस्टिक्स पर फोकस, भविष्य की दिशा स्पष्ट

केंद्रीय मंत्री ने सिटिजन सेंट्रिक सर्विसेज (CCS), पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस (PLI/RPLI) और पोस्ट ऑफिस सेविंग्स बैंक (POSB) के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि ये सेवाएं वित्तीय समावेशन और अंतिम छोर तक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि इंडिया पोस्ट की भविष्य की वृद्धि का मुख्य आधार उसकी लॉजिस्टिक्स क्षमता होगी, जिसके लिए पार्सल सेवाओं के विस्तार और मेल सेवाओं के पुनरोद्धार पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है।

डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, ई-कॉमर्स साझेदारी और G2C सेवाओं का विस्तार

सिंधिया ने विभाग द्वारा ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की अग्रणी कंपनियों के साथ बढ़ती साझेदारियों, तथा गवर्नमेंट-टू-सिटिजन (G2C) और गवर्नमेंट-टू-गवर्नमेंट (G2C) सेवाओं में विस्तार को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि तकनीकी अपडेशन, प्रक्रिया सुधार और डेटा-आधारित निर्णय प्रणाली के माध्यम से इंडिया पोस्ट को एक प्रतिस्पर्धी और विश्वसनीय लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के रूप में स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने सभी सर्किल प्रमुखों से क्षेत्र-विशिष्ट रणनीतियों को अपनाने, जवाबदेही सुनिश्चित करने और परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया।

लड़की हूँ लड़ सकती हूँ.... प्रियंका गाँधी, फिर महिलाओं के अधिकारों के प्रति नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल कांग्रेस ने क्यों पास नहीं होने दिया?: आभा जैन

लोकसभा में महिलाओं को 33% आरक्षण देने का ऐतिहासिक प्रस्ताव विपक्ष द्वारा अस्वीकार करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण के साथ अत्यंत निंदनीय है

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भिण्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के लिए नारी शक्ति बंधन अधिनियम 33% आरक्षण को लेकर लोकसभा सदन में चर्चा के दौरान कांग्रेस और गठबंधन विरोधी दलों द्वारा विरोध करना यह उनकी गंदी सोच और महिला विरोधी चेहरे को उजागर करती है । यह बात भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की, की जिला अध्यक्ष श्रीमती आभा जैन ने कांग्रेस द्वारा विरोध किए जाने पर अपनी प्रक्रिया व्यक्त करते हुए कही।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी की सदस्य सरोज जोशी ने कहा कि लोकसभा में कांग्रेस की दोहरी नीति का चरित्र हम देश की बहनों और लोकतंत्र के लिए काला दिन है। कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने एक बार फिर देश की बहनों को धोखा दिया, बेटियों को ठग लिया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने विपक्ष की हर आशंका को निर्मूल साबित कर दिया था। स्पष्ट कर किसी राज्य के साथ कोई अन्याय और कोई नुकसान नहीं होगा। लेकिन महिला विरोधी विपक्ष नहीं माना। उन्होंने कहा कि आज केवल एक बिल ही नहीं गिरा। आज बहनों की आशाओं पर कुठाराघात हुआ। महिला विरोधी कांग्रेस और इंडी ब्लॉक ने बहनों के सशक्तीकरण के प्रयास को कुचल दिया। बहनों के सपनों को तोड़ दिया गया। उनके अरमानों को रौंद दिया। उनके अंदर की संभावनाओं को समाप्त किया और शक्ति स्वरूपा बहनों की भावनाओं को आहत किया। भाजपा मेला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती जैन ने कहा कि कांग्रेस और इंडी ब?लॉक की सोच है -नारी तू केवल अबला है'।आज़ादी के अमृतकाल में, जब विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की अपार क्षमता का उपयोग होना चाहिए था,तब विपक्ष ने उसी शक्ति को मसलकर समाप्त करने का पाप किया है। इस बिल को गिराकर कांग्रेस सहित पूरे विपक्ष ने अपने ताबूत में अंतिम कील ठोकी है।अब बहनें सड़कों पर निकलेंगी और कांग्रेस की भविष्य की संभावनाओं को कुचल कर समाप्त कर देंगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सपा और बसपा तथा राष्ट्र विरोधी ताकतों को आगामी चुनाव में देश की महिला ही इनको सबक सिखा देंगे और अपना बिल पिस्ता होने का बदला लेकर अपनी शक्ति का परचम फहराकर कांग्रेस को एहसास दिला देंगी कि, महिलाएं क्या है। उन्होंने कहा कि महिला आज से नहीं देश की आजादी से ही कांग्रेस हमेशा विरोधी रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी प्रियंका गांधी बॉर्डर सोनिया गांधी महिलाओं के अधिकारों को छीनकर अपनी ओछी मानसिकता को प्रदर्शित किया है यह वह कांग्रेस है जिन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न ,स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई जी के नेतृत्व वाली सरकार में भी उन्होंने महिला आरक्षण का विरोध किया था।

अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध मामला दर्ज

मुरैना। सिविल लाईन थाना क्षेत्र में 19 अप्रैल को एनएच-44 पर अंबाह बायपास चौराहे के नजदीक पैदल जा रहे अभिनेक उर्फ मोनू शर्मा 43 पुत्र सुदामा शर्मा नि. केशव कॉलोनी मुरैना और रिंकू मुदगल को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। हादसे में अभिनेक शर्मा की मौत हो गई। जबकि रिंकू को जख्मी हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मर्ग जांच के बाद पुलिस ने अज्ञात वाहन के ड्राईवर के विरुद्ध बीएनएस की धारा-106 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

दुर्घटना में घायल दो युवकों की दौराने उपचार मौत

मुरैना। बानमोर क्षेत्र में विगत 18 अप्रैल को कार के अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़कर पलटने से उसमें सवार उमेश कुशवाह 28 पुत्र मनोज कुशवाह नि. रेलवे कॉलोनी ग्वालियर और राहुल रजक 27 पुत्र राकेश रजक नि. समाधिया कॉलोनी ग्वालियर जख्मी हो गए थे। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

परशुराम जयंती पर निकली पालकी यात्रा

– यात्रा में 1100 महिला सिर पर कलश रखकर शामिल हुई

– 5 दूल्हों की सामूहिक बारात भी निकली

ग्वालियर। परशुराम जयंती के अवसर पर ग्वालियर में सकल ब्राह्मण समाज द्वारा सात दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को भगवान परशुराम की भव्य पालकी यात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रा की खास बात यह रही कि इसके साथ पांच दूल्हों की सामूहिक बारात भी निकाली गई, जिसने पूरे आयोजन को विशेष आकर्षण बना दिया।

यह पालकी यात्रा शहर के राम मंदिर से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होती हुई सनातन धर्म मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा में 1100 महिलाएं सिर पर कलश रखकर शामिल हुईं, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया और यात्रा की शोभा और भी बढ़ गई। पालकी यात्रा के सनातन धर्म मंदिर पहुंचने पर भगवान परशुराम की विधिवत पूजा-अर्चना और महाआरती की गई। इसके साथ ही पालकी यात्रा को विराम दिया गया। शहर के अलग-अलग स्थानों पर यात्रा और सामूहिक बारातों का जोरदार स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान को तिलक लगाकर माल्यार्पण किया, वहीं दूल्हों की आरती उतारकर अभिनंदन किया।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पांच जोड़ों का विवाह हुआ

सामूहिक विवाह सम्मेलन के अंतर्गत पांच जोड़ों का विवाह वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराया गया। इसमें डॉ. रेनू संग ज्योतिरादित्य मनु, कशिश संग सौरभ, प्राची संग आकाश, सोहली संग अनिल और मेघा संग संजय परिणय सूत्र में बंधे। विवाह संस्कार पंडित गिरिराज गुरुजी, पंडित रमाकांत शास्त्री, पंडित अंबिका प्रसाद शास्त्री और पंडित ब्रह्म दत्त पाण्डेय शास्त्री द्वारा संपन्न कराए गए। सकल ब्राह्मण समाज के संस्थापक जयवीर भारद्वाज ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन समाज में आपसी मेलजोल और प्रेमभाव को बढ़ाते हैं।

बाक्स फोटो क्रमांक 1

पालकी का पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल ने किया स्वागत

सकल ब्राह्मण महासमिति द्वारा निकाली गई भगवान परशुराम की पालकी का पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल के नेतृत्व में पूजा अर्चना कर धर्म प्रेमी बन्धुओं का स्वागत माला पहनाकर एवं ठंडा पेयजल पिलाकर प्रसाद वितरण किया गया। इससे पहले पालकी समारोह श्रीराम मंदिर से प्रारंभ हुआ। पालकी में पांच रथों पर ब्राह्मण दुल्हे सवार थे। पालकी समारोह में रामनारायण मिश्रा, पूर्व पार्षद गुड्डू वारसी, मुकतेश जैन, मण्डल अध्यक्ष कौशलेन्द्र राजावत, एडवोकेट रामाधार चौबे, राजे नायक, उमाशंकर सोनी, रवि आनंद गौड़, नरेश देव, प्रियंका गर्ग, विशाल जैन, डॉ राजेंद्र श्रीवास्तव आदि धर्मप्रेमी उपस्थित थे।

बदमाशों पर अंकुश लगाने पुलिस ने की कॉम्बिंग गश्त

– आधी रात को 191 पहुंचे हवालात

ग्वालियर। लंबे समय से पुलिस को चकमा दे रहे बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने रविवार सोमवार की दरम्यानी रात कॉम्बिंग गश्त की। पुलिस ने जब बदमाशों के घर का दरवाजा खटखटाया तो दरवाजा खोलते ही पुलिस ने बदमाशों की गर्दन नापी और उन्हें थाने पहुंचाया। गश्त के दौरान जो भी बदमाश जिस हालत में पुलिस को मिले उसे उठा लाई। इस दौरान कई बदमाशों ने पुलिस को चकमा देने का प्रयास किया, लेकिन पहले से अलर्ट पुलिस ने किसी को मौका नहीं दिया। कुछ ही घंटों में पुलिस ने जिलेभर से 191 बदमाशों को पकडकर हवालात पहुंचाया, इस दौरान करीब 270 गुंडे व हिस्टीशीटर चेक किए।

आमजन चौन से रहें और बदमाशों में पुलिस का खौफ रहे, इसके लिए बीती रात जिले में पुलिस ने कॉबिंग गश्त किया। इस दौरान पुलिस ने उन बदमाशों को पकड़ा जो कई सालों से पुलिस को चकमा दिए हुए थे। वहीं पुराने गैंगस्टरों और बदमाशों को पुलिस ने चेक कर उनकी जानकारी जुटाई, जिससे वह पुनरू वारदातों में शामिल न होने पाए। बीती रात किए गए गश्त में पुलिस 191 फरार स्थाई एवं गिरफ्तारी वारंटियों को गिरफ्तार कर 270 गुण्डा व हिस्ट्रीशीटरों को चेक किया, जिसमें जिले के विभिन्न थानों से 105 स्थाई एवं 86 गिरफ्तारी वारंटियों को हवालात में पहुंचाया है और 270 गुण्डा, हिस्ट्रीशीटरों को किया चेक। गश्त के दौरान अवैध शराब के थाना करहिया एवं मोहना द्वारा 1-1 मामला दर्ज किया है। इसके साथ ही 1 सट्टे का मामला दर्ज किया है। वहीं शहर एवं देहात के विभिन्न थानों में धारा 107, 116 जाफौ में 6 कार्रवाई की है।

अभियान में किसी तरह की कमी न रहे, इसे देखते हुए एसएसपी धर्मवीर सिंह, एएसपी विदिता डागर, अनु बेनीवाल, सुमन गुर्जर, जयराज कुबेर के साथ ही अन्य अफसरों ने कॉम्बिग का निरीक्षण किया। इस दौरान जिस थाने की कार्रवाई में कमी दिखी, तुरंत ही उस क्षेत्र में पहुंचकर अफसर और जवानों को कसा। जिसके बाद कार्रवाई गति पकड़ गई। इस दौरान फरारी बदमाशों, वारंटियों, गुण्डों, हिस्ट्रीशीटरों एवं जिला बदर के आरोपियों की उनके घरों पर चेकिंग के साथ ही बैंक एटीएम एवं होटल, लॉज, धर्मशाला, ढाबों को भी चेक किया। एसएसपी धर्मवीर सिंह ने कहा कि जनता चौन से रहे और बदमाशों में पुलिस का खौफ रहे, इसके लिए पुलिस का यह अभियान लगातार चलेगा। बीती रात चले अभियान में पुलिस ने कुल 191 बदमाशों को पकड़ा है, 270 गुंडे व हिस्टीशीटर चेक किए हैं।

गर्मी ने बढ़ाये उल्टी दस्त के मरीज

– मरीजों में सर्वाधिक बच्चे, दो गुनी हुई ओपीडी

ग्वालियर। गर्मी बढ़ते ही शासकीय व अशासकीय अस्पतालों में ओपीडी मरीजों का आंकड़ा बढ़ने लगा है। साथ ही भीषण गर्मी के चलते बच्चों की मुसीबत बढ़ गई है। इन दिनों सर्वाधिक मरीज डायरिया के बढ़ रहे है। जिसकी चपेट में 10 से 12 साल के बच्चे आ रहे है। डायरिया के बढ़ते मरीजों की वजह असामान्य तापमान है। बीते दिनों से लगातार तापमान बढ़ रहा है। सोमवार को और तापमान बढ़कर 42.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इसीलिये बढ़ती गर्मी ने डायरिया का विकार उत्पन्न कर दिया। डाक्टरों का कहना है कि यह वायरल स्थिति है। पानी की कमी के चलते यह बीमारी बढ़ रही है।

बच्चों में पानी की कमी हो रही है और बच्चे खेल में मस्त रहते है। आखिर तपन और गर्म हवा के कारण मसीने से पानी निकलता है, लेकिन

जितना पानी चाहिये उतना पानी नहीं मिल पाता है। आखिर बच्चों में पानी की कमी आने लगती है और बच्चा डायरिया के शिकार हो जाते है। यही वजह है कि भीषण गर्मी का प्रकोप बढ़ते ही बच्चे सर्वाधिक डायरिया के शिकार हो रहे है। बीते माह की अपेक्षा अस्पतालों में जो मरीज आ रहे है वह उल्टी दस्त एवं पेट से पीडित है। इनमे दो गुनी संख्या बच्चों की है और वह डायरिया से पीड़ित है। मुरार जिला अस्पताल, गजराराजा मेडीकल कालेज, माधव डिस्पेंसरी एवं शहर की विभिन्न संजीवनी औषधालय में बढ़ती मरीजों की संख्या को देखकर हर कोई चिंतित है। डाक्टरों का कहना है कि वृद्ध व बच्चों को इन दिनों भीषण गर्मी से बचायें। लापरवाही न बरतें वरना परेशानी बढ़ सकती है। डा. आशुतोष शर्मा ने कहा कि डायरिया में बच्चों को घर पर इलाज करने की वजह डाक्टरों को दिखाना चाहिये। नियमितद वायें लेनी चाहिये। चिकित्सकों द्वारा दी गई सलाह के हिसाब से ही बच्चों को आहार प्रदान करना चाहिये।

नमी घटी, चढ़ा पारा

बीते दिन रविवार की अपेक्षा सोमवार को तापमान में आंसिक इजाफा हुआ है। जबकि नमी घटी है। बीते दिन रविवार को अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस आंका गया था। जबकि सोमवार को 0.1 अंक बढ़कर 42.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह सामान्य से 3.5 डिग्री सेल्सियस अधिक आंका गया। इसी तरह बीते दिनों रविवार को न्यूनतम तापमान 22.9 डिग्री सेल्सियस आंका गया था। जबकि सोमवार को रात का पारा 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। यह सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज हुआ।

अनुबंध की जमीन बेची, न्यायालय के आदेश पर मामला दर्ज

ग्वालियर। अनुबंध की गई जमीन बेचने पर गिरवाई थाना पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर मामला दर्ज किया है। पीडित पक्ष का आरोप है कि किसान ने उनसे अनुबंध करने और रुपए लेने के बाद जमीन का सौदा किसी और से कर दिया है। जबकि जांच में पता चला है कि अनुबंध दो माह का था और समय सीमा निकलने पर जमीन का सौदा किया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच करने में लग गई है।

गिरवाई थाना प्रभारी सुरेन्द्र नाथ यादव ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने फरियादी सांई बाबा कंपनी के डायरेक्टर पृथ्वी बाघवानी की शिकायत पर आरोपी किसान बाबू लाल के खिलाफमामला दर्ज किया है। बताया गया है कि तीन बीघा 11 विस्वा जमीन का सौदा सांई बाबा कंपनी के डायरेक्टर ने किसान बाबू लाल से किया था। जमीन की की कीमत पांच करोड़ प्रति बीघा के भाव से तय हुआ था और दो माह में रजिस्ट्री कराना तय हुआ था। इसके बाद उन्होंने नगद भुगतान किया था। लेकिन रजिस्ट्री नहीं हुई। इसके एक साल बाद किसान ने जमीन का सौदा किसी और से कर दिया। इसका पता चलते ही सांई बाबा कंपनी के डायरेक्टर पृथ्वी बाघवानी ने एक याचिका न्यायालय में लगाई। जिसके बाद न्यायालय ने मामला दर्ज करने के निर्देश दिए है। वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि दो माह का समय दिया गया था और उसके बाद उन्हें भुगतान नहीं दिया गया। जिसके बाद उन्होंने जमीन का सौदा दूसरी पार्टी को किया है। अगर उनके द्वारा पैसा दिया गया था और उनके द्वारा रजिस्ट्री नहीं की तो उनके द्वारा कोई नोटिस या अन्य कार्रवाई की हो तो उसकी जानकारी उन्हें दी जाए।

कट्टा लेकर घूम रहा बदमाश पकड़ा

ग्वालियर। कट्टा लहरा रहे एक बदमाश को हजीरा थाना पुलिस ने संजय नगर पुल के पास से पकड़ा है। पकड़े गए बदमाश को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ करना शुरू कर दिया है।

हजीरा थाना प्रभारी जितेन्द्र तोमर ने बताया कि सूचना मिली थी कि संजय नगर पुल के पास स्थित दरगाह के पास एक युवक कट्टा लहरा रहा है। इसका पता चलते ही एएसआई रामकुमार कटारे, प्रधान आरक्षक मनोज त्रिपाठी, अनिल गुप्ता और ध्रुव सिंह गुर्जर को आरोपी को पकडने के लिए पहुंचाया।

पुलिस जब मौके पर पहुंची तो एक युवक वहां से भागने लगा। जिसका पीछा कर पुलिस ने पकड़ा औश्र उसकी तलाशी ली तो उसके पास से एक कट्टा और जिन्दा कारतूस बरामद हुए है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी सौरव पुत्र रामस्वरूप कडेरे उम्र 25 साल निवासी माधवी नगर पीताम्बरा धर्मकांटे के पास को हिरासत में लेकर पूछताछ करना शुरू कर दी है।

घर में घुसकर युवक को गोली मारी, मामला संदिग्ध

ग्वालियर। घर में सो रहे युवक को दो बदमाशों ने गोली मार दी। घटना जनकगंज थाना क्षेत्र के घोसीपुरा में रविवार दोपहर की है। गोली चलाने वाले कौन थे और किधर भागे, इसका पता नहीं चल सका है। पुलिस को मौके पर एक चला हुआ 32 बोर का राउण्ड मिला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जनकगंज थाना क्षेत्र के घोसीपुरा निवासी 35 वर्षीय राजेन्द्र शाक्य पुत्र बद्री प्रसाद शाक्य प्राइवेट जॉब करता है। रविवार की दोपहर वह अपने घर में सो रहा था। इसी बीच दो युवक आए और उस पर गोली चला दी। गोली उसके हाथ की कलाई में लगी। गोली मारकर हमलावर फरार हो गए। घायल राजेन्द्र उपचार के लिए अस्पताल चला गया। इसके साथ ही मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस को प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध लग रहा था, क्योंकि घाव कट का था। एफएसएल एक्सपर्ट से जांच कराने के बाद पता चला कि घाव गोली का है। अब पुलिस आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी खंगाल रही है, जिससे हमलावरों की पहचान हो सकें।

आनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर ठगी करने वाले दो ठग उत्तराखंड व उप्र से पकड़े

ग्वालियर। क्राइम ब्रांच की साइबर विंग ने दो साइबर ठगों को उत्तराखंड व बरेली से पकड़ा है। पुलिस ने गिरफ्त में आये ठगों से ठगी की तीन लाख 68 हजार रूपये की राशि बरामद की है। पुलिस ठगों से पूछताछ कर रही है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने बताया कि क्राइम ब्रांच की साइबर विंग ने दो ठग धीरज विष्ट पुत्र हर्ष सिंह उम्र 21 बर्ष निवासी खटीमा उत्तराखण्ड और पुलकित कुमार पुत्र हरिप्रसाद उम्र 30 बर्ष निवासी इज्जत नगर बरेली उ0प्र0 को पकड़ा है। पुलिस ने ठगों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ के बाद तीन लाख 68 हजार रूपये की ठगी की राशि बरामद की है। अति0 पुलिस अधीक्षक अपराध श्रीमती सुमन गुर्जर और डीएसपी अपराध नागेन्द्र सिंह सिकरवार ने बताया कि मुकेश गुप्ता नाम के एक आवेदक ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह को एक शिकायती देकर बताया था कि किसी व्यक्ति ने ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट ट्रेडिंग में फ्रीलांसर की तरह ट्रेडिग कराने के नाम पर 75 लाख 47 हजार 236 रुपये अन्य बैक खातों में ट्रांसफर करा लिये है। इसी प्रकार एक अन्य आवेदक संजय चौहान ने भी ऐसा ही शिकायती आवेदन पत्र दिया था कि किसी व्यक्ति ने ऑनलाईन इन्वेस्टमेंट मे ट्रेडिंग कराने का बोलकर करीबन 90 लाख रुपये अन्य बैंक खातों मे ट्रांसफर करा लिये है। मामलों की गंभीरता को देखते हुये पुलिस की साइबर विंग ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस को जांच के दौरान पता चला कि फरियादी मुकेश गुप्ता के मामले में ट्रांसफर की गई राशि में से कुछ राशि 03 लाख 68 हजार रुपये खटीमा उत्तराखण्ड के रहने वाले धीरज विष्ट के बैंक ऑफ महाराष्ट्र एवं फरियादी संजय चौहान के मामले में 4 लाख 50 हजार रुपये बरेली (उ.प्र.) का रहने वाला पुलकित कुमार के यूको बैंक के खाते में ट्रांसफर हुई है। इसका पता चलते ही साइबर क्राइम ब्रांच के निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह कुशवाह के नेतृत्व में पुलिस की टीमों ने दोनों प्रकरणों में एक आरोपी को खटीमा उत्तराखण्ड के नेपाल बार्डर तथा दूसरे आरोपी को बरेली उ.प्र. से पकडा है। पुलिस टीम द्वारा आरोपी धीरज विष्ट के खाते में ट्रांसफर हुई 03 लाख 68 हजार रूपये की फ्रॉड राशि को बरामद कर लिया है। पुलिस पूछताछ में पता चला कि पुलकित कुमार अपने कई बैंक खाते सायबर फ्रॉड कार्य हेतु बेच चुका है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पूछताछ के लिये पुलिस रिमांड पर लिया है।

भतीजे ने चाचा-चाची को पीटा, दादी का हाथ चबाया

ग्वालियर। भतीजे ने चाचा-चाची की मारपीट कर दी। जब उन्हें बचाने के लिए दादी आई तो आरोपी ने दादी का हाथ चबा लिया। घटना इंदरगंज थाना क्षेत्र के आसमानी माता मंदिर के पीछे खल्लासीपुरा की है। वारदात के बाद आरोपी धमकी देकर भाग गया। घटना का शिकार पीडित थाने पहुंचा और शिकायत की। पुलिस ने उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

इंदरगंज थाना क्षेत्र के आसमानी माता मंदिर के पीछे खल्लासी पुरा निवासी सत्तर वर्षीय कलावती श्रीवास पत्नी कन्हैया लाल श्रीवास छोटे बेटे विनोद और बहू चेतना के साथ रहती हैं। इसी मकान में ऊपरी मंजिल पर उनके बडे बेटे का बेटा मनीष रहता है। बीते रोज विनोद किचन का निर्माण करा रहा था। तभी मनीष शराब के नशे में आया और विवाद करने लगा। जब विनोद ने विरोध किया तो आरोपी ने अपने चाचा की मारपीट करना शुरू कर दिया। मारपीट होते देखकर विनोद की पत्नी चेतना पहुंची तो आरोपी ने उसकी भी मारपीट कर दी।

विवाद और मारपीट करते देख विनोद की सत्तर वर्षीय मां कलावती बीच-बचाव करने और नाती को समझाने का प्रयास किया, लेकिन मनीष ने उन पर हमला बोल दिया और उनका हाथ दांतों से ऐसा चबाया कि हाथ की खाल निकल गई और हड्डी नजर आने लगी। घटना को अंजाम देकर आरोपी भाग निकला। घटना का शिकार पीडित परिवार थाने पहुंचा और मामले की शिकायत की। पुलिस ने उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

अवैध कॉलोनी निर्माण पर एफआईआर दर्ज

ग्वालियर। जिले में अवैध कॉलोनी निर्माण के मामले में प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। तिघरा थाना पुलिस ने हरिविहार कॉलोनी के सामने ओड़पुरा में बिना अनुमति कॉलोनी विकसित कर भू-खण्ड बेचने के आरोप में एक भूमाफिया के खिलाफएफआईआर दर्ज की है। जबकि बीते रोज पुलिस ने तीन अवैध कालोनी काटने वालों पर मामला दर्ज किया था।

एएसपी अनु बेनीवाल ने बताया कि तिघरा थाना क्षेत्र के हरिहर विहार कॉलोनी के सामने ओड़पुरा में विनोद सिंह कुशवाह पुत्र फूलसिंह कुशवाह निवासी गोल पहाडिया लश्कर ने अवैध कॉलोनी काटी थी। इस मामले में पटवारी की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। इसी तरह बीते रोज दो मामले पुरानी छावनी और एक मामला तिघरा थाना पुलिस ने दर्ज किया था। जिले में अवैध कॉलोनी काटने वालों के खिलाफ पुलिस का अभियान जारी है।

तुड़ाई कर रही जेसीबी से कार का कांच फूटा

ग्वालियर। तुड़ाई करा रहे चार युवकों ने लापरवाही से काम कराते हुए जेसीबी से एक कार पर पत्थर गिर गया। जब कार मालिक ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उनकी मारपीट कर दी। घटना थाटीपुर थाना क्षेत्र के अटल पार्क के सामने दर्पण कॉलोनी की है। घटना का शिकार पीडित थाने पहुंचे और मामले की शिकायत की। पुलिस ने उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। थाटीपुर थाना क्षेत्र स्थित दर्पण कॉलोनी निवासी देवेश उपाध्याय पुत्र ओमप्रकाश उपाध्याय ने शिकायत की है कि बीते रोज अटल पार्क के सामने उसकी कार खड़ी थी। वहां पर अशोक सिंह, गिर्राज सिंह व दो अन्य जेसीबी से काम करा रहे थे। तभी जेसीबी से एक पत्थर उनकी कार पर गिरा। जिससे कार क्षतिगृस्त हो गई। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उनकी मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी।

पुलिस ने सवारी वाहन किए चेक

ग्वालियर। सवारी वाहनों में अचानक आई चोरी और जेबकटी की वारदातों में तेजी को देखते हुए पुलिस ने इनसे निपटने के लिए कमर कस ली है। बीते रोज क्राइम ब्रांच व पुलिस की टीमें मैदान में उतरीं और सवारी वाहनों की चेकिंग कर संदेही तलाशे और वाहन चालकों की जानकारी जुटाई। इस दौरान जो भी यात्री संदेही दिखा, उससे पुलिस ने पूछताछ की। साथ ही वाहन चालकों को निर्देश दिए कि वाहन में जब भी संदिग्ध दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें, जिससे वारदातों पर लगाम लगाई जा सके।

एएसपी सुमन गुर्जर ने बताया कि सवारी वाहनों में हो रही घटनाओं और अक्षय तृतीया पर लोग गहने व अन्य कीमती सामान खरीदने पहुंचते हैं। इसे देखते हुए रविवार को सभी थानों की पुलिस के साथ ही क्राइम ब्रांच को चेकिंग के लिए लगाया। पुलिस ने इस दौरान उन वाहनों में सवार यात्रियों पर निगाह रखी, जो संदेही दिखा, उसकी पूरी तस्दीक की।

कलेक्टर श्रीमती चौहान के शक्ति दीदी नवाचार को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार

– आज भोपाल में होंगी सम्मानित

ग्वालियर । जिले में महिला सशक्तिकरण की नई इबारत लिखने वाले ÷शक्ति दीदी÷ नवाचार को अब प्रदेश स्तर पर बड़ी पहचान मिलने जा रही है। राज्य शासन ने इस अनूठी पहल को ÷मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार÷ के लिए चयनित किया है। 21 अप्रैल को भोपाल स्थित आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासनिक अकादमी में आयोजित भव्य समारोह में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार के तहत कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, सहायक आपूर्ति अधिकारी सौरभ जैन और सहायक संचालक (महिला एवं बाल विकास) राहुल पाठक को संयुक्त

रूप से एक लाख रुपये की नकद राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जायेंगे। जिले को यह पुरस्कार ÷सामाजिक समावेश एवं सशक्तिकरण÷ कैटेगरी में दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार, समाज की अंतिम पंक्ति की महिलाओं को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने 2 जनवरी 2025 को इस नवाचार का आगाज किया था। ÷शक्ति दीदी÷ नवाचार के तहत जिले की ऐसी महिलाओं को चुना गया जो आर्थिक रूप से बेहद कमजोर थीं, अपनों द्वारा उपेक्षित थीं या विधवा थीं। जिला प्रशासन ने इन महिलाओं को पेट्रोल पंपों पर फ्यूल डिलीवरी वर्कर के रूप में सम्मानजनक रोजगार दिलाया। पिछले साल 2 जनवरी 2025 को महज 5 महिलाओं से शुरू हुआ यह कारवां मौजूदा अप्रैल माह तक 112 शक्ति दीदियों तक पहुँच गया है। शुरुआत में झिझक रहे पेट्रोल पंप संचालक अब इन महिलाओं की मेहनत और ईमानदारी देखकर स्वयं प्रशासन से शक्ति दीदी की मांग कर रहे हैं।

पं. रामबाबू कटारे चुनाव अधिकारी बने

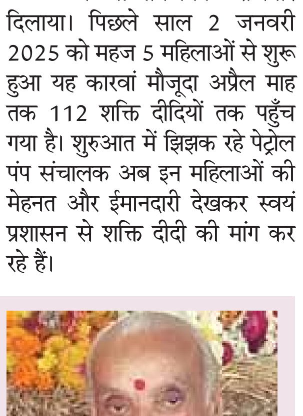

ग्वालियर। मध्य प्रदेश सनाढ्य सभा में 6 अप्रैल को आयोजित प्रबंधन कार्य समिति की बैठक में उपस्थित सदस्यों की सर्वसम्मिति से लिये गये निर्णय के अनुसरण में मध्य प्रदेश सनाढ्य के अध्यक्ष पं. किशन मुदगल द्वारा सनाढ्य सभा के वरिष्ठ सदस्य पं. रामबाबू कटारे को आगामी अगस्त 2026 में अध्यक्ष पद के निर्वाचन हेतु आयोजित होने वाले चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। विगत वर्षों की परम्परा अनुसार निर्वाचन कार्य के संबंध में दो वरिष्ठ सहयोगी, उपनिर्वाचन अधिकारी व आवश्यकतानुसार दल गठन किया गया। जिससे आगामी अगस्त 2026 में होने वाले अध्यक्ष पद का चुनाव निष्पक्ष रूप से संपन्न हो सकें।

आद्य पत्रकार देवर्षि नारद जयंती उत्कृष्ट पत्रिकारिता सम्मान व संवाद 17 मई को

ग्वालियर,। मामा माणिकचंद वाजपेयी स्मृति सेवा न्यास द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रतिष्ठित आद्य पत्रकार देवर्षि नारद जयंती उत्कृष्ट पत्रिकारिता सम्मान एवं संवाद 17 मई रविवार को आयोजित किया जाएगा।

इस तारतम्य में आयोजन मंडल की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें कार्यक्रम संयोजक का दायित्व वरिष्ठ पत्रकार दीपक तोमर को सौंपा गया। सह संयोजक जोगेंद्र सेन, सुनील पाठक एवं विनोद गुप्ता को बनाया गया। इसके अलावा विभिन्न समितियों का गठन भी किया गया। समारोह में पत्रकारिता से संबंधित विभिन्न श्रेणियों में श्रेष्ठ पत्रकारों को सम्मानित किया जाएगा। बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ग्वालियर विभाग प्रचार प्रमुख डॉ.निशांत शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार अनुराग त्रिवेदी, बलराम सोनी, बृजमोहन शर्मा, प्रवीण दुबे, अभिषेक शर्मा, धर्मेंद्र त्रिवेदी, विनोद शर्मा, रामकृष्ण उपाध्याय, विनोद केसरवानी, गिरीश पाल, राजेश वाधवानी, नारायण पिरोनिया, मनीष मांझी सहित अन्य पत्रकार उपस्थित रहे।

निगम परिषद की बैठक आज

ग्वालियर। नगर निगम परिषद का विशेष अभियाचित सम्मेलन का आयोजन मंगलवार 21 अप्रैल को दोपहर 3 बजे से सभापति मनोज सिंह तोमर की अध्यक्षता में जल विहार परिषद सभागार में आयोजित किया गया है।

आरटीईः निजी स्कूलों में अब 25 अप्रैल तक विद्यार्थियों का करा सकेंगे एडमिशन

ग्वालियर । शिक्षा के अधिकार अधिनियम के अंतर्गत निजी स्कूलों में निशुल्क प्रवेश को लेकर राज्य शिक्षा केंद्र ने विद्यार्थियों के हित में एक बड़ा निर्णय लिया है। केंद्र ने एडमिशन की तिथि को बढ़ा दी है। अब विद्यार्थी प्रथम चरण की लॉटरी में चयनित निजी स्कूलों में 25 अप्रैल तक एडमिशन ले सकेंगे। पहले प्रवेश की अंतिम तिथि 15 अप्रैल थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर अभिभावकों और विद्यार्थियों को अतिरिक्त समय दिया गया है। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा सभी जिलों को आवश्यक निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं।

निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 12 (1) (ग) के प्रभावी क्रियान्वयन के अंतर्गत कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों के गैर-अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश के लिए 2 अप्रैल 2026 को ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से आवंटन किया गया था। आरटीई के तहत स्कूल आवंटन के बाद अभिभावकों को 3 अप्रैल 2026 से 15 अप्रैल 2026 तक अपने बच्चों का प्रवेश आवंटित विद्यालय में कराने के निर्देश दिए गए थे। इस दौरान जिन बच्चों ने प्रवेश नहीं लिया, उन्हें एसएमएस के माध्यम से सूचना भी दी गई थी। निर्धारित अवधि के दौरान अधिकांश बच्चों द्वारा प्रवेश प्राप्त कर लिया गया। हालांकि कुछ पालकों द्वारा अवगत कराया गया कि विभिन्न कारणों से निर्धारित अंतिम तिथि तक अपने बच्चों का प्रवेश नहीं करा सके, जबकि वे अपने बच्चे का प्रवेश कराना चाहते है। अभिभावकों की मांग व विद्यार्थियों के हित को देखते हुए अब प्रथम चरण में आवंटित विद्यालय में प्रवेश लेने की अंतिम तिथि को 15 अप्रैल 2026 से बढ़ाकर 25 अप्रैल 2026 कर दी गई है।

संपादकीय

भाषा से परिभाषा: शब्दों में संसार की रचना

डॉ विजय गर्ग

मनुष्य को अन्य जीवों से अलग करने वाली सबसे अद्भुत शक्ति है–भाषा। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी सोच, पहचान, संस्कृति और ज्ञान का आधार है। हम जिस तरह से किसी चीज़ को परिभाषित करते हैं, वही हमारी समझ और दृष्टिकोण को आकार देता है। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि 'परिभाषा, भाषा की देन है। '

भाषा: विचारों की संरचना

हमारे विचार शब्दों के माध्यम से ही आकार लेते हैं। यदि किसी भावना, वस्तु या अनुभव के लिए शब्द ही न हो, तो उसे समझना और व्यक्त करना कठिन हो जाता है। उदाहरण के लिए, 'प्रेम ', 'स्वतंत्रता' या 'न्याय' जैसे शब्द केवल भाव नहीं, बल्कि गहरी सामाजिक और दार्शनिक अवधारणाएँ हैं। इनकी परिभाषा समय, समाज और व्यक्ति के अनुसार बदलती रहती है।

परिभाषा: सीमाओं का निर्धारण

परिभाषा का अर्थ है–किसी चीज़ की सीमाओं और स्वरूप को स्पष्ट करना। जब हम किसी शब्द की परिभाषा तय करते हैं, तो हम यह भी तय करते हैं कि वह क्या है और क्या नहीं। इस प्रक्रिया में भाषा हमारी मदद करती है। परंतु यह भी सच है कि हर परिभाषा कुछ हद तक सीमित होती है, क्योंकि भाषा स्वयं सीमाओं में बंधी होती है।

भाषा और संस्कृति का संबंध

हर भाषा अपने साथ एक विशेष संस्कृति, परंपरा और सोच को लेकर चलती है। इसलिए एक ही वस्तु या विचार की परिभाषा अलग-अलग भाषाओं में भिन्न हो सकती है। उदाहरण के लिए, हिंदी में 'संस्कार' शब्द का जो अर्थ और गहराई है, वह अन्य भाषाओं में ठीक उसी रूप में व्यक्त नहीं हो पाता। इससे स्पष्ट होता है कि भाषा केवल शब्दों का संग्रह नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक धरोहर है।

बदलती भाषा, बदलती परिभाषाएँ

समय के साथ भाषा भी बदलती है और उसके साथ परिभाषाएँ भी। नई तकनीक, सामाजिक परिवर्तन और वैश्वीकरण के कारण कई नए शब्द और अर्थ सामने आते हैं। जैसे 'डिजिटल ', 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' या 'सोशल मीडिया '–इन शब्दों की परिभाषाएँ कुछ दशक पहले अस्तित्व में ही नहीं थीं।

भाषा की शक्ति और जिम्मेदारी

भाषा के माध्यम से हम किसी भी विचार को सकारात्मक या नकारात्मक रूप दे सकते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि हम शब्दों का चयन सोच-समझकर करें। गलत या भ्रामक परिभाषाएँ समाज में भ्रम और विभाजन पैदा कर सकती हैं, जबकि स्पष्ट और संवेदनशील भाषा समझ और एकता को बढ़ावा देती है।

निष्कर्ष

भाषा केवल अभिव्यक्ति का साधन नहीं, बल्कि हमारी सोच और दुनिया को देखने का तरीका है। परिभाषाएँ उसी भाषा की नींव पर खड़ी होती हैं। इसलिए यदि हम अपनी भाषा को समृद्ध और संवेदनशील बनाएँ, तो हमारी परिभाषाएँ भी अधिक स्पष्ट, समावेशी और प्रभावशाली बनेंगी।

अंततः, 'हम भाषा का उपयोग नहीं करते, बल्कि भाषा हमें परिभाषित करती है। '

डॉ विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब

जब सत्य फीका पड़ जाता है और शब्द घायल हो जाते हैं, पत्रकारिता और राजनीति का संकट

एक चर्चक ने बताया कि नेतन्याहू का कहना है कि यह लड़ाई 'चिल्ड्रेन आफ लाइट' और 'चिल्ड्रेन आफ डार्कनेस' के बीच है, यह 'छद्म युद्ध' है। एंकर ने पूछा, किस ईश्वर ने 116 बच्चों की हत्या करने को कहा? एक विशेषज्ञ बोले, यह युद्ध 'क्रूसेड' बरक्स 'जिहाद' है...यह युद्ध 'इस्लाम' को जिताएगा, ऐसा कहना सही नहीं, अमेरिकी नेता 'राजनीतिक इस्लाम' को समझते ही नहीं। एक एंकर ने कहा, अमेरिका में कैथोलिक 46 फीसद हैं

डॉ विजय गर्ग

किसी भी लोकतंत्र में, पत्रकारिता और राजनीतिक प्रवचन दोहरे स्तंभ हैं जो सूचित नागरिकता और जिम्मेदार शासन को बनाए रखते हैं। जब कोई भी व्यक्ति कमजोर होने लगता है, तो उसके परिणाम समाज में फैल जाते हैं। आज, पत्रकारिता के घटते मानकों और राजनीति में प्रयोग की जाने वाली तेजी से कठोर, विभाजनकारी भाषा को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। ये प्रवृत्तियाँ अलग-थलग नहीं हैं। ये आपस में जुड़ी हुई हैं, और एक साथ मिलकर ये लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती पेश करती हैं।

पत्रकारिता का बदलता चेहरा

पत्रकारिता को कभी सत्य, ईमानदारी और सार्वजनिक सेवा पर आधारित एक महान व्यवसाय माना जाता था। आदर्श पत्रकार एक निगरानीकर्ता के रूप में कार्य करता था, जो नागरिकों को विश्वसनीय, निष्पक्ष जानकारी प्रदान करते हुए सत्ता को जवाबदेह मानता था। हालाँकि, हाल के वर्षों में कई कारकों ने इस आदर्श को कमजोर कर दिया है।

24/7 समाचार चक्र और डिजिटल प्लेटफार्मों के उदय ने ध्यान आकर्षित करने की दौड़ को तेज कर दिया है। इस वातावरण में, गति अक्सर सटीकता से अधिक प्राथमिकता लेती है। सनसनीखेज सुर्खियां, क्लिकबैट और अप्रमाणित जानकारी आम हो गई है, जिससे समाचारों की विश्वसनीयता कम हो रही है। गहन रिपोर्टिंग पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, कई आउटलेट ऐसी कहानियों को प्राथमिकता देते हैं जो अधिक जुड़ाव पैदा करती हैं, भले ही उनमें विषय-वस्तु का अभाव हो।

व्यावसायिक दबाव स्थिति को और जटिल बना देता है। मीडिया हाउस विज्ञापन राजस्व पर तेजी से निर्भर हो रहे हैं, जिसके कारण हितों का टकराव होता है। इससे 'पेड न्यूज' और पक्षपातपूर्ण रिपोर्टिंग का जन्म हुआ है, जहां कवरेज राजनीतिक या कॉर्पोरेट हितों से प्रभावित हो सकता है। परिणामस्वरूप, पत्रकारिता और प्रचार के बीच की रेखा खतरनाक रूप से धुंधली हो रही है। एक अन्य चिंताजनक प्रवृत्ति मीडिया का ध्रुवीकरण है। समाचार मंच अक्सर विशिष्ट वैचारिक दर्शकों को पूरा करते हैं, तथा आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करने के बजाय मौजूदा मान्यताओं को पुष्ट करते हैं। यह प्रतिध्वनि कक्ष प्रभाव पत्रकारिता के उद्देश्य को कमजोर कर देता है। विविध दृष्टिकोणों की जानकारी देना, शिक्षित करना और प्रस्तुत करना।

राजनीतिक भाषा में गिरावट

पत्रकारिता के कमजोर होने के साथ ही राजनीतिक भाषा की गिरावट भी है। राजनीतिक प्रवचन, जो आदर्श रूप से विचारशील, सम्मानजनक और मुद्दे-आधारित होना चाहिए, व्यक्तिगत हमलों, भड़काऊ बयानबाजी और गलत सूचनाओं द्वारा तेजी से चिह्नित हो रहा है। राजनीतिक नेताओं द्वारा कठोर, विभाजनकारी भाषा का प्रयोग एक परेशान करने वाला उदाहरण प्रस्तुत करता है। नीति और शासन पर रचनात्मक बहस करने के बजाय, चर्चाएं अक्सर दोषारोपण और चरित्र हत्या में बदल जाती हैं। इससे न केवल सार्वजनिक चर्चा की गुणवत्ता कम होती है, बल्कि सामाजिक विभाजन भी गहरा होता है। सोशल मीडिया ने इस समस्या को और बढ़ा दिया है। राजनीतिक संदेश अब विषय-वस्तु के बजाय वायरलिटी के लिए तैयार किए जाते हैं। लघु, उत्तेजक कथन अक्सर सूक्ष्म तर्कों का स्थान ले लेते हैं। इसका परिणाम एक राजनीतिक माहौल है, जहां भावनाएं तथ्यों पर हावी हो जाती हैं और आक्रोश लामबंदी का साधन बन जाता है। ऐसी भाषा के वास्तविक परिणाम होते हैं। यह अनादर को सामान्य बनाता है, असहिष्णुता को प्रोत्साहित करता है, तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास को नष्ट कर देता है। जब नेता अपमानजनक या भ्रामक भाषा का सहारा लेते हैं, तो यह बात जनता तक पहुंच जाती है और रोजमर्रा की बातचीत के लहजे को आकार देती है।

मीडिया और राजनीति के बीच अंतर्संबंध

पत्रकारिता में गिरावट और राजनीतिक भाषा का क्षरण निकटता से जुड़ा हुआ है। मीडिया अक्सर राजनीतिक बयानबाजी को बढ़ाता है, और बदले में, राजनीतिक अभिनेता अपने कथनों को फैलाने के लिए मीडिया प्लेटफार्मों का शोषण करते हैं। जब पत्रकारिता राजनीतिक बयानों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने में विफल रहती है, तो यह गलत सूचनाओं के लिए एक माध्यम बन जाती है। साथ ही, आक्रामक राजनीतिक भाषा मीडिया प्रथाओं को प्रभावित कर सकती है। सनसनीखेज राजनीतिक बयान दर्शकों को आकर्षित करते हैं, जिससे मीडिया रचनात्मक संवाद के बजाय विवाद पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित होता है। इससे एक ऐसा चक्र निर्मित होता है, जिसमें पत्रकारिता और राजनीति दोनों ही सबसे खराब प्रवृत्तियों को एक दूसरे से जोड़ती हैं।

आगे का रास्ता

इन प्रवृत्तियों को उलटने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। पत्रकारों को नैतिक मानकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि करनी चाहिए। तथ्य-जांच, निष्पक्षता और जवाबदेही। मीडिया संगठनों को मात्रा की अपेक्षा गुणवत्ता को प्राथमिकता देनी चाहिए तथा सनसनीखेजता के आकर्षण का विरोध करना चाहिए। राजनीतिक नेताओं को, अपनी ओर से, शब्दों की शक्ति को पहचानना चाहिए। जिम्मेदार भाषा एकता को बढ़ावा दे सकती है, जबकि लापरवाह बयानबाजी विभाजन को और गहरा कर सकती है। एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मुद्दे-आधारित बहस और सम्मानजनक संचार की ओर बदलाव आवश्यक है। नागरिक भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सूचना की अधिकता के युग में मीडिया साक्षरता महत्वपूर्ण है। स्रोतों पर सवाल उठाकर, तथ्यों की पुष्टि करके और विश्वसनीय पत्रकारिता की मांग करके, जनता मीडिया और राजनीतिक अभिनेताओं को अधिक जिम्मेदारी की ओर धकेल सकती है।

निष्कर्ष

पत्रकारिता का पतन और राजनीति की बिगड़ती भाषा ऐसे चेतावनी संकेत हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वे मिलकर सूचित लोकतंत्र की नींव को खतरे में डालते हैं। पत्रकारिता में ईमानदारी और राजनीतिक प्रवचनों में गरिमा को बहाल करना केवल वांछनीय नहीं है यह आवश्यक है। मीडिया, राजनीतिक नेताओं और नागरिकों के सचेत प्रयास से ही हम विश्वास को पुनः स्थापित करने तथा समाज के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने की आशा कर सकते हैं। डॉ विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रधान शैक्षिक स्तंभकार प्रख्यात शिक्षाशास्त्री स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

अक्षय तृतीया पर गौतम अदाणी ने तारंगा जैन मंदिर में की पूजा-अर्चना

अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी और उनकी पत्नी डॉ. प्रीति अदाणी ने रविवार, 19 अप्रैल 2026 को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर गुजरात के तारंगा पहाड़ियों में स्थित श्री अजितनाथ भगवान श्वेतांबर जैन देरासर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। गौतम अदाणी और डॉ. प्रीति अदाणी लगभग सुबह 7:45 बजे मेहसाणा जिले के खेरालू तालुका स्थित दाभोड़ा हेलीपैड पहुंचे। यहां जैन समुदाय के सदस्यों ने उनका स्वागत किया, जिसके बाद वे तारंगा पहाड़ियों में स्थित तीर्थस्थल के लिए रवाना हुए। अक्षय तृतीया के अवसर पर श्रद्धालु सुबह से ही बड़ी संख्या में एकत्र होने लगे थे, क्योंकि यह दिन धार्मिक परंपराओं में अत्यंत शुभ और पवित्र माना जाता है।

यह मंदिर जैन धर्म के दूसरे तीर्थंकर भगवान श्री अजितनाथ को समर्पित है। इसका निर्माण 12वीं शताब्दी में हुआ था और इसे सोलंकी शासक राजा कुमारपाल से भी जुड़ा माना जाता है। यह स्थल जैन समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण और प्रतिष्ठित तीर्थस्थल है।

गौतम अदाणी ने मंदिर के गर्भगृह में जाकर पूजा-अर्चना की और मंदिर परिसर में कुछ समय बिताया। उन्होंने मंदिर परिसर में कैंटीन का दौरा किया, जहां तीर्थयात्री दर्शन के दौरान एकत्र होते हैं। दर्शन के दौरान गौतम अदाणी ने मंदिर ट्रस्टी सचिन अशोकभाई शाह से मुलाकात की। इस बैठक में तीर्थयात्रियों की सुविधाओं में सुधार के पर चर्चा हुई। बातचीत का केंद्र बिंदु मंदिर तक पहुंच, आधारभूत सुविधाओं और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाना रहा, साथ ही मंदिर की वास्तुकला, विरासत और आध्यात्मिक गरिमा को संरक्षित रखने पर भी विशेष जोर दिया गया। यह यात्रा हाल के दिनों में हुए धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला का हिस्सा है। अदाणी ग्रुप तारंगा पहाड़ियों में पेड़ लगाने के प्रयासों में मदद कर रहा है। यह पहल इस पवित्र स्थल इकोसिस्टम को फिर से स्थापित करने और प्राकृतिक संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए की जा रही है। अक्षय तृतीया को हिंदू और जैन पंचांग में सबसे शुभ दिनों में से एक माना जाता है। यह दिन समृद्धि, नए आरंभ और दान-पुण्य से जुड़ा है। जैन परंपरा में यह दिन विशेष महत्व रखता है, क्योंकि मान्यता है कि इसी दिन ऋषभनाथ ने लंबे उपवास के बाद अपना पहला आहार ग्रहण किया था, जिससे साधुओं को आहार दान की परंपरा की शुरुआत मानी जाती है। इससे पहले, इसी महीने की शुरुआत में हनुमान जयंती के अवसर पर गौतम अदाणी और उनके परिवार ने अयोध्या के राम मंदिर में भी पूजा-अर्चना की थी, जो भारत के प्रमुख तीर्थस्थलों में से एक है।

राष्ट्रीय एकात्मकता के संवाहक आदि शंकराचार्य

(जयंती वैशाख शुक्ल पंचमी: 21 अप्रैल पर विशेष)

भारतीय दर्शन, आध्यात्म और सांस्कृतिक एकता के महान प्रतीक आदि शंकराचार्य जी का जन्म लगभग 8वीं शताब्दी में केरल के कालड़ी नामक स्थान पर हुआ था। उनके पिता का नाम शिवगुरु और माता का नाम आर्यम्बा था। बचपन से ही शंकराचार्य अत्यंत प्रतिभाशाली, जिज्ञासु और आध्यात्मिक प्रवृत्ति के थे। कहा जाता है कि उन्होंने अल्पायु में ही वेदों, उपनिषदों और अन्य शास्त्रों का गहन अध्ययन कर लिया था। आदि शंकराचार्य का जीवन भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म के पुनरुत्थान का महत्वपूर्ण काल माना जाता है। उस समय भारत में विभिन्न मत-मतांतरों का प्रसार था और वैदिक धर्म का प्रभाव कुछ हद तक कम हो रहा था। ऐसे समय में शंकराचार्य ने अद्वैत वेदांत के सिद्धांत को पुनः स्थापित कर समाज को एक नई दिशा प्रदान की। अद्वैत वेदांत का मूल सिद्धांत है–'ब्रह्म सत्यं, जगन्मिथ्या, जीवो ब्रह्मैव नापरः।' अर्थात् ब्रह्म ही सत्य है, यह संसार मिथ्या है और जीव स्वयं ब्रह्म का ही स्वरूप है। शंकराचार्य के अनुसार आत्मा और परमात्मा में कोई भेद नहीं है। यह विचार अत्यंत गूढ़ होते हुए भी मानव जीवन को सरल और सार्थक बनाने की दिशा में प्रेरित करता है। आदि शंकराचार्य ने अपने जीवनकाल में भारत के विभिन्न भागों की यात्राएँ कीं, जिन्हें 'दिग्विजय' कहा जाता है। उन्होंने काशी, प्रयाग, बद्रीनाथ, द्वारका, पुरी और श्रृंगेरी जैसे प्रमुख तीर्थस्थलों पर जाकर शास्त्रार्थ किए और अपने अद्वैत दर्शन का प्रचार-प्रसार किया। इन यात्राओं के माध्यम से उन्होंने भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक एकता को सुदृढ़ किया। शंकराचार्य ने चार प्रमुख मठों की स्थापना की–उत्तर में ज्योतिर्मठ (बद्रीनाथ), दक्षिण में श्रृंगेरी मठ, पूर्व में गोवर्धन मठ (पुरी) और पश्चिम में शारदा मठ (द्वारका)। इन मठों के माध्यम से उन्होंने सनातन धर्म की शिक्षाओं को व्यवस्थित रूप से प्रचारित किया और शिष्यों के माध्यम से उसे आगे बढ़ाया। यह व्यवस्था आज भी भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

आदि शंकराचार्य केवल दार्शनिक ही नहीं, बल्कि महान लेखक और कवि भी थे। उन्होंने अनेक ग्रंथों की रचना की, जिनमें उपनिषदों, भगवद्गीता और ब्रह्मसूत्र पर लिखी गई उनकी भाष्य अत्यंत प्रसिद्ध हैं। उनके द्वारा रचित 'विवेकचूड़ामणि', 'भज गोविंदम्', 'सौन्दर्यलहरी' और 'निर्वाणषटकम्' जैसे ग्रंथ आज भी लोगों को आध्यात्मिक मार्ग पर प्रेरित करते हैं। उनकी रचनाओं में गहन ज्ञान के साथ-साथ भक्ति और सरलता का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। आदि शंकराचार्य जी का जीवन अत्यंत अल्पकालीन था। माना जाता है कि उन्होंने मात्र 32 वर्ष की आयु में ही देह त्याग दिया, लेकिन इस छोटी सी आयु में उन्होंने जो कार्य किए, वे सदियों तक मानव समाज का मार्गदर्शन करते रहेंगे। उनका जीवन यह संदेश देता है कि दृढ़ संकल्प, ज्ञान और समर्पण के बल पर कोई भी व्यक्ति समाज में महान परिवर्तन ला सकता है। आदि शंकराचार्य ने न केवल दर्शन के क्षेत्र में योगदान दिया, बल्कि उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों और अंधविश्वासों को दूर करने का भी प्रयास किया। उन्होंने भक्ति, ज्ञान और कर्म के समन्वय पर बल दिया और लोगों को आत्मज्ञान की ओर प्रेरित किया। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने उस समय थे। उनकी शिक्षाओं का प्रभाव आज भी भारत के धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। विभिन्न मठ, आश्रम और आध्यात्मिक संस्थाएँ उनके विचारों का प्रचार-प्रसार कर रही हैं। उनके द्वारा स्थापित अद्वैत वेदांत का सिद्धांत आज भी दर्शनशास्त्र के विद्यार्थियों और विद्वानों के लिए अध्ययन का प्रमुख विषय बना हुआ है। आदि शंकराचार्य भारतीय संस्कृति के ऐसे महान विभूति थे, जिन्होंने अपने ज्ञान, साधना और कर्म के माध्यम से न केवल धर्म का पुनरुत्थान किया, बल्कि सम्पूर्ण मानव जाति को एकता, शांति और आत्मज्ञान का संदेश दिया। देश की एकात्मता को मजबूत करने के लिए आदि शंकराचार्य जी ने देश के चारों कोनों में चार मठों की स्थापना की,भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा में 'चार धाम' का विशेष स्थान है। इन चार धामों–बद्रीनाथ धाम, द्वारका धाम, जगन्नाथ पुरी और रामेश्वरम।

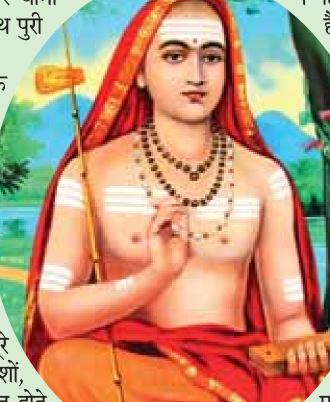

यह चार धाम भारत की भौगोलिक एकता का प्रतीक हैं। उत्तर में हिमालय की गोद में स्थित बद्रीनाथ, पश्चिम में अरब सागर के तट पर द्वारका, पूर्व में बंगाल की खाड़ी के किनारे जगन्नाथ पुरी और दक्षिण में हिंद महासागर से घिरा रामेश्वरम–ये सभी स्थान भारत के चारों छोरों को दर्शाते हैं। जब श्रद्धालु इन धामों की यात्रा करते हैं, तो वे पूरे देश का भ्रमण करते हुए विभिन्न प्रदेशों, भाषाओं और संस्कृतियों से परिचित होते हैं। इससे लोगों में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना विकसित होती है। यह चार धाम धार्मिक एकता को सुदृढ़ करते हैं। भारत में विभिन्न देवी-देवताओं और परंपराओं की पूजा होती है, लेकिन चार धाम यात्रा के माध्यम से यह संदेश मिलता है कि सभी मार्ग अंततः एक ही परम सत्य की ओर ले जाते हैं। बद्रीनाथ में भगवान विष्णु की आराधना, द्वारका में श्रीकृष्ण की पूजा, पुरी में जगन्नाथ स्वरूप और रामेश्वरम में भगवान शिव की उपासना–ये सभी विविधताओं के बीच एकता का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। यह चार धाम सांस्कृतिक आदान-प्रदान के केंद्र हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से लोग इन तीर्थों पर आते हैं, जिससे भाषा, खान-पान, वेशभूषा और परंपराओं का आदान-प्रदान होता है। उदाहरण के लिए, उत्तर भारत का व्यक्ति जब रामेश्वरम जाता है, तो वह दक्षिण भारत की संस्कृति को समझता है, वहीं दक्षिण भारत का श्रद्धालु जब बद्रीनाथ की यात्रा करता है, तो उसे उत्तर भारत की परंपराओं का अनुभव होता है। इस प्रकार चार धाम भारत की विविधता में एकता को सशक्त बनाते हैं। यह चार धाम सामाजिक समरसता को बढ़ावा देते हैं। तीर्थयात्रा के दौरान सभी लोग जाति, वर्ग, भाषा और क्षेत्र के भेदभाव को भुलाकर एक साथ यात्रा करते हैं। यह अनुभव समाज में समानता और भाईचारे की भावना को मजबूत करता है। तीर्थस्थलों पर सेवा, दान और सहयोग की परंपरा भी लोगों को परस्पर जोड़ती है। चार धाम राष्ट्रीय चेतना को जागृत करते हैं। जब लोग इन धामों की यात्रा करते हैं, तो उन्हें यह एहसास होता है कि वे एक विशाल और विविधतापूर्ण राष्ट्र का हिस्सा हैं। यह अनुभव उनके मन में देश के प्रति सम्मान और गर्व की भावना को बढ़ाता है। चार धाम केवल धार्मिक स्थल नहीं हैं, बल्कि वे भारत की एकता और अखंडता के सशक्त प्रतीक हैं। उन्होंने सदियों से लोगों को जोड़ने, सांस्कृतिक समन्वय स्थापित करने और राष्ट्रीय भावना को प्रबल बनाने का कार्य किया है। इस प्रकार चार धाम भारत की एकात्मकता को बनाए रखने और उसे सुदृढ़ करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शंकराचार्य द्वारा प्रतिपादित अद्वैत सिद्धांत भारतीय दर्शन की एक अत्यंत महत्वपूर्ण धारा है, 'अद्वैत' शब्द का अर्थ है–द्वैत का अभाव, यानी दो का न होना। सरल शब्दों में, अद्वैत सिद्धांत यह कहता है कि इस सृष्टि में केवल एक ही परम सत्य है–ब्रह्म, और वही सबमें व्याप्त है। अद्वैत वेदांत का मुख्य सूत्र है: 'ब्रह्म सत्यं, जगन्मिथ्या, जीवो ब्रह्मैव नापरः। 'अर्थात ब्रह्म ही सत्य है यह संसार (जगत) मिथ्या है (पूर्णतः असत्य नहीं, बल्कि परिवर्तनशील) ,जीव (व्यक्ति) और ब्रह्म अलग नहीं, बल्कि एक ही हैं ।अद्वैत के अनुसार ब्रह्म निराकार, निरगुण, अनंत और सर्वव्यापी है। वही सृष्टि का मूल कारण है और हर वस्तु, हर प्राणी में वही विद्यमान है। अद्वैत सिद्धांत कहता है कि हम (जीव) वास्तव में ब्रह्म ही हैं, लेकिन अज्ञान (अविद्या) के कारण हम अपने वास्तविक स्वरूप को नहीं पहचान पाते।जैसे **रस्सी को अंधेरे में साँप समझ लेना** वैसे ही हम ब्रह्म को न पहचानकर स्वयं को सीमित शरीर-मन मान लेते हैं। जगत 'मिथ्या' का अर्थ यह नहीं कि संसार बिल्कुल झूठा है, बल्कि यह है कि यह अस्थायी और परिवर्तनशील है। जो बदलता है, वह स्थायी सत्य नहीं हो सकता केवल ब्रह्म ही नित्य (सदा रहने वाला) है।अद्वैत वेदांत के अनुसार ज्ञान (ज्ञानयोग) ही मोक्ष का मुख्य साधन है। जब व्यक्ति यह जान लेता है कि 'मैं ब्रह्म हूँ' (अहं ब्रह्मास्मि), तब उसका अज्ञान समाप्त हो जाता है और उसे मुक्ति (मोक्ष) प्राप्त होती है। जैसे समुद्र और लहरः लहर अलग दिखाई देती है, लेकिन वह समुद्र ही है,सोना और आभूषणः आभूषण अलग-अलग रूप में हैं, पर सब सोना ही है,इसी प्रकार हम सब अलग-अलग दिखाई देते हैं, लेकिन वास्तव में सब एक ही ब्रह्म के रूप हैं। अद्वैत सिद्धांत हमें यह सिखाता है कि समस्त जगत एक ही परम तत्व का विस्तार है। यह दर्शन भेदभाव को मिटाकर एकता, शांति और आत्मज्ञान की ओर प्रेरित करता है। जब मनुष्य अपने भीतर और बाहर एक ही ब्रह्म को देखता है, तब वह सच्चे अर्थों में मुक्त और शांत हो जाता है। वर्तमान समय में अद्वैत सिद्धांत केवल एक दार्शनिक विचार नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित, शांत और सार्थक बनाने का व्यावहारिक मार्ग भी है। आज की दुनिया, जो तनाव, प्रतिस्पर्धा,पहचान-आधारित विभाजन और भौतिकवाद से प्रभावित है, उसमें अद्वैत की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। अद्वैत का मूल विचार है कि सबमें एक ही चेतना (ब्रह्म) है। जब व्यक्ति इस दृष्टि को अपनाता है, तो जाति, धर्म, भाषा और वर्ग के आधार पर भेदभाव कम होता है। आज के समय में बढ़ती सामाजिक और वैचारिक विभाजन की स्थितियों में यह सिद्धांत लोगों को जोड़ने और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को मजबूत करने में सहायक है। आधुनिक जीवन में चिंता, अवसाद और असंतोष आम हो गए हैं। अद्वैत सिखाता है कि हमारी असली पहचान शरीर या बाहरी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि आंतरिक चेतना से है। इस समझ से व्यक्ति बाहरी उतार-चढ़ाव से कम प्रभावित होता है और उसे आत्मिक शांति मिलती है। ध्यान और आत्मचिंतन जैसे अभ्यास, जो अद्वैत से जुड़े हैं, आज मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत उपयोगी माने जा रहे हैं।आज का समाज अत्यधिक भौतिकवादी होता जा रहा है, जहाँ सफलता को धन और पद से मापा जाता है। अद्वैत यह सिखाता है कि बाहरी वस्तुएँ स्थायी सुख नहीं दे सकतीं, क्योंकि वे परिवर्तनशील हैं। इससे व्यक्ति संतुलित जीवन जीना सीखता है–जहाँ भौतिक प्रगति के साथ-साथ आध्यात्मिक विकास भी होता है। अद्वैत का सबसे बड़ा योगदान है– 'स्वयं को जानो '। जब व्यक्ति अपने वास्तविक स्वरूप (आत्मा) को समझता है, तो उसमें आत्मविश्वास, स्पष्टता और स्थिरता आती है। यह सिद्धांत आधुनिक व्यक्तित्व विकास और नेतृत्व के क्षेत्र में भी उपयोगी है, क्योंकि यह भीतर से मजबूत बनने पर बल देता है। अद्वैत के अनुसार प्रकृति और मानव अलग नहीं हैं। जब हम यह समझते हैं कि सब एक ही अस्तित्व का हिस्सा हैं, तो हम पर्यावरण के प्रति अधिक जिम्मेदार बनते हैं। आज के पर्यावरण संकट के समय में यह दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज पूरी दुनिया में योग, ध्यान और भारतीय दर्शन के प्रति रुचि बढ़ रही है। अद्वैत सिद्धांत, जो चेतना की एकता की बात करता है, आधुनिक विज्ञान–विशेषकर क्वांटम फिजिक्स–के कुछ विचारों से भी मेल खाता हुआ प्रतीत होता है। इससे यह सिद्धांत वैश्विक स्तर पर भी प्रासंगिक बनता है।

वर्तमान युग में अद्वैत सिद्धांत केवल आध्यात्मिक साधना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तिगत शांति, सामाजिक समरसता और वैश्विक एकता का आधार बन सकता है। यह हमें सिखाता है कि भिन्नताओं के पीछे एक ही सत्य छिपा है। यदि इस दृष्टिकोण को व्यवहार में लाया जाए, तो यह न केवल व्यक्ति के जीवन को बेहतर बना सकता है, बल्कि समाज और विश्व को भी अधिक शांतिपूर्ण और संतुलित बना सकता है।

मध्यप्रदेश के ओंकारेश्वर तीर्थ से आदि शंकराचार्य के जीवन से अत्यंत गहरा और ऐतिहासिक संबंध है। यह स्थान केवल एक प्रमुख तीर्थ ही नहीं, बल्कि शंकराचार्य के आध्यात्मिक जीवन की दिशा तय करने वाला केंद्र भी माना जाता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ओंकारेश्वर वही पवित्र स्थल है जहाँ शंकराचार्य को उनके गुरु गोविन्द भगवत्पाद से दीक्षा प्राप्त हुई थी। कहा जाता है कि नर्मदा नदी के तट पर स्थित एक गुफा में गोविन्द भगवत्पाद तपस्या कर रहे थे। बालक शंकर, जो उस समय ज्ञान की खोज में संन्यास ले चुके थे, अपने गुरु की तलाश में यहाँ पहुँचे। यहीं उनका गुरु-शिष्य मिलन हुआ, जिसने भारतीय दर्शन के इतिहास को नई दिशा दी।

ओंकारेश्वर में शंकराचार्य ने अपने गुरु से अद्वैत वेदांत का गूढ़ ज्ञान प्राप्त किया। गुरु गोविन्द भगवत्पाद ने उन्हें न केवल आध्यात्मिक शिक्षा दी, बल्कि यह आदेश भी दिया कि वे पूरे भारत में वेदांत के अद्वैत सिद्धांत का प्रचार-प्रसार करें। इसी आदेश को स्वीकार कर शंकराचार्य ने अपनी प्रसिद्ध 'दिग्विजय यात्राएँ' प्रारंभ कीं। ओंकारेश्वर का महत्व इस कारण भी बढ़ जाता है कि यह स्थान नर्मदा नदी के तट पर स्थित है, जिसे भारतीय परंपरा में अत्यंत पवित्र माना गया है। इस आध्यात्मिक वातावरण ने शंकराचार्य के चिंतन और साधना को और अधिक गहराई प्रदान की।

आज भी ओंकारेश्वर में वह गुफा दर्शनीय है, जहाँ शंकराचार्य ने अपने गुरु से शिक्षा प्राप्त की थी। इसे 'गुरु गोविन्द भगवत्पाद की गुफा' के नाम से जाना जाता है, और यह स्थान श्रद्धालुओं व दर्शनार्थियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। यहाँ आने वाले लोग न केवल भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग के दर्शन करते हैं, बल्कि शंकराचार्य की स्मृतियों से भी जुड़ते हैं। ओंकारेश्वर शंकराचार्य के जीवन का वह निर्णायक स्थल है, जहाँ उन्हें गुरु प्राप्त हुए, ज्ञान की दिशा मिली और उनके महान कार्यों की नींव पड़ी। यदि शंकराचार्य भारतीय दर्शन के उज्ज्वल नक्षत्र हैं, तो ओंकारेश्वर उनकी उस ज्योति का प्रारंभिक केंद्र है, जिसने पूरे भारत को आलोकित किया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अद्वैत सिद्धांत को केवल एक दार्शनिक अवधारणा के रूप में नहीं देखा, बल्कि उसे भारतीय जीवन-दृष्टि और सामाजिक व्यवस्था का आधार माना। उनके विचारों में अद्वैत का अर्थ था–समग्रता, एकात्मता और संतुलन, जिसे उन्होंने अपने प्रसिद्ध दर्शन 'एकात्म मानववाद' में स्पष्ट किया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का 'एकात्म मानववाद' अद्वैत सिद्धांत से गहराई से प्रभावित है। वे मानते थे कि–व्यक्ति, समाज, प्रकृति और परमात्मा अलग-अलग नहीं हैं ये सभी एक ही व्यापक अस्तित्व के अंग हैं यह विचार सीधे अद्वैत के उस सिद्धांत से जुड़ता है, जिसमें सभी में एक ही चेतना (ब्रह्म) की बात कही जाती है।

दीनदयाल उपाध्याय जी ने पश्चिमी विचारधाराओं–जैसे पूंजीवाद और समाजवाद–की आलोचना करते हुए कहा कि ये विचार द्वैत (विभाजन) पर आधारित हैं।

पूंजीवाद व्यक्ति को प्राथमिकता देता है,समाजवाद समाज को

लेकिन अद्वैत दृष्टि के अनुसार, व्यक्ति और समाज में कोई विरोध नहीं, बल्कि परस्पर पूरकता है। इसलिए उन्होंने एकात्म मानववाद के माध्यम से संतुलित दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।अद्वैत से प्रेरित होकर उपाध्याय जी ने समरस समाज की कल्पना की, जहाँ–किसी प्रकार का भेदभाव न हो सभी वर्गों का संतुलित विकास हो व्यक्ति अपने कर्तव्यों और अधिकारों में संतुलन बनाए उनके अनुसार, जब हम सबमें एक ही आत्मा को देखते हैं, तो शोषण, अन्याय और असमानता की भावना स्वतः समाप्त हो जाती है। दीनदयाल उपाध्याय जी ने राष्ट्र को भी एक जीवंत इकाई माना है उनका मानना था कि भारत केवल भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक राष्ट्र है, जिसमें अद्वैत की भावना निहित है।विविधता के बावजूद एकता अलग-अलग परंपराएँ, लेकिन एक ही मूल चेतना

यह विचार भारतीय राष्ट्रवाद को अद्वैत दर्शन से जोड़ता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के अनुसार 'धर्म' का अर्थ केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित और समरस बनाने वाला सिद्धांत है। यह भी अद्वैत की ही अभिव्यक्ति है, क्योंकि यह सबको एक सूत्र में बांधने का कार्य करता है।

दीनदयाल उपाध्याय जी ने अद्वैत सिद्धांत को व्यावहारिक जीवन, समाज और राष्ट्र निर्माण के साथ जोड़ा। उनके लिए अद्वैत केवल 'आत्मा और ब्रह्म की एकता' तक सीमित नहीं था, बल्कि यह व्यक्ति, समाज और प्रकृति के बीच संतुलित और समन्वित संबंध का आधार था। उनका एकात्म मानववाद अद्वैत दर्शन का आधुनिक और व्यवहारिक रूप है, जो आज भी समाज और राष्ट्र के समग्र विकास के लिए प्रासंगिक माना जाता है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की ही प्रेरणा से मध्यप्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने आदि शंकराचार्य से जुड़े स्थानों, विशेषकर ओंकारेश्वर (जहाँ उन्होंने दीक्षा प्राप्त की थी), के विकास के लिए व्यापक पहल की है। सरकार ने इसे 'एकात्म धाम' के रूप में विकसित किया है,

स्टैच्यू ऑफ वननेस (Statue of Oneness): ओंकारेश्वर के मांधाता पर्वत पर आदि शंकराचार्य की 108 फीट ऊंची बहुधातु (अष्टधातु) प्रतिमा स्थापित की गई है। 21 सितंबर 2023 को इसका अनावरण किया गया, जो उनके 12 वर्षीय बाल स्वरूप को दर्शाती है।

ओंकारेश्वर में लगभग 2,100 करोड़ से अधिक की लागत से 'एकात्म धाम ', का विकास किया जा रहा है। आदि शंकराचार्य के जीवन और दर्शन को समर्पित एक अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय (आचार्य शंकर संग्रहालय) और 'अद्वैत लोक' का निर्माण किया जा रहा है। अद्वैत दर्शन के अध्ययन और अनुसंधान के लिए 'आचार्य शंकर अंतर्राष्ट्रीय अद्वैत वेदांत संस्थान' (Acharya Shankar International Institute of Advaita Vedanta) स्थापित किया जा रहा है। 36 हेक्टेयर क्षेत्र में एक 'अद्वैत वन' विकसित किया जा रहा है, जो ध्यान और पर्यावरणीय जागरूकता के लिए एक शांत वातावरण प्रदान करेगा। वर्ष 2017-18 आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास की स्थापना की गई, जो शंकराचार्य की शिक्षाओं का प्रसार करने और उनकी विरासत को सम्मानित करने वाली गतिविधियों का आयोजन करता है। मध्यप्रदेश सरकार ओंकारेश्वर में आदि शंकराचार्य जयंती के अवसर पर भव्य 'एकात्म पर्व' का आयोजन भी प्रतिवर्ष करती है।

ओंकारेश्वर को उज्जैन, महेश्वर और मांडू जैसे धार्मिक शहरों के साथ जोड़कर एक प्रमुख पर्यटन सर्किट का हिस्सा बनाया गया है। जिससे देश भर के पर्यटक ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन के साथ साथ आदि शंकराचार्य जी के सिद्धांतों से भी परिचित हो सकें। आदि शंकराचार्य जी ने संपूर्ण मानवता को एक दिशा दी है जिस पर चलकर भौतिकता की अग्नि में दग्ध मानवता अपने मन की शांति को प्राप्त कर सकती है, वह राष्ट्रीय एकात्मकता को सुदृढ़ करने वाले एक महान युग ऋषि थे।

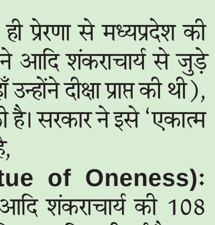

सुरेन्द्र शर्मा
प्रदेश उपाध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश
surendrasharmabjp@gmail.com
मोबा. 9074600001, 9174600001

राजस्थान के खिलाफ जीत के बाद ड्रेसिंग रूम में भावुक हो गए थे खिलाड़ी

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के अनुभवी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने खुलासा करते हुए बताया है कि राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के बाद केकेआर के खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में भावुक हो गए थे। केकेआर के लिए मौजूदा आईपीएल सीजन अच्छा नहीं रहा है और उसे छह मैचों के बाद जाकर पहली जीत मिली है।

केकेआर का पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था। सात मैचों के बाद केकेआर की टीम एक जीत और एक बेनतीजा के साथ तीन अंक लेकर तालिका में नौवें स्थान पर है।

वरुण बोले- माहौल 2024 की खिताबी जीत से ज्यादा भावुक था

वरुण ने खुलासा करते हुए बताया कि इस जीत के बाद ड्रेसिंग रूम में कई खिलाड़ियों की आंखों में आंसू थे और माहौल 2024 की खिताबी जीत से भी कहीं ज्यादा भावुक था। वरुण का ये बयान साफ तौर पर बयां करता है कि केकेआर के लिए यह जीत सिर्फ दो अंक हासिल करने की कहानी नहीं थी। आईपीएल इतिहास में इससे भी खराब शुरुआत सिर्फ तीन टीमों की रही है। मुंबई इंडियंस ने 2022 में लगातार आठ हार झेली थी, जबकि दिल्ली कैपिटल्स (2013) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (2019) को अपने पहले छह मैचों में हार का सामना करना पड़ा था।

वरुण ने निभाई थी अहम भूमिका

राजस्थान के खिलाफ तीन विकेट लेकर केकेआर की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले वरुण ने कहा कि जिस तरह से बाहरी शोर और आलोचनाओं को दूर रखते हुए हमने यह जीत हासिल की, यह वाकई काफी अहम था। वरुण ने कहा, हमारी ड्रेसिंग रूम के अंदर जितने लोगों की आंखों में आंसू थे, उतना हम तब भी भावुक नहीं हुए थे जब हमारी टीम ने आईपीएल 2024 में ट्रॉफी जीती थी। इस जीत ने एक बात साफ बता दी है कि हम वैसी टीम बिल्कुल भी नहीं हैं, जिससे आप आसानी से पार पा सकते हैं।

उन्होंने कहा, हम जीत नहीं रहे थे और बहुत सारा बाहरी शोर था, जो खिलाड़ियों को प्रभावित करता है। लेकिन आखिरकार हमने अच्छा प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। सुधार की बहुत गुंजाइश है, क्योंकि हमने इस टूर्नामेंट की शुरुआत कई चोटों के साथ की थी, जिसने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही हमें कमजोर कर दिया था। मैं अपने कोच अभिषेक नायर को इसका श्रेय देना चाहूंगा। ऐसी स्थिति में टीम को संभालना, बहुत हिम्मत मांगता है। उन्होंने बहुत कठिन स्थिति से टीम को उठाया है। इसमें समय लगेगा, लेकिन धीरे-धीरे, एक-एक कदम आगे बढ़ाते हुए हम वापस पटरी पर आ जाएंगे।

मैनचेस्टर सिटी ने आर्सेनल को 2-1 से हराया

लंदन। मैनचेस्टर सिटी ने रविवार को प्रीमियर लीग में टॉप पर चल रही आर्सेनल को एतिहाद स्टेडियम में रोमांचक मुकाबले में 2-1 से हराया। इस जीत के साथ ही मैनचेस्टर सिटी और आर्सेनल के बीच सिर्फ 3 अंकों का फासला बचा है।

मैनचेस्टर सिटी अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। मैच की शुरुआत में मैनचेस्टर सिटी ने आक्रामक खेल दिखाया। 16वें मिनट में रेयान चेर्की ने शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। चेर्की ने दो डिफेंडरों को छकाते हुए और डेविड राया के पास से दाहिने पैर से शॉट मारकर गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाया। हालांकि, इसके तुरंत बाद आर्सेनल ने वापसी की। मैनचेस्टर सिटी के गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा की गलती का फायदा उठाकर काई हैवर्ट्ज ने शानदार गोल दागा और स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया।

पहले हाफ में इसके बाद कोई और गोल नहीं हुआ और स्कोर 1-1 रहा। दूसरे हाफ में मैनचेस्टर सिटी ने मैच पर पकड़ मजबूत कर ली। 65वें मिनट में एर्लिंग हालैंड ने सिटी के लिए मैच में दूसरा गोल किया और स्कोर को 2-1 कर दिया। इसके बाद आर्सेनल की तरफ से गोल करने के काफी प्रयास किए गए, लेकिन टीम को सफलता नहीं मिल सकी। मैनचेस्टर सिटी मुकाबले को 2-1 से अपने नाम करने में सफल रही।

दूसरी ओर, लिवरपूल ने अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी एवर्टन को 2-1 से हराया। अपने आखिरी मर्सीसाइड डर्बी में खेलते हुए मोहम्मद सालाह ने 29वें मिनट के बाद एवर्टन के खिलाफ अपना 9वां गोल किया और लिवरपूल को मैच में 1-0 की बढ़त दिलाई।

साउथ अफ्रीका विमेंस टीम की दूसरे टी-20 में जीत

भारत को 8 विकेट से हराया, लौरा वोल्वार्ट-सुने लूस की शतकीय साझेदारी

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम को साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। डरबन में खेले गए इस मुकाबले में शेफाली वर्मा के अर्धशतक के बावजूद मिडिल और लोअर ऑर्डर के फ्लॉप प्रदर्शन के कारण टीम इंडिया बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रही।

साउथ अफ्रीका ने 148 रन का टारगेट 17.1 ओवर में केवल 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही साउथ अफ्रीकी टीम ने सीरीज में 2-0 की मजबूत बढ़त बना ली है। साउथ अफ्रीका की ओर से कप्तान लौरा वोल्वार्ट और सुने लूस ने पहले विकेट के लिए 106 रनों की शानदार पार्टनरशिप की, जिसने भारत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

शेफाली के 57 रन, फिर 48 रन पर 8 विकेट गिरे

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही थी। 13वें ओवर तक टीम का स्कोर 2 विकेट पर 99 रन था और वह 160 से अधिक के स्कोर की ओर बढ़ रही थी, लेकिन इसके बाद बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह ढह गई। भारत ने महज 48 रन के भीतर अपने आखिरी 8 विकेट गंवा दिए। शेफाली वर्मा ने 57 रनों की पारी खेली, जबकि डेब्यू कर रही अनुष्का शर्मा ने 28 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई भी भारतीय बल्लेबाज 20 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका।

शेफाली ने 100वें मैच में लगाई फिफ्टी

22 साल की शेफाली वर्मा ने इस मैच के साथ ही अपने 100 टी-20 इंटरनेशनल मैच पूरे कर लिए। उन्होंने 15 साल की उम्र में डेब्यू किया था। अपने इस माइलस्टोन मैच में उन्होंने आक्रामक बैटिंग की।

शेफाली ने मैच की चौथी ही गेंद पर छक्का जड़ा और सेखुखुने के दूसरे ओवर की शुरुआती 3 गेंदों पर 14 रन बटोरे। हालांकि, उन्हें 28 के निजी स्कोर पर जीवनदान भी मिला, जिसका फायदा उठाकर उन्होंने 31 गेंदों में करियर की 15वीं फिफ्टी पूरी की। वह 57 रन बनाकर म्लाबा की गेंद पर आउट हुईं।

सेखुखुने और ट्रायोन ने 3-3 विकेट लिए

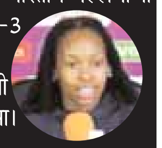

साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों ने स्पिन और सीम दोनों से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया। टुमी सेखुखुने और क्लो ट्रायोन ने 3-3 विकेट लिए।

वहीं, नॉनकुलुलेको म्लाबा ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 17 रन देकर 1 विकेट लिया। भारतीय पारी 147 रन पर सिमट गई।

लौरा वोल्वार्ट और लूस की 106 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप

148 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम को लॉरा वोल्वार्ट और सुने लूस ने ठोस शुरुआत दी।

दोनों ने पहले विकेट के लिए 106 रनों की साझेदारी की। वोल्वार्ट ने अपनी 15वीं टी-20 फिफ्टी लगाई, वहीं लूस ने पिछली 10 पारियों में अपना पहला अर्धशतक जड़ा। हालांकि, दोनों जीत से पहले आउट हो गईं, लेकिन ताजमिन ब्रिट्स और एनेरी डर्कसन ने 17 गेंद शेष रहते टीम को जीत दिला दी।

विराट-अनुष्का पहुंचे वृंदावनः प्रेमानंद महाराज के आश्रम में लिया आशीर्वाद

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, पत्नी और बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के साथ सोमवार को वृंदावन पहुंचे। इस दौरान दोनों ने प्रेमानंद जी महाराज के श्रीहित राधा केली कुंज आश्रम में दर्शन किए और आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्राप्त किया। दोनों ने आश्रम में 'एकांतिक वार्तालाप' (निजी आध्यात्मिक बातचीत) भी की, जो उनके बढ़ते आध्यात्मिक झुकाव को दर्शाता है।पिछले कुछ वर्षों में विराट और अनुष्का का रुझान आध्यात्म की ओर लगातार बढ़ा है। आश्रम द्वारा जारी वीडियो में दोनों भक्तों की भीड़ के बीच शांत भाव से बैठे नजर आए और महाराज जी के प्रवचन को ध्यानपूर्वक सुनते दिखे। इससे पहले भी एक बातचीत के दौरान प्रेमानंद महाराज ने जीवन के उद्देश्य और गुरु के मार्गदर्शन में भक्ति के महत्व पर प्रकाश डाला था। यह विराट और अनुष्का का पिछले पांच महीनों में तीसरा दौरा है। इससे पहले फरवरी में बेटे अकाय के जन्मदिन के बाद भी दोनों यहां आए थे। साल 2025 में भी यह कपल तीन बार आश्रम पहुंचा था, जनवरी में बच्चों के साथ, मई में और फिर दिसंबर में।

व्यापार

आरबीआई ने रुपए के ट्रेड पर लगी पाबंदियां हटाईं

अब फॉरेक्स डीलर्स एनडीएफ मार्केट में पोजीशन ले सकेंगे, मार्च में लगी थी रोक

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी आरबीआई ने 20 अप्रैल को रुपए की अस्थिरता को रोकने के लिए विदेशी मुद्रा डीलरों (फॉरेक्स डीलर्स) पर लगाए गए कुछ प्रतिबंधों को वापस ले लिया है। अब डीलर्स ऑफशोर नॉन-डेलिवरेबल फॉरवर्ड मार्केट में फिर से पोजीशन ले सकेंगे।

आरबीआई के यह कदम उठाने से कुछ दिन पहले ही गवर्नर संजय मल्होत्रा ने संकेत दिया था कि ये पाबंदियां अनिश्चित काल के लिए लागू नहीं रहेंगी।

केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया है कि अधिकृत डीलरों (ऑथोराइज्ड डीलर्स) को अब रेजिडेंट या नॉन-रेजिडेंट यूजर्स को रुपए से जुड़े नॉन-डेलिवरेबल डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स ऑफर करने से रोकने की जरूरत नहीं होगी।

नए नियमों के अनुसार, बैंक अब यूजर्स को रुपए से जुड़े किसी भी फॉरेन एक्सचेंज डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट को रीबुक करने की अनुमति भी दे सकते हैं। यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू है।

हालांकि, आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि अधिकृत डीलरों को संबंधित पक्षों के साथ रुपए में फॉरेन एक्सचेंज डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट करने की अनुमति नहीं होगी।

पुराने कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए कुछ छूट बरकरार

रिलेटेड पार्टीज के मामले में छूट केवल मौजूदा कॉन्ट्रैक्ट्स को रद्द करने या रोलओवर करने और नॉन-रिलेटेड, नॉन-रेजिडेंट यूजर्स के साथ किए गए बैक-टू-बैक ट्रांजैक्शन तक ही सीमित है।

इसके साथ ही, बैंकों को प्रत्येक कारोबारी दिन के अंत में ऑनशोर डेलिवरेबल रुपए मार्केट में अपनी नेट ओपन पोजीशन को 10 करोड़ डॉलर (100 मिलियन डॉलर) तक सीमित रखना होगा।

मार्च में क्यों लगाई गई थी पाबंदी?

मार्च के अंत में अमेरिका-ईरान युद्ध के बिगड़ने के कारण ब्रेंट क्रूड की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई थीं। इसके चलते रुपया अपने रिकॉर्ड निचले स्तर की ओर गिर रहा था, जिसे रोकने के लिए केंद्रीय बैंक ने कई सख्त कदम उठाए थे।

10 अप्रैल तक बैंकों ने ऑफशोर ह्णष्ठस्न मार्केट में लगभग 40 बिलियन डॉलर के सट्टा ट्रेड को खत्म कर दिया था।

बीओएफ का चौथी तिमाही का मुनाफा 35 प्रतिशत बढ़कर 2014 करोड़ रुपये हुआ

एनआईआई में वृद्धि मार्च 2026 को समाप्त चौथी तिमाही में ऋणों में 22 प्रतिशत की वृद्धि होकर 2.92 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने के कारण हुई। हालांकि, बैंक ने रिपोर्टिंग तिमाही में कुल जमा राशि में 14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो बढ़कर 3.50 लाख करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही के अंत में यह 3.07 लाख करोड़ रुपये थी।

नई दिल्ली। सरकारी स्वामित्व वाले बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने सोमवार को 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में अपने शुद्ध लाभ में 35 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 2,014 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया, जो मुख्य आय और खराब ऋणों में कमी से समर्थित है। पुणे स्थित इस बैंक ने पिछले वर्ष की इसी अवधि में 1,493 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था। बैंक ने एक नियामक फाइलिंग में बताया कि इस तिमाही के दौरान बैंक की कुल आय एक साल पहले के 7,711 करोड़ रुपये के मुकाबले बढ़कर 8,693 करोड़ रुपये हो गई। समीक्षाधीन अवधि के दौरान ब्याज से आय बढ़कर 7,755 करोड़ रुपये हो गई, जबकि एक वर्ष पहले इसी तिमाही में यह 6,731 करोड़ रुपये थी। शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) में 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह पिछले वर्ष की इसी तिमाही के 3,116 करोड़ रुपये के मुकाबले बढ़कर 3,702 करोड़ रुपये हो गई। तिमाही नतीजे घोषित करते हुए, बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट की प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी निधु सक्सेना ने कहा कि बोर्ड ने चालू वित्त वर्ष में कारोबार की वृद्धि के लिए ऋण और इक्विटी के मिश्रण के माध्यम से 7,500 करोड़ रुपये जुटाने को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि इसमें से 5,000 करोड़ रुपये इक्विटी से और शेष 2,500 करोड़ रुपये ऋण से आएंगे। उन्होंने कहा कि बोर्ड ने इंफ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड के माध्यम से 10,000 करोड़ रुपये जुटाने को भी मंजूरी दे दी है, क्योंकि इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस बैंक के फोकस क्षेत्रों में से एक है।उन्होंने कहा कि बोर्ड ने गिफ्ट सिटी शाखा के माध्यम से अपने वैश्विक व्यापार विकास को वित्त पोषित करने के लिए 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर जुटाने को भी मंजूरी दे दी है। कुल कारोबार वृद्धि के संबंध में, सक्सेना ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में इसमें 18 प्रतिशत, ऋण में 16-17 प्रतिशत और जमा में 14-15 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है

मार्च में आठ प्रमुख उद्योगों के उत्पादन में 0.4 प्रतिशत की गिरावट, उर्वरक क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था के मुख्य आधार माने जाने वाले आठ प्रमुख उद्योगों के मोर्चे पर मार्च 2026 के लिए निराशाजनक आंकड़े सामने आए हैं। वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2026 में इन आठ प्रमुख उद्योगों के संयुक्त सूचकांक (आईसीआई) में सालाना आधार पर 0.4 प्रतिशत (अनंतिम) की गिरावट दर्ज की गई है। यह संकुचन मुख्य रूप से उर्वरक (फर्टिलाइजर), कच्चा तेल (क्रूड ऑयल), कोयला और बिजली उत्पादन में आई कमी के कारण आया है।

क्या कह रहे आंकड़े?

ये आठ कोर सेक्टर - कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, स्टील, सीमेंट और बिजली - देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (ढ्ढढ्ढक्क) में कुल 40.27 प्रतिशत का एक बहुत बड़ा भारांक रखते हैं। यह गिरावट इसलिए भी ध्यान देने योग्य है क्योंकि फरवरी 2026 में इन उद्योगों ने 2.8 प्रतिशत की सकारात्मक वृद्धि दर्ज की थी। वहीं, पूरे वित्त वर्ष (अप्रैल-मार्च 2025-26) के लिए संचयी वृद्धि दर 2.6 प्रतिशत आंकी गई है।

आंकड़ों की जुबानी

सूचकांक (आधार वर्षः 2011-12=100) के अनुसार सभी आठ क्षेत्रों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। औद्योगिक विस्तार को प्रभावित करने वाले प्रमुख क्षेत्रों का प्रदर्शन इस प्रकार हैः

सीमेंट और स्टील जैसे बुनियादी ढांचे से जुड़े क्षेत्रों में दर्ज की गई लगातार वृद्धि सकारात्मक संकेत है। वित्त वर्ष 2025-26 की पूरी अवधि के लिए स्टील (9.1%) और सीमेंट (8.6%) की संचयी वृद्धि भी मजबूत रही है। हालांकि, कच्चे तेल, कोयले और उर्वरक में भारी संकुचन ने समग्र कोर औद्योगिक सूचकांक को नकारात्मक दिशा में धकेल दिया है। यह गिरावट आगामी औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के व्यापक आंकड़ों पर दबाव डाल सकती है। वाणिज्य मंत्रालय अब अप्रैल 2026 के कोर सेक्टर के आंकड़े 20 मई 2026 को जारी करेगा।

चांदी 735 बढ़कर 2.50 लाख पर पहुंची, सोना 441 बढ़कर 1.52 लाख का 10 ग्राम हुआ

सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 20 अप्रैल को बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 441 रुपए बढ़कर 1.52 लाख रुपए पहुंच गया है। वहीं, एक किलो चांदी 735 रुपए बढ़कर 2.50 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

सोना इस साल 19 हजार और चांदी 20 हजार महंगी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 19 हजार रुपए और चांदी 21 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.52 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.50 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदेंः हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (ब्क्कस्) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है-4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

2. कीमत क्रॉस चेक करेंः सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

अमरकंटक में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ श्रद्धा-भक्ति से मनाई गई भगवान परशुराम जयंती

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर/अमरकंटक। धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक के श्री नर्मदा मंदिर प्रांगण में भगवान आदिराम परशुराम जी पावन जयंती का पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति उत्साह पूर्ण वातावरण में वैदिक परंपराओं के अनुरूप भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर संपूर्ण वातावरण वैदिक मंत्रोच्चार, धार्मिक आस्था और उत्साह से गुंजायमान रहा। नर्मदा मंदिर प्रांगण में भगवान परशुराम के पूजन-अर्चन हेतु विशेष अनुष्ठान का आयोजन किया गया। अमरकंटक के प्रकांड विद्वानों आचार्य पुरोहितों एवं श्री नर्मदा मंदिर के प्रधान पुजारीगण पंडित उमेश द्विवेदी, पंडित कामता प्रसाद द्विवेदी एवं पंडित धनेश द्विवेदी के सानिध्य में वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ विधि-विधानपूर्वक विशेष पूजा-अर्चना संपन्न हुई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान परशुराम के प्रति अपनी अटूट आस्था व्यक्त करते हुए मंगलकामनाएं कीं। इसके पश्चात नर्मदा मंदिर प्रांगण से एक भव्य एवं विशाल शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। यह शोभायात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुई पूरे अमरकंटक नगर का भ्रमण करते हुए श्री कल्याण सेवा आश्रम पहुंची तथा पुनः नर्मदा मंदिर में आकर संपन्न हुई। शोभायात्रा में

हजारों की संख्या में विप्र समाज एवं श्रद्धालुजन उत्साहपूर्वक शामिल हुए। जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा स्वागत, पुष्पवर्षा एवं जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम के दौरान शांतिकुंटी आश्रम के प्रमुख महामंडलेश्वर महंत रामभूषण दास जी महाराज एवं पंडित उमेश द्विवेदी ने अपने-अपने संबोधन में समाज को एकजुट रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि समाज के हित में सभी को संगठित होकर कार्य करना चाहिए तथा किसी भी परिस्थिति या समस्या के समय एकजुटता ही सबसे बड़ी शक्ति होती है। स्वामी जी ने सनातन धर्म की परंपराओं का आवाहन करते हुए कहा कि ब्राह्मण समाज का मूल स्वरूप ज्ञान और शक्ति का संतुलन है–एक हाथ में शास्त्र और एक हाथ में शस्त्र। वर्तमान समय में समाज और धर्म की रक्षा हेतु दोनों का महत्व आवश्यक है। भगवान परशुराम जयंती के इस पावन अवसर पर विप्र संप्रदाय द्वारा विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

उपस्थित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य विप्र जन

कार्यक्रम में महंत रामभूषण दास जी महाराज (शांतिकुटी आश्रम), पंडित योगेश दुबे (मृत्युंजय आश्रम, रामनरेश शास्त्री मार्कंडेय आश्रम पंडित उत्तम द्विवेदी, पंडित नंदन द्विवेदी,पंडित धर्मेंद्र द्विवेदी,पंडित कान्हा द्विवेदी, पंडित रुपेश द्विवेदी, पंडित प्रकाश द्विवेदी, पंडित कमलेश द्विवेदी, पंडित विनायक द्विवेदी, पंडित अंबिका प्रसाद तिवारी पंडित कार्तिक द्विवेदी, पंडित आकाश द्विवेदी, पंडित सुशील शुक्ला, पंडित धनंजय तिवारी, पंडित श्रवण उपाध्याय,पंडित महेश्वर द्विवेदी, पंडित राजेश पाठक,पंडित अखिलेश पाठक, पंडित लालजी द्विवेदी,पंडित उमाशंकर मिश्रा,पंडित अनिल शुक्ला, पंडित राजहंस तिवारी, पंडित अरविंद गौतम,पंडित ओमप्रकाश गौतम,पंडित शक्ति शरण पांडेय, पंडित मुनीष पांडेय, पंडित रोहित लाल त्रिपाठी, लखन द्विवेदी पंडित रविशंकर तिवारी, पंडित विक्की द्विवेदी, पंडित राधेश्याम उपाध्याय,पंडित पाण्डेय (श्री यंत्र मंदिर), पंडित गजानंद गर्ग,पंडित संदीप जोशी एवं पंडित उमाशंकर पाण्डेय सहित सैकड़ों की संख्या में विप्रजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संतजन, विद्वान एवं श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को और अधिक भव्य एवं सफल बनाया।

समस्त सर्व ब्राह्मण कल्याण संघ देवास ने भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर भव्य वाहन शोर्य यात्रा निकाली

– श्रीमती गायत्री राजे पवार विधायक एवं रवि जैन सभापति ने किया पुरस्कार वितरण, जिला अध्यक्ष पं. प्रशांत शर्मा एडवोकेट ने किया अतिथियों का स्वागत

–हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज–

देवास। समस्त सर्व ब्राह्मण कल्याण संघ देवास के जिला अध्यक्ष पण्डित प्रशांत शर्मा के नेतृत्व में राजराजेश्वर भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव मुख्य अतिथि श्रीमती गायत्री राजे पवार विधायक एवं विशेष अतिथि नगर निगम सभापति रवि जैन के आतिथ्य में मनाया गया। जिनका स्वागत पुष्प गुच्छ दुपट्टे से किया गया। श्रीमती गायत्री राजे पवार ने इस अवसर पर कहा कि भगवान परशुराम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर समस्त ब्राह्मण कल्याण संघ देवास द्वारा आयोजित भव्य शोर्य यात्रा में सहभागी होकर धर्म, संस्कृति और परंपराओ के प्रति समाज की एकजुटता का अद्भुत दृश्य देखने को मिला।इस गोरवमयी आयोजन में उपस्थित होकर सभी श्रद्धालुओं एवं आयोजकों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की तथा भगवान परशुराम जी से समस्त जनमानस के सुख समृद्धि और कल्याण की कामना की। इस अवसर पर पूर्व विकास प्राधिकरण अध्यक्ष राजेश यादव,संजय दायमा आदि अतिथि भी उपस्थित थे जिनका भी दुपट्टा एवं पुष्प माला से स्वागत किया गया। समाजजन ने प्रातः चाणक्यपुरी स्थित भगवान परशुराम जी मंदिर पर पुजा अभिषेक एवं आरती की हवन एवं पुजा में जिला अध्यक्ष पण्डित प्रशांत शर्मा, जिला संयोजक अरविंद शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, मनोज व्यास,दीपक जोशी सपत्नीक बैठे। कर्म काण्ड पुर्ण विधि विधान से पण्डित केलाश शर्मा, शिवनारायण कटारे, अश्विन सारैया ने कराया। जन्मोत्सव के द्वितीय सत्र में शाम 5 बजे सिद्धिविनायक गणेश मंदिर सयाजी द्वार पर सभी समाजजन एकत्रित हुए यहां पर सर्वप्रथम उपस्थित सभी ब्रह्म बन्धुओं का मंगल तिलक लगाकर और केसरिया दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया तत्पश्चात उपवर्गीय ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष प्रमुख एवं

प्रतिनिधियों मैं कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज के जिला अध्यक्ष पण्डित धर्मेन्द्र मिश्रा, जाग्रति श्रीगोड ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा, मारु ओदिच्य ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष भेरुलाल शर्मा, आदि गोंड बावीसा ब्राह्मण समाज के प्रभुलाल शर्मा, खण्डेलवाल ब्राह्मण समाज अध्यक्ष मुकेश शर्मा, नार्मदीय ब्राह्मण समाज अध्यक्ष मनोज शुक्ला, औदुम्बर ब्राह्मण समाज अध्यक्ष अशोक चोधरी, सनाढ्य ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष अरविंद तिवारी अखण्ड ब्राह्मण समाज अध्यक्ष प्रतीक शर्मा,चोबीसा ब्राह्मण समाज प्रमुख अरविन्द शर्मा,राम आसरे मिश्रा,आदि समाज प्रमुख को मंच पर आमंत्रित कर मंगल तिलक लगाकर पुष्पमाला दुपट्टा पहनाकर स्वागत जिला अध्यक्ष पंडित प्रशांत शर्मा एडवोकेट के किया। पूर्व से घोषित पुरस्कार वितरण कार्यक्रम लकी ड्रा के माध्यम से किया गया। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती गायत्री राजे पवार विधायक देवास, नगर निगम सभापति रवि जैन ने पुरस्कार वितरण किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष पंडित प्रशांत शर्मा ने समस्त अतिथियों का पुष्प गुच्छ,पुष्पमाला एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया एवं शब्दों से स्वागत उपस्थित सभी अतिथि एवं ब्रह्म बन्धुवों का हृदय से स्वागत किया कार्यक्रम का संचालन पंडित देवकीनंदन समाधिया ने किया एवं आभार प्रदर्शन जिला संयोजक अरविंद शर्मा ने किया। जिला अध्यक्ष पण्डित प्रशांत शर्मा ने सभी समाज बन्धुओं के सहयोग की प्रसंशा करते हैं धन्यवाद व्यक्त किया अतिथियों द्वारा भगवान के जन्मोत्सव पर सभी की सहभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त की एवं आयोजन कर्ता जिला अध्यक्ष पंडित प्रशांत शर्मा एवं उनकी पुरी टीम को बधाई दी एवं जिला अध्यक्ष पंडित प्रशांत शर्मा का स्वागत विधायक श्रीमती गायत्री राजे द्वारा इन्फॉर्म ह्यूमन कै सी.ई ओ राजेश व्यास की ओर से प्रतीक चिन्ह देकर किया गया। तत्पश्चात सयाजी द्वार से भव्य वाहन शोर्य यात्रा जिला अध्यक्ष पण्डित प्रशांत शर्मा के नेतृत्व में यात्रा का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती गायत्री राजे पवार ने भगवान ध्वज फहराया कर किया गया। शौर्य यात्रा में भगवान परशुराम जी की मूर्ति के साथ-साथ भगवान शंकर जी,नंदी जी की भगवान राम जी की भगवान हनुमान जी की आदि अन्य मूर्तियों झांकी के रूप में सम्मिलित थी शौर्य यात्रा में डीजे बैंड भजन ,ढोल, एवं आतिशबाजी की गई एवं चारपहिया, दोपहिया वाहन साथ चल रहे थे। मातृशक्ति एवं अन्य ब्राह्मण बंधु भी उपस्थित रहे शौर्य यात्रा का नगर के विभिन्न मार्गो पर विभिन्न समाजजन द्वारा पुष्प माला आदि से स्वागत एवं सम्मान किया गया तथा विशेष कर गोमती नगर रहवासी संघ द्वारा कोलड्रिंक एवं फ्रूट ड्रिंक से समाजजन का स्वागत किया गया उक्त शौर्य यात्रा विभिन्न मार्ग से होकर चाणक्यपुरी स्थित भगवान परशुराम जी के मंदिर पर पहुंची यहां सेंकड़ों ब्रह्म बन्धुओं मातृशक्ति की उपस्थिति में महा आरती की गई।इसके बाद सभी सनातनियों हेतु भोजन प्रसादी भंडारे के रूप में प्रारंभ हुआ नगर के लोगों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की भोजन कार्यक्रम में विशेष सहयोग के रूप में स्वप्निल चौधरी एडवोकेट एवं उनकी पूरी टीम ने विशेष सहयोग दिया एवं जिला महामंत्री रमेशचन्द्र जोशी, धर्मेन्द्र मिश्रा, उपाध्यक्ष राजेश व्यास, युवा संघ के महा सचिव हर्षशास्त्री, युवासंघ जिला संयोजक दीपक जोशी, युवा सचिव पंकज प्रधान, युवा उपाध्यक्ष लोकेंद्र शुक्ला, उपाध्यक्ष विक्रम शर्मा, सुरेंद्र दुबे, यशवंत तिवारी, महेंद्र व्यास ,प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री ललित शर्मा, अशोक जोशी, राम आसरे मिश्रा,भेरूलाल शर्मा, जय कुमार शर्मा, रोहित शर्मा, भरत शर्मा, धर्मेंद्र दुबे, पार्थ शर्मा, विकास शर्मा, अजय व्यास, नवीन शर्मा, आशीष उपाध्याय उज्जैन का सराहनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम में इस अवसर पर संजय जोशी, सुमित मिश्रा, अंकित शर्मा, कष्नम शर्मा, मुकेश शर्मा, ओ पी तिवारी, शंकरलाल शर्मा,संजय जोशी, सुनील शर्मा,वेदप्रकाश शर्मा, प्रदीप चिंचे, प्रमोद शर्मा, अरविंद भट्ट,राजेंद्र पारीक, उमेश उपाध्याय, मुरलीधर पांडे,मयंक शुक्ला, सुरेश शर्मा, प्रदीप शुक्ला, कैलाश चंद शर्मा,अरविंद जोशी, प्रदीप रावल, मोहन जोशी, मुकेश शर्मा, लोकेश जोशी, अभिषेक शर्मा आदि सदस्य उपस्थित रहे। मीडिया जगत के जिला अध्यक्ष पंडित ललित शर्मा, रघुनंदन समाधिया, राजेश व्यास, दिलीप मिश्रा, अमित शर्मा, आदि भी उपस्थित थे। महिला शक्ति के रूप में महिला मंडल जिला अध्यक्ष स्नेहलता शर्मा, के नेतृत्व में श्रीमती स्वाति दवे, श्रीमती नम्रता जोशी, श्रीमती अंजू शर्मा, श्रीमती सोनम शर्मा,श्रीमती रश्मि प्रधान, श्रीमती कीर्ति जोशी, श्रीमती हर्षा तिवारी, श्रीमती हर्षा जोशी, श्रीमती संध्या आचार्य, श्रीमती शोभा मिश्रा, श्रीमती पुष्पा शर्मा,श्रीमती रेखा जोशी, श्रीमती रितु व्यास, श्रीमती प्रियंका जोशी, श्रीमती रुपाली शर्मा, श्रीमती गायत्री शर्मा, श्रीमती सरोज शर्मा, श्रीमती उपासना शर्मा,आदि मातृशक्ति उपस्थित थे।

हाथियों के विचरण से ग्रामीण परेशान, आवासों को पहुंचा रहे हैं क्षति

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के बाद अब मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले में हाथियों के समूह द्वारा अपना आश्रय बनाया जा रहा हैं जो दिन के समय जंगल में बिताने के बाद शाम एवं रात होते ही जंगल से लगे ग्रामीण अंचलों में ग्रामीणों के घरों में तोड़फोड़ कर खेत एवं बांडियो में लगे,रखे विभिन्न तरह के फसलों सामानों को अपना आहार बना रहे हैं हाथियों के निरंतर विचरण एवं नुकसान किए जाने से ग्रामीण जन परेशान एवं चिंतित है कई गांव के ग्रामीण रात रात भर जाग कर हाथियों से अपने घर,टोला,मोहल्ला एवं परिवार को सुरक्षित बचाए रखने की कोशिश करते रहते हैं वन विभाग की टीम द्वारा रात्रि गस्त दौरान अचानक घर में के पास पहुंचे एक हाथी से घर के अंदर फसे महिला एवं बच्चों को सुरक्षित बचा कर बाहर ले आने में सफलता प्राप्त की अनूपपुर जिले में तीन हाथियों का समूह विगत 113 दिनो से निरंतर बिचरण में कर 7 दिनों से धनगवां के जंगल में है वही एक अकेला नर हाथी विगत 16 दिनों से निरंतर विचरण कर 13 दिनों से अनूपपुर के पोड़ी बीट के जंगल में ठहरा है वहीं सोमवार की सुबह एक दंतैल हाथी छत्तीसगढ़ राज्य के कटघोड़ा वन मंडल के पसान एवं मनेद्रगढ़ से मरवाही वन परिक्षेत्र की सीमा में पहुंचकर माडाकोट के पहाड़ के ऊपर जंगल में विश्राम कर रहा है जिसके एक-दो दिनों के मध्य अनूपपुर जिले में प्रवेश करने की संभावना बन रही है।

तीन हाथी समूह द्वारा वन पर क्षेत्र थाना एवं तहसील जैतहरी के धनगवा दीप का जंगल जो ग्राम पंचायत पड़रिया एवं कुकुरगोड़ा से लगा हुआ है के आमापानी,बीहीडोगरी एवं स्थान की जंगलों में दिन बीताने बाद रात होते ही ग्राम पंचायत कुकुरगोंड़ा के बेल्हाटोला,सरईहा टोला में बंधू पिता मंगल सिंह,मोहन पिता राम सिंह,देव सिंह पिता कगदू सिंह के घरों में तोड़फोड़ कर घर के अंदर रखे सामग्रियों को अपना आहार बनाया वहीं ग्राम पंचायत पड़रिया के चोई गांव के पडमनियाटोला,खेरवाटोला में लखन चौधरी के यहां रखे धान के कोढा,कमलेश राठौर के खेत में लगे धान की फसल,दिनेश राठौर एवं हीरालाल यादव के बांडी में लगे केला,कटहल की फसल के साथ वन विभाग के बीट चोलना के मिश्रित वृक्षारोपण क्रमांक एक एवं दो जो ग्राम चोई से लगा हुआ है के 40 से अधिक आरसीसी पोल एवं 100 मीटर से अधिक फिंसिग तारों को तोड़कर नुकसान पहुंचा है वही एक अकेला हाथी जो विगत 16 दिनों पूर्व छत्तीसगढ़ से अनूपपुर जिले में प्रवेश कर एक दिन धनगवां,2 दिन अनूपपुर के भोलगढ़ बीट में विश्राम करने बाद निरंतर 13 दिनों से जिला मुख्यालय अनूपपुर से 8 किलोमीटर की परिधि में ग्राम पंचायत बरबसपुर,पोंड़ी एवं खांड़ा के ग्रामों में रात के समय निकल कर विचरण करते हुए विगत 3 दिनों के मध्य खांड़ा के कुदराटोला निवासी रामसहाय सिंह के बांडी में बीही के पेड़ को तोड़कर खाने,खांडा बांध के पास मोहन पिता शिवनंदन सिंह के यहां अचानक पहुंचकर आंगन में लकड़ी का खूटा तोड कर घर के पास रखें एक बोरी धान के कोढा को निकाल कर आंगन में काफी देर तक खाता रहा इस बीच मोहन की माँ एवं बच्चे घर के अंदर डरे सहने फंस गए जिसे वन विभाग के गश्ती कर रहे परि,सहायक अनूपपुर विजय सोनवानी एवं उनके दल द्वारा ग्रामीणों की मदद से पटाखा फोड़ कर हो-हल्ला कर हाथी को आंगन से दूर भगाकर मां एवं बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल कर सभी की जान बचाई इस दौरान हाथी पड़ोस में बहोरी पिता स्व,गोरेलाल सिंह के बांडी में लगे कटहल को खाते हुए घर में हमला करने की कोशिश में पूरी रात भर भगाए जाने के बाद भी घर पर ही नजर रख रहा जो दिन होते ही फिर से खांड़ा बांध के ऊपर स्थित पहाड़ के जंगल में दिन में ठहरते हुए रात होने पर पड़ोस के खोलगढी गांव के विभिन्न टोला मोहल्ला में पहुंचकर पप्पू पाव के बांडी में केला खाते हुए भगाए जाने पर खोलगढी,चटुआ एवं खांड़ा के मध्य पहाड़ी में रात भर घूमते दिन होने पर ठहरा रहा शनिवार की रात है हाथी खांडा बांध में पानी पीने बाद फिर से बोधन पिता गोरेलाल सिंह के आंगन में पहुंचकर आंगन में लगे कटहल को खा कर दीवाल,छानी,दरवाजा को तोड़ कर पड़ोसी मोहन पिता शिवनंदन सिंह के घर की छानी,दीवाल,दरवाजा तोड़कर घर के अंदर रख महुआ,धान एवं अन्य तरह की फसल को अपना आहार बनाते हुए देर रात तक आसपास विचरण कर रविवार की सुबह फिर से जंगल में ठहरकर रात होते ही खोलगढी गांव पहुंचकर जयराम पिता भागवली पाव,भजन पिता प्यारेलाल पाव के घरों में तोड़फोड़ कर अनाज खाया वही प्रेमकुमार पिता रामाधार पाव के खेत में बने झोपड़ी को तोड़ते हुए सोमवार की सुबह 13 वें दिन खांडा बांध के पास स्थित पहाड़ी के जंगल में ठहरा हुआ है।

एक अकेला दंतैल हाथी रविवार की रात छत्तीसगढ़ राज्य के कटघोड़ा वन मंडल अंतर्गत पसान एवं मनेद्रगढ़ वन मंडल एवं वन परिक्षेत्र की सीमा को पार कर सोमवार की सुबह मरवाही वन मंडल एवं वन परिक्षेत्र के सेमरदर्री से गुल्लीडांड बीट के माडाकोट गांव के समीप स्थित जंगल में पहाड़ के ऊपर तेजी से चलकर आता हुआ विश्राम कर रहा है जिसके भी एक दो दिनों के मध्य मरवाही से अनूपपुर जिले में प्रवेश करने की संभावना बन रही है।

देवास आईडीए का सीडीई व्याख्यान आयोजित

–हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज–

देवास। इंडियन डेंटल एसोसिएशन देवास शाखा द्वारा 18 अप्रैल की शाम सीडीई व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में डॉ. आशीष सक्सेना एवं डॉ. अमित रावत उपस्थित रहे। डॉ. आशीष सक्सेना ने बच्चों के दंत उपचार, उनकी विशेष आवश्यकताओं एवं आधुनिक उपचार पद्धतियों पर विस्तृत जानकारी दी। वहीं डॉ. अमित रावत ने विभिन्न ओरल लेशन्स की पहचान, उनके कारणों तथा प्रभावी उपचार के तरीकों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में आईडीए देवास के सदस्य चिकित्सकों में डॉ. नितिन मुंगी, डॉ. नेहा आनंद, डॉ. वकार अहमद, डॉ. वरुण आनंद, डॉ. अभिषेक सोनी, डॉ. वरुण त्रिपाठी, डॉ. तौसीफ शेख, डॉ. चेतना जायसवाल, डॉ. निष्ठा जैन, डॉ. वसीम पठान, डॉ. अरुण परमार, डॉ. एस. एस. मेवाड़ा, डॉ. शिखर चौहान, डॉ. विष्णु जायसवाल, डॉ. राहुल नागर, डॉ. तंजिला कुरैशी, डॉ. प्रियंका जायसवाल, डॉ. चिरायु जाखेटिया, डॉ. अभिराज सोनी एवं मानस वर्मा उपस्थित रहे।

झिलमिल जलाशय की नहरों का होगा कायाकल्प, किसानों को मिलेगा बेहतर सिंचाई का लाभ

अनूपपुर। जिले के आदिवासी बहुल विकासखंड पुष्पराजगढ़ में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और जल प्रबंधन को सुदृढ़ करने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में झिलमिल जलाशय की नहरों के सुदृढ़ीकरण और निर्माण कार्य को गति दी जा रही है।

झिलमिल जलाशय से निकलने वाली नहरों के व्यवस्थित निर्माण और मरम्मत कार्य होने से क्षेत्र के सैकड़ों किसानों को सीधा लाभ पहुँचेगा। वर्तमान में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरचनाओं के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि खरीफ और रबी दोनों फसलों के लिए अंतिम छोर (Tail end) के खेतों तक पानी पहुँच सके। कलेक्टर हर्षल पंचोली द्वारा जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि नहर निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट किया है कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्य की समय-सीमा और गुणवत्ता की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश भी दिए गए हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अर्चना कुमारी ने बताया कि सिंचाई परियोजनाओं का सुदृढ़ीकरण ग्रामीण विकास की प्राथमिकता है। झिलमिल जलाशय की नहरों के सक्रिय होने से पुष्पराजगढ़ क्षेत्र में न केवल कृषि उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि इससे भू-जल स्तर में भी सुधार होगा, जो क्षेत्र की आर्थिक समृद्धि का आधार बनेगा।

अक्षय तृतीया पर अमरकंटक में उमड़ा श्रद्धा का सागर, माँ नर्मदा में भक्तों ने लगाई आस्था की पुण्य डुबकी

अनूपपुर/अमरकंटक। तप, त्याग, आस्था और अक्षय पुण्यफल की प्रतीक वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर पवित्र नगरी अमरकंटक में अक्षय तृतीया का पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर हजारों भक्त श्रद्धालुओं ने पतित-पावनी पुण्य सलिला माँ नर्मदा के पवित्र जल में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया तथा विधिवत दर्शन, पूजन और अर्चन कर सुख-समृद्धि, शांति और कल्याण की कामना की।

माँ नर्मदा उद्गम स्थल स्थित कोटि तीर्थ कुंड, रामघाट के उत्तर एवं दक्षिण तट,आरंडी संगम तथा नर्मदा पुष्कर बांध में प्रातःकाल से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी,भक्तजन पवित्र जल में आस्था की डुबकी लगाकर स्वयं को धन्य मानते रहे। नर्मदा उद्गम मंदिर परिसर में भी श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं, जहां भक्तों ने मां नर्मदा के श्रीचरणों में शीश नवाकर अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के सुख-शांति एवं मंगल की कामना की। भीषण ग्रीष्म तपन के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई

कमी नहीं दिखाई दी। नंगे पांव मंदिर परिसर में घंटों प्रतीक्षारत रहकर भक्तों ने पूर्ण श्रद्धा और विश्वास के साथ दर्शन किए। सम्पूर्ण क्षेत्र 'नर्मदा माई की जय' के जयघोष से गुंजायमान होता रहा, जिससे वातावरण पूर्णतः भक्तिमय और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो उठा। अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर पेंड्रा रोड एवं अनूपपुर क्षेत्र से आई धर्मनिष्ठ महिलाओं ने भी विशेष रूप से घट-दान एवं कलश-दान की परंपरा का निर्वहन किया। महिलाओं ने मिट्टी के मटकों एवं कलशों में गुड़, तिल, आम, बैंगन, लड्डू आदि रखकर दक्षिणा सहित आचार्य, पुरोहित एवं ब्राह्मणों को श्रद्धापूर्वक दान अर्पित किया। सनातन मान्यता के अनुसार वैशाख मास में शीतल जल से प्यासे प्राणियों की तृप्ति हेतु प्याऊ स्थापित करना, घटदान करना तथा अन्न-वस्त्र दान करना अक्षय पुण्य प्रदान करता है। यही कारण है कि अक्षय तृतीया को धर्म, दान और साधना का महापर्व माना जाता है। अमरकंटक की पुण्यभूमि पर इस दिव्य अवसर पर श्रद्धा, सेवा और सनातन परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक के प्रो.अवधेश कुमार शुक्ल ने संभाला कार्यवाहक कुलपति का कार्यभार

–हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज–

अनूपपुर/अमरकंटक। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय के वरिष्ठतम प्रोफेसर प्रो.अवधेश कुमार शुक्ल विश्वविद्यालय में कार्यवाहक कुलपति के रूप में पदभार ग्रहण किया नियमित कुलपति की नियुक्ति होने तक वे इस दायित्व का निर्वहन करेंगे।

प्रो. शुक्ल शिक्षा जगत में अपनी उत्कृष्ट सेवाओं,शोध कार्यों और समर्पित शैक्षणिक योगदान के लिए विख्यात हैं। विश्वविद्यालय परिवार में वे एक सर्वमान्य और लोकप्रिय प्राध्यापक के रूप में जाने जाते हैं। उनके नेतृत्व में

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं शोध कार्यों को नई दिशा मिलने की अपेक्षा व्यक्त की जा रही है। पदभार ग्रहण करते हुए प्रो. शुक्ल ने नरेंद्र मोदी के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि 'मानव जीवन दूसरों की सेवा के लिए बना है। पद बड़ा नहीं होता, कार्य बड़ा होता है। हम किसी भी पद पर रहें, हमारा मुख्य ध्येय मानव सेवा होना चाहिए।' उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय में सभी विद्यार्थी उनके लिए अपने बच्चों के समान हैं और वे स्वयं को उनका अभिभावक मानते हैं। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों ने प्रो. शुक्ल को कार्यवाहक कुलपति का दायित्व संभालने पर बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। प्रो. शुक्ल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अवैध रेत परिवहन पर रामनगर पुलिस की कार्यवाही

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एसडीओपी कोतमा नवीन तिवारी के मार्गदर्शन में थाना रामनगर पुलिस द्वारा अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध कार्यवाही के क्रम में गत रात्रि में प्रभावी कार्यवाही करते हुए अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई की गई। रात्रि गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक नीले रंग का स्वराज ट्रैक्टर जमुड़ी घाट क्षेत्र से अवैध रूप से रेत लोड कर फुलवारी ओला की ओर परिवहन कर रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई। पुलिस द्वारा मौके से ट्रैक्टर वाहन क्रमांक MP 65 AA 2462, जिसकी अनुमानित कीमत 5,00,000/- एवं ट्रैक्टर में लोड लगभग 03 घन मीटर अवैध रेत, जिसकी कीमत 5,000/- को विधिवत जप्त किया गया। उक्त प्रकरण में वाहन चालक एवं मालिक मोहम्मद आकिब जावेद पिता मोहम्मद आबिद,उम्र 36 वर्ष,निवासी वार्ड क्रमांक 15 लहसुई थाना कोतमा के विरुद्ध थाना रामनगर में अपराध क्रमांक 99/26 पंजीबद्ध कर धारा 303(2), 317(5) भारतीय न्याय संहिता (BNS) एवं 4/21 खनिज अधिनियम के तहत वैधानिक कार्यवाही की गई है।

गर्मी का प्रकोप: पारा पहुंचा 42 डिग्री सेल्सियस, रात का पारा भी चढ़ा

प्रतिदिन बढ़ रही है मरीजों की संख्या

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। अप्रैल के तीसरे सप्ताह के शुरू होने के साथ ही अंचल में गर्मी अपना प्रकोप दिखाने लगी है। तीखी धूप के साथ अब लू के थपेड़े घरों से निकलने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ा रहे है। 20 अप्रैल को अधिकतम तापमान 42 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं रात का तापमान 24 डिग्री बना हुआ है।

मार्च महीने के अंत और अप्रैल के पहले सप्ताह में बेमौसम बारिश ने पारे की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिए थे। जिसका असर अप्रैल के दूसरे सप्ताह तक देखने को मिला और अंचल में लोगों को गर्मी से फौरी राहत मिली थी। लेकिन तीसरा सप्ताह शुरू होने के साथ ही भगवान भास्कर ने अपने तेवर दिखाना शुरू कर दिए है। 20 अप्रैल की सुबह साढ़े आठ बजे से ही गर्म हवाओं ने घरों से निकलने वाले लोगों को भीषण गर्मी के प्रकोप का अहसास करा दिया। दिन चढ़ने के साथ तीखी धूप ने लोगों को झुलसाने वाली गर्मी का अहसास करा दिया। तापमान में अचानक हुई बढ़ौत्तरी से लोग परेशान देखे गए।

आगामी दिनों में 43 डिग्री तक पहुंच सकता है तापमान

स्थानीय मौसम विभाग की माने तो आगामी तीन दिनों में अंचल में दिन का तापमान 43 डिग्री तक पहुंचनें की संभावना है। पारे के चढ़ने से अंचल में झुलसाने वाली गर्मी का प्रकोप रहेगा। वहीं रात के तापमान में भी दो से तीन डिग्री की बढ़त होने का अनुमान है।

अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ी, पेय पदार्थों की बिक्री तेज

अप्रैल के तीसरे सप्ताह में पारा 42 डिग्री पहुंचते ही अस्पतालों में मरीजों की संख्या भी बढ़ने लगी है। जिला अस्पताल के आईसीयू, मेल-फीमेल मेडिकल वार्ड सहित एसएनसीयू, चिल्ड्रन वार्ड में पलंग कम पड़ते हुए दिखाई देने लगे है। वहीं गर्मी के प्रकोप से बचने केंं लिए लोग शीतल पेय पदार्थों का सेवन अधिक कर रहे है। जिसकी वजह से सॉफ्ट ड्रिंक, गन्ना-मौसमी के जूस, आइसक्रीम सहित अन्य पेय पदार्थों की बिक्री में तेजी आई है।

मारपीट के मामले में तीन वर्षों से फरार आरोपी को पुलिस ने दबोचा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। पुलिस अधीक्षक मुरैना समीर सौरभ (भापुसे) द्वारा जिले में घटित गंभीर अपराधों में वांछित आरोपियों, ईनामी / फरारी बदमाशों की धरपकड़ हेतु

सम्पूर्ण जिले में विशेष अभियान संचालित कराया जा रहा है। उक्त अभियान के तारतम्य में अति. पुलिस अधीक्षक मुरैना सुरेन्द्र पाल सिंह डावर के निर्देशन एवं नगर पुलिस अधीक्षक मुरैना श्रीमती दीपाली चन्दौरिया के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा मारपीट संबंधी भिन्न-भिन्न प्रकरणों में लगभग 03 वर्ष से फरार चल रहे स्थायी वारंटी को गिरफ्तार किया गया।दिनांक 19.04.26 को थाना कोतवाली पुलिस द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना हाजा के अप.क्र. 74 / 2017 से उद्भूत प्र.क्र. 114 / 2017 एवं अप.क्र. 562 / 2017 से उद्भूत प्र.क्र. 978/2017 धारा 323, 294, 506 ताहि. में लगभग 03 वर्ष से फरार चल रहे स्थायी वारंटी ओम दीक्षित पुत्र हरिगोपाल दीक्षित निवासी संजय कॉलोनी मुरैना को शिव वर्षा गार्डन के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल दाखिल किया गया ।

सराहनीय योगदानः- उक्त कार्यवाही में निरी. अमित सिह भदौरिया थाना प्रभारी कोतवाली हमराह फोर्स एएसआई किशन सिह, प्रआर. 1021 लोकेश कनेरिया, आर. 24 सत्यम शर्मा, आर. 1154 प्रमोद का सराहनीय योगदान

दो वर्ष से फरार चल रहा आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

मुरैना। पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ (भापुसे) द्वारा जिले में घटित गंभीर अपराधों में वांछित आरोपियों, ईनामी / फरारी बदमाशों की धरपकड़ हेतु सम्पूर्ण जिले में विशेष अभियान संचालित कराया जा रहा है। उक्त अभियान के तारतम्य में अति. पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र पाल सिंह डावर के निर्देशन एवं नगर पुलिस अधीक्षक मुरैना श्रीमती दीपाली चन्दौरिया के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा बलात्संग एवं पॉक्सो एक्ट संबंधी प्रकरण में लगभग 02 वर्ष से फरार चल रहे स्थायी वारंटी को गिरफ्तार किया गया। दिनांक 19.04.26 को थाना कोतवाली पुलिस द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना हाजा के अप.क्र. 591 / 2022 से उद्भूत प्र. क्र. 08 / 2023 धारा 363, 366, 376(2)(एन) ताहि. एवं धारा 3/4 पॉक्सो में लगभग 02 वर्ष से फरार चल रहे स्थायी वारंटी आकाश पुत्र सुरेश माहौर निवासी ग्राम पिपरई थाना सरायछौला को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल दाखिल किया गया।

सराहनीय योगदानः- उक्त कार्यवाही में निरी. अमित सिह भदौरिया थाना प्रभारी कोतवाली हमराह फोर्स एएसआई किशन सिह, प्रआर. 1021 लोकेश कनेरिया, आर. 24 सत्यम शर्मा, आर. 1154 प्रमोद का सराहनीय योगदान रहा।

ब्राह्मण युवा समाजसेवियों ने मनाया भगवान परशुराम का जन्मदिन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। विष्णु भगवान के छठवें अवतार भगवान परशुराम के जन्मदिन पर नगर के युवा समाजसेवियों ने श्रद्धापूर्वक भगवान परशुराम को याद कर जन्मदिन को मनाया। ब्राह्मण समाज धर्मशाला में युवा समाजसेवी संतोष शर्मा, अन्ना रोहित शर्मा, पवन कटारे, ऋषि पाराशर, ललित पाराशर, प्रमोद पम्मी शर्मा, वरिष्ठ समाजसेवी सेवानिवृत ब्लॉक शिक्षा अधिकारी राधामोहन शर्मा, संजय शर्मा, डॉ. सुरेश शर्मा, सेवानिवृत्ति प्रधान अध्यापक सुरेश शर्मा सहित अन्य युवा समाज बंधुओं ने भगवान परशुराम की पूजा अर्चना की, प्रसादी का वितरण किया। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष कमलेश दुबे एवं पूर्व अध्यक्ष जगदीश शुक्ला भी उपस्थित रहे। इसी अवसर पर सभी समाजसेवियों ने आगामी दिनों में भगवान परशुराम का चल समारोह निकालने पर भी विस्तृत चर्चा भी की गई। अध्यक्ष कमलेश दुबे का कहना था कि सभी समाज बंधुओं से विचार विमर्श कर चल समारोह की तारीख शीघ्र ही तय की जाएगी।

ओपन नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में 12 मैडल सहित मास्टर मनोज शिवहरे को मिला बेस्ट कोच ऑफ़ द ईयर 2026 का अवार्ड

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। समालखा पानीपत हरियाणा में ओपन नेशनल ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन मास्टर यामीन बॉलीवुड फिल्म डायरेक्टर यती स्पोर्ट्स काउंसिल द्वारा पंचवटी स्थित जांगड़ा धर्मशाला में 17 से 19 अप्रैल 2026 तक कराई गई, जिसमें भारत के हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड, तेलंगाना, बिहार आदि कुल 12 राज्यों की टीमों भाग लिया। आयोजन का उद्घाटन स्वामी दयानंद सरस्वती जी फिल्म के हीरो रविंद कुहाड टेक्निकल टूर्नामेंट डायरेक्टर कुरियन एंबेसी मास्टर 8डान ब्लैक बेल्ट बोन योन्ग ली द्वारा किया गया, जिसमें मध्य प्रदेश मुरैना से ताइक्वांडो के अंतरराष्ट्रीय डिग्री मास्टर गोल्ड मेडलिस्ट मास्टर मनोज शिवहरे अपनी टीम के 6 बच्चों को भाग दिलवाकर दोनों इवेंट में 12 मेडल प्राप्त किए। ए टीम पूमसे में वंश भदोरिया ब्रोंज मेडल, अभिराज भदोरिया सिल्वर मेडल, रुद्र प्रताप सिंह बघेल ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया, वहीं बी टीम पूमसे में शिवम बघेल ब्रोंज मेडल, चिराग शर्मा सिल्वर मेडल, आर्यन शर्मा ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया है।

क्यूंरगी फाइट में अंडर 23 किलोग्राम बजन में वंश भदोरिया ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। अंडर 25 किलोग्राम बजन में शिवम बघेल ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। अंडर 29 किलोग्राम बजन में रुद्र प्रताप सिंह बघेल ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। अंडर 32 किलोग्राम बजन में अभिराज भदोरिया ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। अंडर 37 किलोग्राम बजन वर्ग में आर्यन शर्मा ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। अंडर 44 किलोग्राम बजन वर्ग कैडिट में चिराग शर्मा ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। कुल दो ब्रॉन्ज मेडल दो सिल्वर मेडल, 8 गोल्ड मेडल कुल बारह मैडल लेकर टीम मध्य प्रदेश वापस लौटी, जहां पालकों ने बच्चों को गले से लगाया तथा मास्टर शिवहरे को बहुत-बहुत बधाइयां दीं।

आचार्य पंडित कान्हा जी महाराज की भागवत कथा 24 से

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। आचार्य पंडित कान्हा जी महाराज की श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन छोले का पुरा में राधा कृष्ण मंदिर पर भंवरी रतिराम शर्मा बौहरे, रामेश्वर लाल शर्मा के परिजनों द्वारा 24 अप्रैल से होने जा रहा है। इस श्रीमद् भागवत कथा का श्री गणेश शुक्रवार को श्री गणेश पूजन एवं कलश यात्रा के साथ होगा। शनिवार 25 अप्रैल को श्रीमद् भागवत मंगलाचरण महाभारत प्रसंग भीष्म स्तुति परीक्षित जन्म एवं सुखदेव आगमन की कथा सुनाई जाएगी। 26 अप्रैल रविवार को कपिल देवहुति संवाद, सती चरित्र, प्रहलाद चरित्र एवं नरसिंह अवतार का प्रसंग भी सुनाया जाएगा। सोमवार 27 अप्रैल को आचार्य कान्हा जी महाराज द्वारा समुद्र मंथन, बाली बामन चरित्र, रामजन्म, कृष्ण जन्म, नंद उत्सव की कथा सुनाई जाएगी। मंगलवार 28 अप्रैल को श्री कृष्णा बाल लीलाएं, पूतना वध, माखन चोरी लीला, गौचरण लीला,

वृंदावन वास, गिर्राज पूजन का प्रसंग सुनाया जाएगा, जबकि बुधवार 29 अप्रैल को महारास लीला, मथुरा गमन, कंस वध, द्वारका नगरी का निर्माण, रुक्मणी मंगल की कथा सुनाई जाएगी। गुरुवार 30 अप्रैल सुदामा चरित्र के साथ कथा का समापन होगा। शुक्रवार 01 मई को हवन पूर्णाहुति के साथ

अक्षय तृतीया पर गौसेवा के साथ पिलाया इक्षु रस

जैन मिलन महिला मुरैना का भव्य आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर जैन मिलन महिला एवं जैन मिलन महिला 'वर्धमान' मुरैना ने आदिनाथ की प्रथम पारणा दिवस अक्षय तृतीया पर गौ सेवा के साथ सभी को गन्ने के रस का वितरित किया। सभी महिलाओं ने अक्षय तृतीया के महापर्व पर पूजा पाठ, गन्ने के रस का वितरण, गौ सेवा के साथ साथ मुनिश्री अनुकरण सागरजी महाराज का नवधाभक्ति के साथ आहार दिया।

अक्षय तृतीया के पावन महापर्व पर जैन मिलन महिला और जैन मिलन महिला वर्धमान मुरैना के सदस्यों द्वारा श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर एवं पल्लिवाल दिगम्बर जैन मंदिर लोहिया बाजार मुरैना के मन्दिरों में सुबह 8:00 बजे श्री जी का अभिषेक शांति धारा व पूजा की गई । तत्पश्चात जैन मिलन की सदस्य वीरांगना प्रीति जैन के निज निवास पर नवधा भक्ति के साथ मुनिश्री की आहारचर्या संपन्न हुई । इसके उपरांत श्री गोपालदास बरैया जैन छात्रावास में सभी बच्चों, राहगीरों, दुकानदार जन एवं समाजजन आदि को गन्ने का रस वितरित किया। इस धार्मिक कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी का सराहनीय सहयोग रहा। इस अवसर पर जैन छात्रावास के पंडित चक्रेश शास्त्री विशेष रूप से मौजूद रहे। ग्रुप फाउंडर सरिता जैन, अध्यक्ष बबिता सुप्रिया जैन, मंत्री शीतल निधी जैन, कोषाध्यक्ष श्वेता रीना जैन, कल्पना जैन, सीमा जैन, वंदना जैन, नीति जैन, किरण जैन, दीपाली जैन सभी उपस्थित रहे।

हादसे में पिता-पुत्री की मौत

मुरैना। अम्बाह थाना क्षेत्र में उसैद रोड पर रविवार की रात हिंगावली मोड़ पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। अज्ञात तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से हाकिम सिंह बघेल (58) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी विवाहित पुत्री लक्ष्मी बघेल (36) गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसकी उपचार के लिए ग्वालियर से दिल्ली ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम बरेह निवासी हाकिम सिंह अपनी पुत्री लक्ष्मी बघेल को बाइक से भदरौली जिला आगरा उत्तर प्रदेश की ओर लेकर जा रहे थे। जब उनकी बाइक उसैद रोड पर हिंगावली मोड़ के पास से गुजर रही थी। तभी पीछे से तेज रफ्तार में आए अज्ञात वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों पिता-पुत्री सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर घटनास्थल पहुंचे डायल-112 वाहन ने दोनों घायलों को अंबाह अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने हाकिम सिंह को मृत घोषित कर दिया। जबकि लक्ष्मी की हालत गंभीर होने पर उसे ग्वालियर रेफर किया गया, जहां से बेहतर उपचार के लिए दिल्ली रैफर कर दिया गया, लेकिन दिल्ली ले जाते समय रास्ते में लक्ष्मी की मौत हो गई।

5 वर्ष की कृतिका उपाध्याय बनी आश्चर्य का विषय, असाधारण ज्ञान चर्चाओं में

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। साढ़े 5 वर्ष की कृतिका उपाध्याय क्षेत्र में आश्चर्य का विषय बनी हुई है। छोटी-सी उम्र में असाधारण ज्ञान करह आश्रम पटिया वाले के दरबार में विद्वान सम्मेलन में देशभर से आई विद्वानों को उसे समय दांतों तले उंगलियां दबानी पड़ी, जब मात्र 5 मिनट में छोटी-सी बच्ची कृतिका उपाध्याय ने छंदों, रसों एवं व्याकरण सहित अद्भुत मंत्र के उच्चारण से 7 मिनट में 37 श्लोक का अद्भुत उच्चारण देखने एवं सुनने को मिला। मौके पर मौजूद सैकड़ों लोग आश्चर्य में पड़ गए। ऐसे श्लोक तो अच्छे-अच्छे विद्वान भी नहीं बोल पाते हैं। मौके पर मौजूद दंदरौआ महाराज ने प्रसन्नता के साथ छोटी-सी बच्ची कृतिका को गले लगा लिया। इसी क्रम में जब जड़ेरूआ सिद्ध आश्रम पर आयोजित वार्षिक भागवत कथा में पूरे प्रदेश से आए संत समाज

की उपस्थिति में अयोध्या धाम से पधारे महामंडलेश्वर राघव दास जी ने भी भागवत जी दौरान इस बाल का के ज्ञान को असाधारण कहा तो बड़े-बड़े आचार्य भी आश्चर्यचकित रह गए। इसी के साथ इस छोटी-सी बच्ची को ना डी ज्ञान के साथ आयुर्वेद का भी ज्ञान जब जिला आयुर्वेद अधिकारी मधुसूदन शर्मा, शिवानी भदोरिया, पतंजलि के डॉ. यादव ने देखा तो इन्होंने भी बच्ची के इस ज्ञान की जमकर सराहना की। बच्ची के ज्ञान की अहम बात यह भी है कि इस लगभग 5 वर्ष की उम्र में एक अल्ट्रासाउंड, एक टीएमटी, एंजियोग्राफी, ब्लड टेस्ट एवं दवाओं के नाम और घटकों की अद्भुत जानकारी भी बच्ची को है, जो निश्चित रूप से अपने आप में आश्चर्य भी है। उक्त कृतिका मुरैना के युवा समाजसेवी बंटी उपाध्याय सुसानी वालों की पुत्री है।

इनका कहना है:- जिले के प्रसिद्ध चिकित्सक के.के. गुप्ता का कहना है कि एक दिन बिटिया मेरे यहां आई निश्चित रूप से बिटिया असाधारण प्रतिभा की धनी है इस छोटी सी उम्र में इतना ज्ञान निसंदेह ईश्वर की कृपा है।

नारायणी ऑर्गेनिक फार्म सिहोरी में हुआ गौ सेवा गतिविधि का प्रशिक्षण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। नारायणी ऑर्गेनिक फार्म सिहोरी में नहर किनारे गौ सेवा गतिविधि प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें प्रान्त संयोजक वेदपाल ने पारंपरिक लोक चिकित्सा पर चर्चा करते हुए विभिन्न मुद्राओं द्वारा रोगों की चिकित्सा वन औषधियों से इलाज़ करना सिखाया। जैसे पसीने की बदबू के लिए इलाज, बिगड़ा हुआ टाइफाइड घर में तुलसी लगाने का कारण बताया और बताया कि तुलसी दक्षिण दिशा मे नहीं लगाई जानी चाहिए। दमा रोग का इलाज बताया। आयोडीन नमक के दुष्परिणाम बताए और उन्होंने बताया कि खाना एल्यूमिनियम के बर्तन में नहीं बनाना चाहिए, न खाना चाहिए।घुटनों के दर्द का इलाज बताया। आयुर्वेदिक चिकित्सा से थायराइड का इलाज बताया। अमृत धारा बनाने की विधि बताई। एसिडिटी व कब्ज के निवारण हेतु हरड़ चूर्ण का उपयोग बताया। साइटिका का इलाज बताया। गाय में थनेला रोग, बेली रोग की पारंपरिक चिकित्सा गाय के गोबर से मोबाइल चिप बनाने गोबर की मूर्ति भी मोबाइल चिप की तरह कार्य करती है, जिससे मोबाइल की हानिकारक रेडिएशन को रोका जा सकता हैं। डॉ. मधु सूदन प्रांत सह संयोजक गौ सेवा ने गौ सेवा गतिविधि के आयामों पर प्रकाश डाला।

गौ सेवा गतिविधि की आज समाज में प्रासंगिकता एवं गौमाता के पुनर्वास एवं संवर्धन पर जानकारी दी।

कार्यक्रम में आभार नायब सूबेदार CLI रेलवे देवेन्द्र सिकरवार ने व्यक्त किया। कार्यक्रम के आयोजक ओडी शर्मा (विभाग सेवा स्वास्थ्य आयाम प्रमुख) एवं प्रमुख रूप से रामकुमार सिंह सिकरवार (विभाग सह समरसता संयोजक) उपस्थित रहे। मातृशक्ति के रूप में सोनाली सिकरवार (इनकम टैक्स इंस्पेक्टर) उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन मनोज शर्मा (जिला गौ सेवक संयोजक) ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से 52 गौ सेवक उपस्थित रहे, जिसमें मुख्य रूप से पंकज सिकरवार, अशोक सिंह, घनश्याम धाकरे, शैलेंद्र सिंह, रणधीर सिंह, विष्णु सिंह, रामू सिंह, जितेंद्र शर्मा, नरेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

सहकारी सदस्यता अभियान में किसानों को मिलेगा 0% पर लोन

यह योजना 15 मई तक चलेगी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/पोरसा। क्षेत्र के किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और सहकारिता से जोड़ने की उद्देश्य जिला सहकारी केंद्रीय बैंक ने विशेष सदस्यता अभियान शुरू किया है। यह अभियान 15 मई तक चलाया जाएगा। इसके तहत आज बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी संस्था मर्यादित रन्हेरा पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जिला मुख्यालय मुरैना से क्षेत्रीय अधिकारी रजनीश वाजपेई एवं पोरसा शाखा के ब्रांच मैनेजर सुनील सिंह चौहान के द्वारा उपस्थित किसानों को योजनाओं के बारे में विस्तार से समझाया गया। कार्यक्रम का संचालन लटूरी सिंह तोमर प्रभारी समिति प्रबंधक ने किया। इस अवसर पर किसानों को बताया गया कि पोरसा क्षेत्र की 12 सहकारी सोसाइटियों पोरसा, रजौधा, सेंथरा अहीर, संगोली, तरैनी, भौनपुरा, रन्हेरा, कुरेठा, नगरा पोरसा, अर्रोन, कोथर खुर्द, तरसमा के किसानों को अब नवीन सदस्य बनकर सहकारी समितियां के द्वारा मिलने वाले लाभ का फायदा उठाएं। अब सहकारी सदस्य बनने के बाद किसानों को जीरो प्रतिशत पर लोन उपलब्ध कराया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य किसानों को मुख्य धारा में लाना है, जो अब तक सहकारी संस्थाओं से नहीं जुड़ पाए हैं। बैंक अधिकारियों के अनुसार सदस्य बनने पर किसानों को शासन की विभिन्न योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा। खास बात यह है कि किसानों को खेती के लिए शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, इससे निजी महंगे कर्ज से किसानों को राहत मिलेगी। इसके अलावा किसानों को बुवाई के समय खाद-बीज व कीटनाशक आसानी से उपलब्ध कराए जाएंगे, कृषि उत्पादन क्षमता बढ़ेगी। जिला सहकारी बैंक अधिकारियों के मुताबिक अभियान के तहत 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक गैर सदस्य किसानो की पहचान और संपर्क किया जाएगा। 21 से 30 अप्रैल तक आवेदन जमा होंगे, जबकि 01 से 05 मई के बीच उनका निराकरण किया जाएगा। 06 से 15 मई तक नए सदस्यों को ऋण वितरण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। सदस्य बनने के लिए किसानों को मात्र 600 शुल्क, जिसमें 100 प्रवेश शुल्क 500 अंश पूंजी जमा करना होगी। सभी किसानों से आव्हान किया जाता है कि वह इस योजना का लाभ उठाकर अपने आप को सशक्त वह मजबूत बनाएं।

स्टेट फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर्स एसोसिएशन ने वनरक्षक हरिकेश गुर्जर के परिवार को दी आर्थिक सहायता

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। हरिकेश गुर्जर शहीद वनरक्षक के परिवार को द्वारा स्टेट फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर्स (राजपत्रित) एशोसियेशन मध्य प्रदेश के सभी साथियों तथा सहयोगी स्टॉफ के माध्यम से एकत्रित की गई राशि रुपए 11,77,722 संगठन के बैंक अकाउंट में डिपॉजिट की गई तथा 2,02,821 श्रीमती लवली गुर्जर के बैंक अकाउंट में डिपॉजिट की गई। इस प्रकार कुल सहयोग राशि 13,80,543/- जमा की गई। मुरैना वन मंडल के साथियों द्वारा पीड़ित परिवार को डमी चेक देकर संगठन के खाते से तत्काल ऑनलाइन ट्रांसफर द्वारा श्रीमती लवली गुर्जर के खाते मैं किया जा रहा है। इतने कम समय में सभी साथियों के द्वारा यह महत्वपूर्ण योगदान हमारे शहीद वनरक्षक के परिवार को दिया गया।

कांग्रेस व विपक्षी दलों ने बहनों के अधिकारों पर डाका डाला, उनके मंसूबे कभी पूरे नहीं होंगे : सीएम डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को संसद में पारित नहीं होने देने पर विपक्षी दलों के खिलाफ महिला नेत्रियों के साथ सोमवार को भोपाल में आयोजित जन आक्रोश महिला पदयात्रा में शामिल होकर संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 को लागू करने में रोड़ा अटकाकर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी व डीएमके जैसे राजनीतिक दलों ने बहनों के अधिकारों पर डाका डाला है। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी सहित विपक्षी दलों के मंसूबे कभी पूरे नहीं होंगे। महिलाएं सब कुछ भूल सकती हैं, लेकिन अपना अपमान नहीं भूल सकतीं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने का बीड़ा उठाया है। विपक्षी दलों के विश्वासघात के खिलाफ मध्यप्रदेश सहित देश भर की महिलाओं में आक्रोश है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के अधिकारों पर डाका डालने के लिए महिलाएं सबक जरूर सिखाएंगी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के माध्यम से देश की आधी आबादी को संसद और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का अधिकार देने का कार्य कर रहे थे। विपक्षी दलों ने महिलाओं के अधिकार देने से रोका है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विपक्षी दलों का कृत्य संपूर्ण नारी शक्ति का अपमान है। कांग्रेस का इतिहास हमेशा से महिला विरोधी रहा है। जन आक्रोश महिला पदयात्रा को पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता, पूर्व मंत्री व विधायक श्रीमती अर्चना चिटनीस, प्रदेश महामंत्री व सांसद श्रीमती लता वानखेड़े, सांसद सुश्री कविता पाटीदार, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी परांजपे एवं कवयित्री श्रीमती अनामिका अंबर ने भी संबोधित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि लोकसभा में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पास नहीं हो सका, इस पर कांग्रेस संसद में जश्न मना रही थी। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी को पहले बड़ी-बड़ी बातें करती थीं-लड़की हूं लड़ सकती हूं। लेकिन अब प्रियंका ने बहनों के अधिकारों का गला घोट दिया। कांग्रेस का इतिहास ही महिला विरोधी रहा है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित न हो सके, इसके लिए राहुल गांधी ने पूरा प्रयास किया। राहुल गांधी के पिता पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भी 40 साल पहले सुप्रीम कोर्ट के फैसले को संसद के माध्यम से पलटकर बहनों को उनके अधिकार नहीं मिलने दिया था।

महिला आरक्षण बहनों के सम्मान और स्वाभिमान से जुड़ा है : हेमंत खण्डेलवाल

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की सभी बहनें इसके खिलाफ जन आक्रोश महिला पदयात्राओं में शामिल हो रही हैं। हमारी तो मातृ सत्ता रही है, जहां देश और देवी-देवताओं के नाम में माताओं को सर्वोपरि रखा जाता है। प्रदेश की बहनों ने विपक्ष की विश्वासघात को सबके सामने लाने के लिए लोकतांत्रित तरीका अपनाते हुए सड़कों पर मार्च करने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार हर कदम पर बहनों के मान-सम्मान और बेहतरी लिए उनके के साथ खड़ी है। इसलिए मध्यप्रदेश की प्रत्येक नगर पालिका और नगर निगम में विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया जाएगा। मध्यप्रदेश विधानसभा का एक दिवसीस सत्र बुलाया जाएगा, वहां भी निंदा प्रस्ताव के साथ महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के लिए चर्चा की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने का बीड़ा उठाया है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल महिलाओं को उनके अधिकार से वंचित नहीं रख पाएंगे। कांग्रेस और विपक्षी दल कितना भी प्रयास करें, बहनों को भाजपा उनका अधिकार दिलाकर रहेगी। प्रदेश भर से बहनें अपने अधिकारों के पक्ष में आवाज उठाने के लिए भोपाल आई हैं। देश का इतिहास गवाह है कि जब-जब बहनों पर परेशानियां आई हैं। बहनों को उनका अधिकार दिलाने के लिए भाइयों ने सदैव संघर्ष किया है। महामना मदनमोहन मालवीय, महात्मा ज्योतिबाराव फुले, बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर, महात्मा गांधी, भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के लिए कार्य किया है। इस कार्य को अब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी आगे बढ़ाकर महिलाओं को देश की संसद और राज्यों की विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाने के लिए कृत संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने आह्वान किया था कि लोकसभा में पक्ष-विपक्ष के सभी दल एकजुट होकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू कराएं, लेकिन संख्या बल के आधार पर ऐसा नहीं हो सका। देश की आधी आबादी के साथ विश्वासघात करने वाले विपक्षी दलों को सजा दिलाई जाएगी, जिन्होंने माताओं-बहनों के साथ अन्याय किया। देशभर की बहनें इसके लिए कभी विपक्ष को माफ नहीं करेंगी।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि महिला आरक्षण उनके सम्मान और स्वाभिमान से जुड़ा है। यह कोई राजनीतिक घटना नहीं थी, यह देश की आधी आबादी को उनका अधिकार दिलाने का कार्य किया जा रहा था। नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध कर विपक्ष ने संपूर्ण नारी शक्ति का अपमान किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी हमेशा से विधानसभाओं और संसद में महिला आरक्षण लागू करने के पक्ष में हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देना चाहते हैं। लेकिन विपक्ष ने सदन में कुठाराघात किया। प्रधानमंत्री जी ने निःशुल्क शौचालय, उज्ज्वला गैस, नल से जल, मुद्रा योजना, तीन तलाक को खत्म करना एवं बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसी अनेक योजनाओं व कार्यों के जरिए महिलाओं और बेटियों को आगे बढ़ाकर उन्हें सशक्त बनाने का कार्य कर रहे हैं। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लागू कर सैकड़ों सालों के बाद हमारी बहनों को संसद में आवाज बुलंद करने का मौका मिलने वाला था, लेकिन नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जैसे नेताओं ने बहनों को संसद में बराबरी का दर्जा नहीं मिलने दिया। उनकी सोच हमेशा महिला विरोधी रही है। उन्होंने महिलाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे आक्रोश यात्राओं के माध्यम से प्रदेश के गांव-गांव और जन-जन तक कांग्रेस सहित विपक्ष के द्वारा किए गए पाप को बताएं।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने देश की आधी आबादी को उनका संवैधानिक अधिकार देने का ऐतिहासिक प्रयास किया था, लेकिन कांग्रेस और उनके सहयोगी दलों ने इस ऐतिहासिक अवसर को विफल करने के लिए घिनौना प्रयास किया। कांग्रेस का इतिहास हमेशा महिलाओं के खिलाफ रहा है। कांग्रेस का इतिहास महिलाओं के अधिकारों के अपमान से भरा पड़ा है। कांगेस पार्टी और उसके नेताओं ने महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित करने का काम किया है। अब महिलाएं अपने अधिकारों के लिए खड़ी हो चुकी हैं और किसी भी विरोधी ताकत को अपने रास्ते में रुकावट डालने की अनुमति नहीं देंगी।

उन्होंने कहा कि आज हमारी बहनें सिर्फ एक आवाज नहीं हैं, वह एक बदलाव की आंधी बन चुकी हैं। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने हमेशा महिलाओं को कमजोर करने का काम किया है, लेकिन अब महिलाएं अपना हक लेने के लिए तैयार हैं। यह मुद्दा केवल राजनीति का नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान और उनके अधिकारों का मुद्दा है। उन्होंने कहा कि हमें इस आंदोलन को और तेज करना होगा। हर गली, मोहल्ले और गांव-गांव में यह आवाज उठनी चाहिए। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को यह समझना होगा कि अब नारी शक्ति को उनके अधिकार मिलकर रहेंगे। हमारी बहनें अब अपने सम्मान और अधिकारों की लड़ाई को और तेज करेंगी। कांग्रेस और उनके सहयोगी दलों को जवाब देना होगा कि उन्होंने महिलाओं के अधिकारों पर डाका क्यों डाला ? प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के लिए कार्य कर रहे हैं। अब कोई भी राजनीतिक दल नारी शक्ति को उनका अधिकार प्राप्त करने से नहीं रोक पाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा देश की आधी आबादी को उसका पूरा हक दिलाकर रहेगी।

हजारों की संख्या में महिलाओं ने निकाली पदयात्रा, काले गुब्बारे छोड़कर जताया विरोध

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में लोकसभा में लाए गए नारी शक्ति वंदन अधिनियम को कांग्रेस और विपक्षी दलों द्वारा पारित नहीं होने देने से देशभर में महिलाएं आक्रोशित हैं। सोमवार को भोपाल में एमवीएम ग्राउंड से रोशनपुरा चौराहे तक जन आक्रोश महिला पदयात्रा निकाली गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल सहित मध्यप्रदेश शासन की महिला मंत्रीगण, भाजपा नेत्रियां व कवियित्री अनामिका जैन अंबर सहित हजारों की संख्या में नारी शक्ति व आमजन आक्रोश पदयात्रा में शामिल हुए। पदयात्रा के दौरान सभी ने काले गुब्बारे आसमान में उड़ाकर कांग्रेस और विपक्षी दलों के खिलाफ अपने आक्रोश को प्रदर्शित किया गया। जन आक्रोश महिला पदयात्रा में महिलाएं कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों को सबक सिखाने के लिए लगाए गए नारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो रहा था। बड़ी संख्या में बहनों ने विपक्षी दलों पर कटाक्ष की तख्तियां लेकर पदयात्रा में शामिल हुईं।

यह रहे मौजूद

कार्यक्रम के दौरान प्रदेश शासन के मंत्री करण सिंह वर्मा, श्रीमती संपतिया उइके, सुश्री निर्मला भूरिया, विश्वास सारंग, चेतन्य काश्यप, श्रीमती कृष्णा गौर, नारायण सिंह पंवार, श्रीमती प्रतिमा बागरी, श्रीमती राधा सिंह, पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बरूआ, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश मंत्री सुश्री राजो मालवीय, सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकि, श्रीमती माया नारोलिया, महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक भगवानदास सबनानी, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. वाणी अहलूवालिया सहित पार्टी पदाधिकारी एवं प्रदेश भर से बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव अल्प प्रवास पर आये, विमानतल पर हुआ स्वागत

ग्वालियर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को अल्प प्रवास पर ग्वालियर आये। विमानतल पर मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत हुआ। मुख्यमंत्री दोपहर 3 बजे राजकीय विमान से राजमाता विजयाराजे सिंधिया विमानतल पर आये। उनके साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी ग्वालियर आए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ग्वालियर में कुछ देर रुकने के पश्चात हैलीकॉप्टर द्वारा मुरैना में प्रदेश के कृषि मंत्रीऐदल सिंह कंषाना के निवास पहुँचकर उनकी नातिनी आयुष्मति दीपिका एवं आयुष्मान यतेन्द्र राव राजेश्वर सिंह को शुभ विवाह के अवसर पर आशीर्वाद प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विवाह समारोह में शामिल होने के पश्चात हैलीकॉप्टर द्वारा ग्वालियर विमानतल पधारे।

विमानतल पर पूर्व मंत्री रामनिवास रावत, पूर्व जिला अध्यक्ष अभय चौधरी, कमल माखीजानी, पार्षद अनिल सांखला, दीपक शर्मा ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। विमानतल पर ग्वालियर संभाग के आयुक्त मनोज खत्री, आईजी अरविंद सक्सेना, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह, निगम आयुक्त संघ प्रिय उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ग्वालियर विमानतल पर कुछ देर रुकने के पश्चात वायुयान से लखनऊ के लिये रवाना हुए।

अक्षय तृतीया का दिन सबसे पवित्र होता है: केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह

– किरार क्षत्रिय समाज के विवाह सम्मेलन में 31 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

ग्वालियर। आज अक्षय तृतीया है। सभी बहन भाई व बेटे-बेटियों को बधाई। आज का दिन इतना पवित्र होता है कि बड़ी संख्या में सामूहिक विवाह संपन्न होते हैं। यह बात सोमवार को केन्द्रीय कृषि मंत्री व मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुरार के रामलीला मैदान में किरार क्षत्रिय समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में कही।

ग्वालियर में अक्षय तृतीया के मौके पर मुरार के रामलीला मैदान में किरार क्षत्रिय समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में 31 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। सम्मेलन में शामिल होने आये केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वर-वधु को आशीर्वाद दिया और उनके मंगल भविष्य कामना की। उन्होंने वर-वधु को मैरिज सार्टिफिक्रेट वितरण कर उनको आशीर्वाद देने के बाद केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज अक्षय तृतीया है। सभी बहन भाई व बेटे-बेटियों को बधाई। आज का दिन इतना पवित्र होता है कि बड़ी संख्या में सामूहिक विवाह संपन्न होते हैं। किरार क्षत्रिय महासभा के सम्मेलन में बिना किसी सहायता के समाज के दानदाताओं के द्वारा राशि और सामान एकत्रित कर एक गृहस्थी का पूरा सामान वर-वधु को दिया जाता है। समाजों के ऐसे काम हमारे संस्कार और संस्कृति को दिखाते हैं। यह कई लोगों का भी सहारा है।

सात सैकड़ा से ज्यादा विवाह हुये

अक्षय तृतीया पर सोमवार को ग्वालियर में 700 से अधिक विवाह हुये। एक सैकड़ा विवाह सामूहिक सम्मेलनों में हुए हैं। किरार क्षत्रिय समाज, ब्राह्मण समाज और कुशवाह समाज द्वारा अलग-अलग सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किये गये। अक्षय तृतीया इस बार 19 और 20 अप्रैल को मनाई जा रही है। शुभ मुहूर्त के चलते शहर में विवाहों की धूम है। कुशवाह समाज आदर्श विवाह आयोजन समिति द्वारा शिवपुरी लिंक रोड स्थित नीम चंदोहा बेला की बावड़ी में 33 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया गया। सकल ब्राह्मण महासमिति ने सनातन धर्म मंदिर में 5 जोड़ों को सामूहिक विवाह कराया। सामूहिक विवाह में नवविवाहित जोड़ों को फ्रीज, वॉशिंग मशीन, अलमारी, टीवी, कूलर, पलंग, गैस चूल्हा, बर्तन, ज्वेलरी सेट, कपड़े, कंबल, पंखा, मिक्सी, इंडक्शन सहित अन्य गृहस्थी का सामान उपहार स्वरूप दिया गया।

स्वच्छता केवल आदत नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की आधारशिला है: महापौर डा. सिकरवार

– अपने साथ-साथ घर के सदस्यों को भी जागरुक करें: निगमायुक्त

ग्वालियर। स्वच्छता केवल आदत नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की आधारशिला है। हम अपने घर, विद्यालय और आसपास को साफ रखकर बीमारियों से बच सकते हैं। कचरा सही स्थान पर डालें, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करें और दूसरों को भी प्रेरित करें। मिलकर हम स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित समाज बना सकते हैं। यह बात हापौर डॉक्टर शोभा सतीश सिंह सिकरवार ने स्वच्छता संवाद के दौरान आम नागरिकों से कही।

नगर निगम द्वारा नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए स्वच्छता संवाद कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को महाराजा कंपलेक्स दीनदयाल नगर में हुआ। कार्यक्रम में महापौर डा. शोभा सिकरवार ने सभी को यह संकल्प दिलाया कि हम सभी ग्वालियर को स्वच्छ बनाने के लिए मिलकर कार्य करेंगे तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे एवं अन्य लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगे।

संवाद में निगम आयुक्त संघ प्रिय ने बताया कि नगर निगम की आईएससी टीम द्वारा विभिन्न स्कूलों में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है जिससे वह अपने साथ-साथ घर के सदस्यों को भी जागरुक कर सकेंगे। वार्ड 18 की पार्षद श्रीमती रेखा त्रिपाठी ने मंच से सभी नागरिकों से कहा कि सभी अपने घरों में कम से कम दो डस्टबिन का उपयोग करें जिसमें सूखा एवं गीला कचरा अलग-अलग संग्रहण कर कचरे की गाड़ी में ही डालें। कार्यक्रम में अपर आयुक्त टी प्रतीक राव, कोचिंग संचालक पी एस कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

स्वच्छ सर्वेक्षण की अधिकारी सभी तैयारियां शीघ्र पूर्ण करें : अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव

ग्वालियर। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 को लेकर नगर निगम प्रशासन ने तैयारियों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने सभी संबंधित अधिकारियों, क्षेत्राधिकारियों, स्वास्थ्य विभाग के अमले एवं आईईसी टीम को निर्देशित किया है कि वे अपनी सभी तैयारियां शीघ्र पूर्ण करें, क्योंकि सर्वेक्षण टीम आगामी दिनों में कभी भी शहर का दौरा कर सकती है।

बैठक में उन्होंने स्पष्ट कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण से जुड़े सभी कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सीटीपीटी, वॉल पेंटिंग, बैक लेन सुधार, ब्रांडिंग सहित अन्य आवश्यक कार्यों को तत्काल पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर आयुक्त ने सभी क्षेत्राधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सामुदायिक एवं सार्वजनिक शौचालयों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी प्रकार की कमी पाई जाती है तो उसे सात दिवस के भीतर पूर्ण किया जाए।

साथ ही सहायक स्वास्थ्य अधिकारियों को भी नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने को कहा गया।इसके अलावा, शहर की गलियों और प्रमुख दीवारों पर वॉल पेंटिंग का कार्य कराने के निर्देश दिए। आईईसी टीम द्वारा किए गए सर्वे के आधार पर क्षेत्राधिकारी इस कार्य को पूर्ण कराएं। टीम के सदस्यों को डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहनों के साथ जाकर नागरिकों को कचरा पृथक्करण के लिए जागरूक करने एवं आवश्यक जानकारी देने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में क्षेत्र क्रमांक 11 के क्षेत्राधिकारी कपिल पटेल के बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। बैठक में उपायुक्त एसबीएम मुकेश बंसल, सहायक नोडल अधिकारी शैलेंद्र सक्सेना, नोडल अधिकारी कार्यशाला पुष्पेंद्र श्रीवास्तव, मुख्य स्वच्छता अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

आयुक्त नगरीय प्रशासन ने की विकास कार्यों की समीक्षा

ग्वालियर। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग संकेत भोंडवे ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नगर निगम ग्वालियर के विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। बैठक में अमृत योजना 2.0, सड़क संधारण, मुख्यमंत्री अधोसंरचना, स्वच्छ भारत मिशन (स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26) एवं नमामि गंगे परियोजना की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई।

समीक्षा बैठक के दौरान सड़क संधारण कार्यों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि बारिश के बाद 77 सड़कों के सुधार का लक्ष्य था, जिनमें से 35 पूर्ण हो चुकी हैं और शेष पर कार्य जारी है। इस पर आयुक्त ने सभी कार्य बारिश से पहले पूर्ण करने के निर्देश दिए। आयुक्त नगरीय प्रशासन द्वारा निर्देश दिए गए के समस्त मुख्य मार्ग की गतिशील एवं कार्यदेश जारी सके 30 अप्रैल तक पूर्ण करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्य गुणवत्ता पूर्ण हो और इसके लिए दो स्तर पर लैब टेस्टिंगकृस्मार्ट सिटी की मोबाइल लैब एवं एनएबीएल लैब से अनिवार्य रूप से कराई जाए। सड़क निर्माण में देरी पर कार्यपालन यंत्री सुरेश अहिरवार का एक इंक्रीमेंट रोकने हेतु नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास ने निर्देश दिए कि कार्य आदेश मिलने के बाद काम शुरू न करने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट किया जाए, जबकि अच्छा कार्य करने वालों को समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही सड़क निर्माण में एडवांस मशीनों के उपयोग को अनिवार्य करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही अमृत योजना 2.0 के तहत डीपीआर स्वीकृत होने के बावजूद टेंडर दस्तावेज तैयार न होने पर नाराजगी जताई गई। संबंधित एजेंसी आरईपीएल को टर्मिनेट करने की कार्रवाई के निर्देश दिए गए। वहीं सीवेज प्रोजेक्ट में देरी पर कार्यपालन यंत्री संजीव गुप्ता का 15 दिन का वेतन रोकने के निर्देश भी दिए गए। नमामि गंगे परियोजना की समीक्षा के दौरान संबंधित एजेंसी के साथ बैठक कर शीघ्र कार्य पूर्ण कराने एवं देरी करने वालों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अर्बन चौलेंज फंड से संबंधित जानकारी तैयार करने के निर्देश भी दिए गए। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि सभी कार्य समयसीमा में पूर्ण हों और गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए। समीक्षा बैठक में निगम आयुक्त संघ प्रिय, अपर आयुक्त टी प्रतीक राव, प्रदीप तोमर उपस्थित रहे।

स्वामित्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए श्रीसिद्धीविनायक प्रिन्टर्स, 26 बी, प्रेस कॉम्पलेक्स जोन -1 एम.पी. नगर भोपाल मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं 5-अपूर्वा एन्क्लेव, अयोध्या बाईपास, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। आर.एन.आई नं. MPHIN/2007/18768
संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे 94251-26060, प्रबंध संपादक विकास शिवहरे 9770080488, संयुक्त संपादक- नीरज शिवहरे 9827359400, सहायक संपादक- संजय माकवे 9425375149, भोपाल कार्यालय- 5 अपूर्वा एन्क्लेव, अयोध्या बाईपास, भोपाल सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय होगा।